RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 120
नई दिल्ली, सोमवार, 7 मार्च, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर

भारत ने श्रीलंका को तीसरे दिन ही हराया
स्पोर्ट्स-12

www.dailypioneer.com

ऑपरेशन गंगा अंतिम चरण में, अब तक 16 हजार विद्यार्थी आए

यूक्रेन संकट

● लगातार एडवायजरी जारी कर छात्रों को बूडापेस्ट पहुंचने के लिए कहा गया, आज पहुंचेंगे 1500 नागरिक

● प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन गंगा की सफलता का श्रेय वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते प्रभाव को दिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुंबई एयरपोर्ट पर रविवार को यूक्रेन से लौटे विद्यार्थियों का स्वागत करते परिजन

युद्धग्रस्त यूक्रेन से भारतीय नागरिकों विशेषकर छात्रों को ऑपरेशन गंगा के तहत निकालने का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। यूक्रेन में रूस के हमले तेज होने के साथ ही भारत ने रविवार को अपने फंसे हुए नागरिकों से कहा है कि वे जल्द से जल्द बुडापेस्ट पहुंचें, ताकि आखिरी उड़ानों से उन्हें भारत लाया जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन गंगा की सफलता का श्रेय वैश्विक क्षेत्र में देश के बढ़ते प्रभाव को दिया है।

यूक्रेन की सीमाओं से रविवार को 11 निकासी उड़ानों के जरिए 2135 लोगों को वापस लाया गया। भारत सोमवार को भी 1500 छात्रों और अन्य नागरिकों को वापस लाने के लिए आठ उड़ानें संचालित करेगा। रूसी सैन्य हमले के बाद से अब तक ऑपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन से कुल 15,920 लोगों को निकाला जा चुका है। यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने रविवार को ताजा एडवाइजरी में कहा कि भारतीय दूतावास ने आज ऑपरेशन गंगा उड़ानों के अपने अंतिम चरण की शुरुआत कर दी है। अपने स्वयं के आवास (दूतावास द्वारा व्यवस्थित के अलावा) में रह रहे छात्र सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच बूडापेस्ट स्थित हंगरी सिटी सेंटर पहुंच जाएं, ताकि उन्हें आसानी से उड़ान मिल सके। इससे पहले एक ट्वीट में दूतावास ने अपने नागरिकों से बुनियादी विवरण का उल्लेख करते हुए एक फॉर्म भरने का अनुरोध किया था।

दूतावास के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट ने एक गूगल फॉर्म पोस्ट किया जिसमें नाम, पासपोर्ट नंबर और वर्तमान स्थान जैसे बुनियादी विवरण मांगे गए थे। एक ट्वीट में यह कहा गया कि सभी भारतीय नागरिक जो अभी भी यूक्रेन में रहते हैं, उनसे अनुरोध किया जाता है कि वे संलग्न गूगल फॉर्म में निहित विवरण तत्काल आधार पर भरें। सुरक्षित रहें मजबूत रहें। पुणे में सिम्बायोसिस विश्वविद्यालय और उसके आरोग्यम धाम के स्वर्ण जयंती समारोह का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम ऑपरेशन गंगा के माध्यम से हजारों भारतीयों को युद्ध क्षेत्र से सुरक्षित निकाल रहे हैं। पीएम ने आगे कहा कि कई बड़े देशों को अपने नागरिकों के लिए ऐसा करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पुणे में छात्रों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उनकी पीढ़ी भाग्यशाली है कि उसे रक्षात्मक और आश्रित मनोविज्ञान का खामियाजा नहीं उठाना पड़ा। इस बीच, नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ऑपरेशन गंगा का अपडेट देते हुए एक ट्वीट में कहा कि हमने 76 उड़ानों के माध्यम से 15,920 से अधिक छात्रों को सफलतापूर्वक निकाल लिया है। अधिक विवरण देते हुए सिंधिया (शेष पेज 9)

पुतिन की चेतावनी, यूक्रेन का देश का दर्जा खतरे में

एपी। लवीव

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा कि यूक्रेन का देश का दर्जा खतरे में है। उन्होंने पश्चिमी प्रतिबंधों को रूस के खिलाफ युद्ध की घोषणा करार देते हुए कहा कि कब्जे में आए बंदरगाह शहर मारियुपोल में आतंकी घटनाओं की वजह से संघर्षविराम भंग हुआ। यूक्रेन में युद्ध 11 वें दिन भी जारी रहा और करीब 15 लाख लोग देश छोड़ कर जा चुके हैं।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के प्रमुख ने रविवार को इस पलायन को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप का सबसे बड़ा शरणार्थी संकट करार दिया। तुर्की और फ्रांस के राष्ट्रपतियों तथा पोप फ्रांसिस ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से संघर्ष को खत्म करने के लिए वार्ता करने की अपील की है। इस बीच, यूक्रेन के अधिकारियों ने दावा किया कि शनिवार को रूसी सेना ने मरियुपोल में बमबारी तेज कर दी और वह कीव के उत्तर स्थित चेरनीहीव के रिहायशी इलाकों में शक्तिशाली बम गिरा रही है। पुतिन ने कहा, जो वे (यूक्रेनी) कर रहे हैं और अगर उसे जारी रखा तो वे यूक्रेन के देश के दर्जे पर सवाल उठाने का आह्वान कर रहे हैं।

अगर ऐसा होता है तो इसके लिए वे पूरी तरह से जिम्मेदार होंगे। उन्होंने रूस की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने और उसकी मुद्रा को कमजोर करने के लिए लगाए जा रहे प्रतिबंधों पर पश्चिमी देशों को आड़े हाथ लिया। पुतिन ने रूसी विमानन कंपनी एयरोफ्लोट के फ्लाइट अटेंडेंट के साथ हुई मुलाकात में कहा, लगाए जा रहे प्रतिबंध युद्ध की घोषणा (शेष पेज 9)

यूक्रेन में एमबीबीएस करने वाले भारत में कर सकेंगे इंटर्नशिप

● युद्ध और कोरोना महमारी के मद्देनजर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने मानदंडों में दी ढील

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

युद्धग्रस्त यूक्रेन से सुरक्षित वापस लाए गए मेडिकल के ऐसे छात्र, जिनका ग्रेजुएशन तो पूरा हो गया, लेकिन युद्ध छिड़ने की वजह से इंटर्नशिप नहीं कर सके, उनके के लिए खुशखबरी है। ये छात्र अब भारत में इंटर्नशिप कर सकेंगे। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने मानदंडों में ढील देते हुए कहा है कि भारतीय मेडिकल कॉलेजों के अस्पतालों में ये छात्र इंटर्नशिप पूरी कर सकेंगे। हालांकि, यहां के अस्पतालों में सीमित संसाधनों को देखते हुए यह आसान नहीं होगा। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने कहा कि महामारी और युद्ध जैसी विपरीत परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नियमों में ढील दी गई है। जो छात्र युद्ध छिड़ने के कारण अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए थे, वे अभी भी अधर में हैं। बीते 4 मार्च को जारी सर्कुलर में कहा गया कि कुछ विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट हैं, जो कोविड और युद्ध की मजबूरी के कारण इंटर्नशिप अधूरी है। ऐसे विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट्स की पीड़ा और तनाव को ध्यान में रखते हुए, भारत में अपनी बची हुई इंटर्नशिप पूरा करने के लिए उनके आवेदन को पात्र माना जाता है। तदनुसार, इसे राज्य चिकित्सा परिषदों द्वारा संचालित किया जा सकता है। भारत में काम करने आवेदन से पहले विदेश से सभी मेडिकल स्नातकों को उस संस्थान में 12 महीने का इंटर्नशिप करना आवश्यक है जहां से उन्होंने अध्ययन किया था। नियमानुसार कोई भी यहां बिना मेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रेशन के मेडिकल चिकित्सा का अभ्यास नहीं कर सकता है। हालांकि एनएमसी ने इंटर्नशिप के लिए छूट दी है, लेकिन आयोग के कई अधिकारी ने कहा कि किसी भी छात्र को यहां मेडिकल कॉलेजों में समायोजित करने या कॉलेजों में स्थानांतरित करने की अनुमति नहीं है। देश में चिकित्सा शिक्षा को नियंत्रित करने वाले मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया को 2020 में भंग कर दिया गया था।

बीएसएफ जवान ने चार साथियों को मार डाला, खुद की भी मौत

अमृतसर में घायल बीएसएफ जवान को गुरु नानक देव अस्पताल ले जाते सहकर्मी

● अमृतसर के 144 बीएन खासा मुख्यालय में हुई सनसनीखेज वारदात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पंजाब के अमृतसर जिले के खासा में रविवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान ने चार अन्य साथी जवानों की गोली मारकर हत्या कर दी। बाद में उसे भी गोली लगी, जिससे उसकी भी मौत हो गई। बीएसएफ ने कहा कि एक कांस्टेबल की पहचान सत्तेप्पा एसके के रूप में हुई, जिसने अटारी-वाघा सीमा से 20 किमी दूर स्थित शिविर में अपने पांच सहयोगियों पर गोली चला दी। तथ्यों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया गया है और आगे के विवरण की प्रतीक्षा की जा रही है। अर्धसैनिक बल के अधिकारियों ने बताया कि एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में अमृतसर में 144 बीएन (शेष पेज 9)

उप्र में अंतिम चरण का मतदान आज

● वाराणसी समेत नौ जिलों की 54 सीट पर पड़ेंगे वोट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वाराणसी में सातवें चरण के मतदान के लिए चुनाव सामग्री ले जाते कर्मचारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी समेत यूपी के नौ जिलों की 54 विधानसभा सीटों पर अंतिम चरण के तहत सोमवार को मतदान होगा। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ल ने रविवार को बताया कि सातवें चरण में वाराणसी, चंदौली, भदोही, मिर्जापुर, रॉबर्ट्सगंज, गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़ और जौनपुर जिलों के 54 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान सोमवार सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक होगा।

इस चरण में कुल 613 उम्मीदवार मैदान में हैं। सातवें चरण की 54 सीट में से 11 अनुसूचित जाति के लिए और दो अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। सातवें चरण में लगभग 2.06 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। 2017 के विधानसभा चुनाव में सातवें चरण की इन 54 सीट में भाजपा और उसके सहयोगियों अपना दल एस और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी सुभासपा को कुल 36 सीट मिली थीं। इनमें भाजपा को 29, अपना दल एस को चार और सुभासपा को तीन सीट प्राप्त हुई थीं। सपा को 11, बसपा को छह और निषाद पार्टी को एक सीट पर जीत मिली थी। पिछली बार 2017 में अपने दम पर लड़ी निषाद पार्टी इस बार भाजपा के साथ गठबंधन में है जबकि सुभासपा ने सपा से गठबंधन किया है। चुनाव के अंतिम चरण में योगी सरकार के कई मंत्रियों के चुनावी भाग्य का फैसला होगा।

इनमें पर्यटन मंत्री नीलकंठ तिवारी वाराणसी दक्षिण, अनिल राजभर शिवपुर वाराणसी, रविंद्र जायसवाल वाराणसी उत्तर, गिरीश यादव जौनपुर और रमाशंकर पटेल मड़िहान मिर्जापुर शामिल हैं। पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान घोसी मऊ और पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर जहूराबाद गाजीपुर, मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी मऊ सदर तथा बाहुबली पूर्व (शेष पेज 9)

विदेशी निवेशकों ने तीन दिनों में की 17,537 करोड़ की निकासी

भाषा। नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च के सिर्फ तीन कारोबारी दिवसों में ही भारतीय शेयर बाजारों से 17,537 करोड़ रुपए की निकासी कर ली है। यूक्रेन संकट की वजह से पैदा हुई अनिश्चितता और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से कारोबारी धारणा पर पड़े प्रतिकूल असर ने एफपीआई की इस निकासी को रफ्तार देने का काम किया है। जमाकर्ताओं से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने इस महीने के तीन कारोबारी दिवसों में ही इक्विटी से 14,721 करोड़ रुपए, ऋण खंड से 2,808 करोड़ रुपए और हाइब्रिड साधनों से नौ करोड़ रुपए निकाले हैं। इस तरह 2-4 मार्च के दौरान भारतीय बाजारों से कुल 17,537 करोड़ रुपए की निकासी विदेशी निवेशकों ने की। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच छिड़ी जंग से उपजी अनिश्चितता और कच्चे तेल के दाम में आई (शेष पेज 9)

श्रीनगर में सुरक्षाबलों पर ग्रेनेड से आतंकियों ने किया हमला

श्रीनगर में आतंकी हमले के बाद सतर्क सुरक्षा बलों के जवान

● एक नागरिक की मौत, पुलिसकर्मी सहित 24 घायल

भाषा। श्रीनगर

श्रीनगर के हरि सिंह हाई स्ट्रीट इलाके में रविवार को आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर ग्रेनेड से हमला किया जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक पुलिसकर्मी समेत 24 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, शाम चार बजकर 20 मिनट पर आतंकवादियों ने हरि सिंह हाई स्ट्रीट पर तैनात पुलिस और सुरक्षाबलों पर एक ग्रेनेड से हमला किया। उन्होंने कहा कि इस घटना में एक पुलिसकर्मी समेत 24 अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को श्री महाराजा हरि सिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान मोहम्मद असलम मखदूमी (70) के रूप में की गई है जो शहर के नौहट्टा इलाके का निवासी था। अधिकारी ने कहा कि इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और दोषियों को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। जम्मू कश्मीर के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों उमर (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	53,887	
निफ्टी	16,245	
सोना	51,863	/10g
चांदी	67,996	/kg

क्विक न्यूज

तीन साल में 2170 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त

अहमदाबाद। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने पिछले तीन साल में 2,170 करोड़ रु की अनुमानित कीमत का मादक पदार्थ जब्त किया और इस सिलसिले में कई पाकिस्तानी नागरिकों सहित 73 लोगों को गिरफ्तार किया। एटीएस ने रविवार को दावा किया कि पाकिस्तानी तस्करों ने कई बार नशीले पदार्थ की तस्करी के लिए गुजरात तट का इस्तेमाल करने की कोशिश की, लेकिन ऐसी सभी कोशिशों को नाकाम कर दिया गया। आतंकवाद रोधी एजेंसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि ऐसे प्रयासों का भंडाफोड़ करने के लिए गुजरात एटीएस ने भारतीय तटरक्षक बल और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाए है। उसमें बताया गया है कि सिर्फ 2021 में ही 1,466.18 करोड़ रुपए के जबकि पिछले दो वर्षों में 704.04 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए है।

प्रदूषण प्रमाणपत्र बिन पेट्रोल-सीएनजी नहीं, नीति तैयार

● दिल्ली सरकार ने जारी की अधिसूचना, नियमों का उल्लंघन करने वाले पंप मालिकों पर होगा एक लाख का जुर्माना या पांच साल कैद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सांकेतिक फोटो

राजधानी दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के स्तर से निपटने के लिए शहर में पेट्रोल पंपों पर तेल भरवाने के लिए प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) को अनिवार्य बनाने के लिए मसौदा नीति तैयार कर ली गई है। यानी यदि ग्राहक गाड़ी का पीयूसीसी नहीं दिखाता, तो उसे पेट्रोल, डीजल या सीएनजी नहीं मिलेगी। बीते चार मार्च को प्रकाशित दिल्ली गजट नोटिफिकेशन के अनुसार वाहनों से पैदा होने वाले उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए, पेट्रोल, डीजल, सीएनजी पंपों के सभी डीलरों को तत्काल प्रभाव से निर्देश दिया जाता है कि वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) प्रस्तुत करने पर ही ग्राहक को तेज या सीएनजी दें।

अधिसूचना में कहा गया है कि पेट्रोल पंप, सीएनजी स्टेशन और परिवहन विभाग के आयुक्त को ताजा निर्देशों को अक्षरशः लागू करना होगा। इन निर्देशों के उल्लंघन करने पर पांच साल तक की कैद या एक लाख रुपये जुर्माना अथवा दोनों की सजा दी जा सकती है। दिल्ली सरकार ने इसी साल जनवरी में घोषणा की थी कि सरकार जल्द ही प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) को शहर में सभी पेट्रोल पंपों पर ईंधन भरने के लिए अनिवार्य कर देगी, ताकि राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटा जा सके। अधिसूचना के अनुसार पंजीकृत पीयूसी केंद्रों के माध्यम से जारी प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र वाहनों के टेलपाइप उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए महत्वपूर्ण साधन है और वाहनों के प्रदूषण की निगरानी और (शेष पेज 9)

पढ़ाई में बाधा नहीं बनेगी कॉलेजों की चारदीवारी

● संस्थानों का क्लस्टर बनाने की तैयारी

भाषा। नई दिल्ली

सांकेतिक फोटो

कॉलेजों के परिसरों की चारदीवारी अब किसी छात्र या संस्थान के विकास में बाधा नहीं बनेगी और सरकार कॉलेजों का समूह (क्लस्टर ऑफ कॉलेज) बनाने की योजना बना रही है। इस योजना के तहत एक कॉलेज के छात्र, दूसरे कॉलेज के संसाधनों का उपयोग कर सकेंगे वहीं कम सुविधा वाले संस्थान दूसरे सुविधासम्पन्न कॉलेजों के साथ मिलकर बहुविषयक पाठ्यक्रम भी शुरू कर सकेंगे।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने उच्च शैक्षणिक संस्थाओं को बहु-विषयक संस्थान में बदलने के विषय पर दिशानिर्देशों का नया मसौदा तैयार किया है जिसमें स्वायत्त कॉलेजों का समूह या क्लस्टर बनाने का प्रस्ताव किया गया है। यह मसौदा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के अनुरूप तैयार किया गया है जिसमें उच्च शिक्षण संस्थानों (एचईआई) को समय के साथ जीवंत बहुविषयक संस्थानों के क्लस्टर के अंग के रूप में चरणबद्ध तरीके से परिवर्तित करने की बात की गई है। मसौदा में कहा गया है कि कई बार यह देखा गया है कि रोजगारोन्मुखी नवाचार पर आधारित बहु-विषयक पाठ्यक्रम और संस्थानों के रखरखाव एवं प्रबंधन के लिए संसाधनों की कमी के कारण एकल विषयक संस्थान और बहुविषयक संस्थान में छात्रों के दाखिले की स्थिति काफी खराब होती है।

इसमें कहा गया है, ऐसे कॉलेज या संस्थान अपना एक समूह या क्लस्टर बनाकर एवं बहुविषयक पाठ्यक्रम पेश करके अधिक छात्रों को आकर्षित कर सकते हैं। कॉलेजों के गठबंधन का मकसद अन्य विश्वविद्यालयों, प्रतिष्ठित सरकारी संस्थाओं आदि के साथ गठजोड़ करके अधिक विविधतापूर्ण पाठ्यक्रम पेश करना है। उच्च शैक्षिक संस्थानों के गठबंधन के जरिए संस्थानों के बीच अकादमिक गठजोड़ से विभिन्न प्रारूपों में विभिन्न विषयों में शिक्षा और अनुसंधान में मदद मिलेगी। मसौदा के अनुसार, छात्र अपने वर्तमान संस्थान से पाठ्यक्रम का एक हिस्सा पढ़ सकते हैं जबकि दूसरा हिस्सा वे गठबंधन के दूसरे संस्थान से पूरी कर सकते हैं। इसके तहत पुस्तकालय, खेल संसाधन, प्रयोगशाला, मैदान, कक्षाएं, सुरक्षा सेवाएं, पार्किंग सहित कॉलेजों की विभिन्न सुविधाएं एक छत के नीचे आ जाएंगी जिसका सभी छात्र उपयोग कर सकेंगे। कॉलेजों के गठबंधन के सुचारू रूप से काम करने के लिए एक संचालक मंडल और एक अकादमिक परिषद का गठन किया जाएगा। कॉलेजों का समूह सरकारी और निजी कालेजों के लिए अलग अलग होगा। वित्त वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट (शेष पेज 9)

सीआईएसएफ का 53वां स्थापना समारोह

हाइब्रिड सुरक्षा मॉडल भविष्य की जरूरत : अमित शाह

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को गाजियाबाद में सीआईएसएफ के 53वें स्थापना दिवस समारोह में हाइब्रिड सुरक्षा मॉडल की वकालत करते हुए कहा कि निजी क्षेत्र की विभिन्न औद्योगिक एवं विनिर्माण इकाइयों को प्रभावी सुरक्षा मुहैया कराने के लिए केंद्र सरकार का अर्धसैनिक बल सीआईएसएफ और निजी सुरक्षा एजेंसियां हाथ मिला सकती हैं।

सीआईएसएफ के स्थापना दिवस पर परेड की सलामी लेते गृहमंत्री अमित शाह।

शाह ने कहा कि यह अहम है, क्योंकि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल सीआईएसएफ जैसी सरकारी सुरक्षा एजेंसियां देशभर में इस काम को अकेले अंजाम नहीं दे सकतीं और वे धीरे-धीरे इसे निजी सुरक्षा एजेंसियों के हवाले कर सकती हैं। उन्होंने सीआईएसएफको अगले 25 साल का खाका भी तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि भारत जब अपनी आजादी के 100वें वर्ष में प्रवेश करे, तब तक यह एक परिणाम.उन्मुख सुरक्षा एजेंसी के रूप में उभर सके। शाह ने सीआईएसएफ से निजी सुरक्षा एजेंसियों को प्रशिक्षण देने की जिम्मेदारी लेने पर विचार करने को भी कहा।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत अगले 25 वर्षों के दौरान 2.5 ट्रिलियन डॉलर से पांच ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी की यात्रा शुरू कर रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने यह भी कहा कि भारत को 2.5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनाने में सीआईएसएफ के योगदान को पिछली सरकारों ने नजरअंदाज कर दिया था।

गृह मंत्री ने सीमाओं और बंदरगाहों के पास स्थित औद्योगिक इकाइयों पर ड्रोन के बढ़ते खतरे के मद्देनजर सीआईएसएफ से रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जैसी एजेंसियों के साथ मिलकर इस खतरे के खिलाफ एक प्रभावी प्रौद्योगिकी तैयार करने को कहा। कार्यक्रम में सीआईएसएफ के महानिदेशक शील वर्धन सिंह ने कहा कि सीआईएसएफ भारत में निजी सुरक्षा एजेंसियों के प्रशिक्षण और प्रमाणन में बेहद अहम भूमिका निभा सकता है, जो फि लहाल असंगठित तरीके से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ हवाई अड्डों और बंदरगाहों के अलावा ड्रोन विरोधी अभियान और समुद्री एवं त्वरित परिवहन प्रणाली में एक श्विशेष एवं एकीकृत सुरक्षा एजेंसी की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। लगभग 1.64 लाख सुरक्षा कर्मियों से लैस सीआईएसएफ मौजूदा समय में देश के 65 नागरिक हवाई अड्डों की सुरक्षा का जिम्मा संभाल रहा है। सरकारी और निजी क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों की हिफ ाजत की जिम्मेदारी भी उस पर है। सीआईएसएफ केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन काम करता है।

जवानों की दस टुकड़ियों और बैंड दल ने दिखाया जलवा

कदम से कदम कंधे से कंधा मिलाकर सीआईएसएफ के जवानों ने इंदिरापुरम स्थित सीआईएसएफ की 5वीं बटालियन में रविवार को 53वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। वहीं कमांडो, अग्निशमन, सिक्योरिटी और क्राइम सहित दस टुकड़ी के जवानों ने अपने अपने कार्य कौशल का बखूबी प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अथिति केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने परेड की सलामी ली। स्वर से स्वर और राग से राग मिलाते हुए बैंड टुकड़ी धुन बजाई गई। विभिन्न दलों की टुकड़ी के कदमों से परेड शुरू हुई। परेड सलामी मंच से होते हुए वॉयस अपने स्थान पर पहुंची। इससे पूर्व गृहमंत्री ने सलामी लेते हुए टुकड़ी का निरीक्षण किया। सीआईएसएफ महानिदेशक शील वर्द्धन सिंह ने कार्यक्रम में सीआईएसएफ बल, अग्निशमन दल और उनके कार्यों की सराहना करते हुए लोगों को अवगत कराया।

कोविड टीका लगाने में बबीता और ऊषा यूपी में बनी नंबर वन

दोनों ने लगाए 4.78 लाख से भी अधिक वैक्सीन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोरोना संक्रमण की स्थिति भयंकर होने के बावजूद भी गौतमबुद्धनगर की उषा चौधरी और बबीता नागर ने हिम्मत नहीं हारी। इन्होंने जनपद में 4 लाख से अधिक टीके लगाए हैं। अब महिला दिवस के मौके पर इन दोनों महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। महिला दिवस पर गौतमबुद्ध नगर की दोनों महिलाओं को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ मनसुख मांडवीया द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

उषा चौधरी जिला अस्पताल में पिछले 15 सालों से काम कर रही हैं। उषा चौधरी ने जिला अस्पताल में बेहतरीन कार्य किया है और उनको वैक्सीनेशन का इंचार्ज बनाया गया है। इसके अलावा उषा चौधरी चैन सिस्टम का भी काम देखती हैं। वह अभी तक अस्पताल में 2 लाख 38 हजार कोविड टीके लगा चुकी है।

उषा चौधरी ने बताया कि वह 12 घंटे से अधिक समय अस्पताल में गुजार देती हैं। पिछले साल 7 अप्रैल के बाद उनके दोनों बच्चे भी कोरोना पॉजिटिव हो गए थे। इसके बावजूद भी उन्होंने अस्पताल आना नहीं छोड़ा। वहीं, एएनएम बबीता नागर ग्रेटर नोएडा में स्थित जिम्स अस्पताल में कार्यरत हैं। बबीता ने अब तक 2 लाख 40 हजार 269 कोविड टीके लगाए हैं। अब इन दोनों स्वास्थ्य कर्मियों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मानित किया जाएगा।

समस्याओं के समाधान को नोएडा प्राधिकरण लांच करेगा ऐप

नोएडा। नोएडवासियों के लिए प्राधिकरण एक खास ऐप लेकर आ रहा है। जिसके बाद लोग आसानी से अपनी शिकायत अधिकारियों तक पहुंचा सकते हैं। इस ऐप का नाम नोएडा नंबर वन रखा गया है। जिसका डिजाइन लगभग पूरा हो गया है। जानकारी के मुताबिक इस ऐप में प्राधिकरण की सभी विभागों की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी।

बताया जा रहा है कि ऐप के अंदर जरूरी सुविधाएं देने का कार्य अभी प्राधिकरण कर रही है। इस ऐप के माध्यम से ग्रामीण और शहरी सेक्टरों को फायदा मिलेगा, चाहे सीवर लाइन लीकेज हो या सफाई ना होने से जुड़ी शिकायतें हो। ऐसी शिकायतों के समय से निस्तारण और शहर की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए यह ऐप अहम भूमिका निभाएगा। नोएडा प्राधिकरण के बड़े अधिकारी हर क्षेत्र की शिकायतों की खुद मॉनिटरिंग करेंगे।

ध्वस्तीकरण से पहले एक्सप्रेसवे की सर्विस लाइन की जाएगी बंद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सुपरटेक ट्विन टावर को तोड़ने का कार्य तेजी के साथ चल रहा है। मजदूरों ने भी अपनी रफ्तार बढ़ा दी है। दक्षिण अफ्र ीका एजेंसी के इंजीनियर टावर को ध्वस्त करने की रूपरेखा को तैयार कर चुके हैं। इसी के साथ विस्फोट लगाने का कार्य भी शुरू हो गया है। जानकारी के मुताबिक टावर के सामने वाली सड़क को 1 महीने के लिए बंद कर दिया जाएगा। फि लहाल सड़क की एक लेन को बंद कर दिया गया है। टावर के ध्वस्तीकरण वाले दिन एक्सप्रेसवे की सर्विस सड़क भी बंद कर दी जाएगी।

शनिवार से अलग-अलग टावर के 19 और 31 वे तल पर दीवारों में तोड़फोड़ का काम मजदूरों द्वारा किया जा रहा है। जिसमें मशीनों के सहारे कटिंग का भी काम चल रहा है। इस दौरान कोई दुर्घटना ना हो सके, इसका खास ध्यान रखा जा रहा है। हर पहलुओं को देखते हुए आने वाले दिनों में टावरों के सामने वाली सड़क को पूरी तरह वाहनों के लिए प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। इमारतों को ध्वस्त करने वाली कंपनी एक्सजीक्यूट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक और ध्वस्तीकरण विशेषज्ञ आनंद शर्मा ने बताया कि जिस समय विस्फोटक से दोनों टावरों को गिराया जाएगा, उस समय मलबे से करीब 60 मंजिल ऊंचा धूल का गुबार उठेगा। जिससे आसपास में प्रदूषण का स्तर काफी ज्यादा बढ़ जाएगा, लेकिन इमारतों को इससे बचाने के लिए वाटर जैट, फायर टेंडर और फव्वारों का इंतजाम किया जाएगा। इसको लेकर फ ायर विभाग ने एनओसी भी दे दी है।

महिला ने तीन बच्चों समेत खाया जहर, मौत

पति के टीबी की बीमारी से थी परेशान, परिवार में पसरा मातम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

लोनी में ट्रॉनिका सिटी थाना इलाके की इलाचीपुर गांव में एक महिला ने पति की टीबी की बीमारी का इलाज नहीं करा पाने पर शनिवार शाम अपने तीन बच्चों के साथ जहर खा लिया। महिला और उसके इकलौते बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो बेटियों की दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार सुबह मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इलायचीपुर गांव अमन गार्डन कॉलोनी में मोनू परिवार के साथ रहता है। वह मजदूरी करता है। घर में पत्नी मोनिका 30, बेटा अंश 3, दो बेटियां मनाली 11 और साक्षी 6 समेत परिवार के अन्य सदस्य रहता है। मोनू और मोनिका की 13 साल पहले शादी हुई थी। पुलिस के अनुसार मोनू के घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। लोनी सीओ रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि आसपास के लोगों ने बताया कि मोनू को करीब तीन माह पहले टीबी हो गई थी। उसका सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा था लेकिन तबीयत ठीक नहीं रहती थी। आसपास के लोगों ने कहा कि कुछ समय पूर्व मोनू के पिता राम सिंह की भी मौत टीबी की वजह से हो गई थी। जिसकी वजह से मोनिका परेशान रहती थी। मोनिका पति का इलाज बड़े निजी अस्पताल में कराना चाहती थी। पुलिस पूछताछ में लोगों ने कहा कि निजी अस्पताल में इलाज न कराने पर मोनिका परेशान रहती थी। मोनू का भाई पड़ोस में रहता है। शनिवार को मोनू मजदूरी पर गया था। शाम करीब साढ़े तीन बजे मोनिका ने अपने तीनों बच्चों के साथ घर में ही जहर खा लिया। कुछ देर बाद दोनों बेटियों की तबीयत खराब होने लगी। तबीयत खराब होने पर मोनिका कुछ नहीं बोली, इस दौरान घर में बीमार पड़ी सास किसी तरह उठी और अपने दूसरे बेटे को बुलाया। दोनों बेटियों मनाली और साक्षी की तबीयत खराब होने पर महिला का जेठ दोनों बच्चियों को लेकर दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में पहुंचा और उन्हें भर्ती कराया।

जेठ जब घर पहुंचा, तो दोनों बेटियों की तबीयत खराब थी। उसे नहीं पता कि महिला और अंश ने भी जहर खाया है। मोनू जब घर पहुंचा, तो पत्नी और बेटे की मौत हो चुकी थी। मोनू को घर में दोनों का शव मिला। शव मिलने पर परिवार में मातम पसर गया। इसके बाद परिवार के लोगों ने पुलिस को सूचना दी है। सूचना पाकर लोनी सीओ पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

लूट मामले में गाजियाबाद पुलिस द्वारा गिरफ्तार तीनों आरोपी।

कारोबारी के घर लूट में भाई बहन समेत तीन गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● पूर्व महिला किराएदार ही निकली मास्टरमाइंड

शहर के नेहरूनगर में 12 दिन पूर्व दिनदहाड़े बिल्डर के घर लाखों रुपये की लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पूर्व महिला किराएदार समेत तीन को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से महिला का एक भाई भी है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 29 हजार रुपये भी बरामद किए हैं। लूटे गए आभूषण गाजियाबाद में ही गोल्ड लोन कंपनी में गिरवी रखे हैं, जबकि कुछ आभूषण रोहतक में बेचे गए हैं।

एसपी सिटी निपुण अग्रवाल ने बताया कि नेहरू नगर के राकेश मार्ग पर बिल्डर गुलाब सिंह भाटी अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनके घर पर 22 फरवरी को हुई लूट के मामले में ज्योति, उसके भाई रवि और विशाल को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में उनका साथ देने वाले तीन अन्य लोगों की पुलिस तलाश कर रही है। उन्होंने बताया कि ज्योति 2019 से 2020 के बीच गुलाब के घर में किराए पर रही थी। इस दौरान उसने शादी के बाद परिवार द्वारा अलग करने की जानकारी दी थी। फिर वह करीब डेढ़ साल तक उसी घर में रही।

पुलिस के अनुसार, घर छोड़ने के बाद भी वह परिवार के संपर्क में रहती थी। इसी दौरान उसे कुछ आभूषण और नकदी की जानकारी हुई तो उसने अपने साथियों के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई। पहले वह गैंग के साथ रेकी करने आई थी। घटना वाले भी दिन भी रेकी के लिए आई थी और लूट के बाद स्कूटी से रोहतक चली गई थी।

चौकी के नजदीक महिला से मंगलसूत्र लूट ले गए बदमाश

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● पुलिस ने चोरी में दर्ज की घटना

बुलेट मोटरसाइकिल सवार दो लुटेरों ने लिंक रोड थाना क्षेत्र की औद्योगिक क्षेत्र पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी पर बनाना ट्री बैंक्वेट हाल के सामने दिल्ली के कारोबारी की पत्नी से दो लाख रुपये का मंगलसूत्र लूट लिया। पुलिस ने चोरी की धारा में रिपोर्ट दर्ज की। पीड़ित कारोबारी ने उसे लूट की धारा में तब्दील करने की मांग की है।

शाहदरा, दिल्ली निवासी कारोबारी मनोज चौधरी के एक रिश्तेदार की बनाना ट्री बैंक्वेट हाल में शुक्रवार को शादी थी। वह परिवार के साथ यहां शामिल होने आए थे। रात करीब 9:45 बजे उनकी पत्नी प्रीति चौधरी अपनी देवरानी व जेठानी के साथ बैंक्वेट हाल के बाहर खड़ी होकर बातचीत कर रही थीं।

इस दौरान बुलेट सवार दो लुटेरों ने प्रीति के गले से सोने का मंगलसूत्र लूट लिया। उसकी कीमत करीब दो लाख रुपये थी। मनोज ने पुलिस कंट्रोल रूम में मामले की शिकायत की। सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मी लिंक रोड थाने जाकर लिखित शिकायत देने की बात करके चले गए।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा स्टेडियम में रक्तदान शिविर का उद्घाटन करतीं प्राधिकरण सीईओ।

रक्तदान शिविर में लोगों ने दिखाया उत्साह

नोएडा। सेक्टर 21ए स्थित नोएडा स्टेडियम में लक्ष्मी नारायण मंदिर द्वारा मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सुबह से ही बड़ी संख्या में दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद से युवा व महिला रक्तदान के लिए पहुंचे। इस रक्तदान शिविर का उद्घाटन नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने किया। उन्होंने लक्ष्मी नारायण मंदिर द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर की काफी सराहना की। लक्ष्मी नारायण मंदिर के प्रोपराइटर एके गुप्ता ने बताया कि शिविर में दिव्यांग युवती के साथ ही 60 साल पार के बुजुर्गों ने भी रक्तदान किया। शिविर का आयोजन सुबह 8:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक हुआ। जिम्स, चाइल्ड पीजीआई, जिला अस्पताल, रोटरी ब्लड बैंक आदि के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया था।

अंगूठे का क्लोन बनाकर ठगी

नोएडा। शातिर ठगों ने एक महिला के अंगूठे का क्लोन बनाकर ग्राहक सेवा केंद्र के माध्यम से खोले गए खाते से 30 हजार रुपए निकाल लिए। इस मामले में पीड़िता ने सेक्टर-24 कोतवाली में शिकायत दर्ज करवाई है। थाना प्रभारी निरीक्षक ज्ञान सिंह ने बताया कि सेक्टर-11 में रहने वाले राजेश सिन्हा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी पत्नी माधुरी सिन्हा का बैंक ग्राहक सेवा केंद्र के माध्यम से एक खाता खुला था। पीड़ित का आरोप है कि एक मार्च से 3 मार्च के बीच अज्ञात बदमाशों ने उनकी पत्नी के अंगूठे के निशान का क्लोन तैयार करके ग्राहक सेवा केंद्र के माध्यम से तीन बार में 30 हजार रुपए निकाल लिया। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। नोएडा में इस तरह का यह पहला अपराध बताया जा रहा है।

CAPRI GLOBAL CAPITAL LIMITED

कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड

पंजीकृत एवं कार्पोरेट कार्यालय :– 502, टावर–ए, पेनिन्सुला बिजनेस पार्क, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई–400013
सर्किल कार्यालय :– कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड, द्वितीय तल, 3बी पूसा रोड, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली–110005

परिशिष्ट –IV–क [नियम 8 (6) तथा 9 (1) का परंतुक देखें]

अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) तथा 9 (1) के परंतुक के अधीन अचल आस्तियों की बिक्री के लिए ई–नीलामी बिक्री सूचना। एतद्द्वारा सर्व साधारण को और विशेष रूप से कर्जदार(रों) तथा गारंटर(रों) को सूचना दी जाती है कि प्रत्याभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित निम्नवर्णित अचल सम्पत्ति, जिसका प्रलक्षित/भौतिक कब्जा कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड, प्रत्याभूत लेनदार, के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जा चुका है, नीचे वर्णित कर्जदार की तरफ कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड, प्रत्याभूत लेनदार, की बकाया राशि की वसूली के लिए निम्नवर्णित तिथियों को "जैसी है जहां है", जैसी है जो है" तथा "जो भी है वहां है" आधार पर बेची जाएगी। सुरक्षित मूल्य, ईएमडी राशि तथा सम्पत्ति का वर्णन नीचे दिया गया है।

क्र. सं.	1. कर्जदार(रों) का नाम 2. बकाया राशि	बंधक सम्पत्ति का वर्णन	1. ई–नीलामी की तिथि एवं समय 2. ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि 3. सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि एवं समय	1. सुरक्षित मूल्य 2. सम्पत्ति की ईएमडी 3. वृद्धि मूल्य
1.	1. मैसर्स नव भारत इम्पेक्स ("कर्जदार") 2. मैसर्स आर बी इंडस्ट्रीज 3. अरूण कुमार अग्रवाल 4. अकांश अग्रवाल 5. शिशिर चतुर्वेदी (सह–कर्जदार) ऋण खाता संख्या LNCGCDELTL0000003476 रू. 2,87,34,527/– (रूपए दो करोड़ सतासी लाख चौंतीस हजार पांच सौ सत्ताईस मात्र) + 28–02–2022 से ब्याज तथा आगे लागू ब्याज	सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : निर्मित मकान नंबर 24 का सम्पूर्ण भू तल, ब्लॉक बी–6, क्षेत्रफल परिमाप 279.16 वर्ग मीटर, सफदरजंग विकास क्षेत्र आवासीय योजना, कालोनी सफदरजंग एन्क्लेव के नाम से ज्ञात, नई दिल्ली, उसके ऊपर वर्तमान और भावी दोनों निर्माण सहित।	1. ई–नीलामी की तिथि : 24–03–2022 (अप. 3.00 बजे से अप. 4.00 बजे के बीच) 2. ईएमडी, केवाईसी सहित जमा करने की अंतिम तिथि : 23–03–2022 3. निरीक्षण की तिथि : 22–03–2022 पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 02.00 बजे तक	सुरक्षित मूल्य : रू. 3,15,00,000/– (रूपए तीन करोड़ पंद्रह लाख मात्र) धरोहर राशि जमा : रू. 31,50,000/– (रूपए इकतीस लाख पचास हजार मात्र) वृद्धि मूल्य : रू. 1,00,000/– (रूपए एक लाख मात्र)
2.	1. श्री नवीन कुमार (कर्जदार) 2. श्रीमती डॉली (सह कर्जदार) ऋण खाता संख्या LNCGCJGDTL0000007494 रू. 25,82,013/– (रूपए पच्चीस लाख बयासी हजार तेरह मात्र) + 25–02–2022 से ब्याज तथा आगे लागू ब्याज	सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : सम्पत्ति सं. सी–530/बी, सम्पूर्ण अपर ग्राउंड फ्लोर, एक टू व्हीलर पार्किंग सहित, छत का अधिकार नही, ब्लॉक–सी, खसरा नबर 355, गली नंबर 25, भजनपुरा, शाहदरा, दिल्ली–110053, उसके ऊपर वर्तमान और भावी दोनों निर्माण सहित।	1. ई–नीलामी की तिथि : 24–03–2022 (अप. 3.00 बजे से अप. 4.00 बजे के बीच) 2. ईएमडी, केवाईसी सहित जमा करने की अंतिम तिथि : 23–03–2022 3. निरीक्षण की तिथि : 22–03–2022 पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 02.00 बजे तक	सुरक्षित मूल्य : रू. 10,25,000/– (रूपए दस लाख पच्चीस हजार मात्र) धरोहर राशि जमा : रू. 1,02,500/– (रूपए एक लाख दो हजार पांच सौ मात्र) वृद्धि मूल्य : रू. 10,000/– (रूपए दस हजार मात्र)

बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड, प्रत्याभूत लेनदार, की वेबसाइट में उपलब्ध कराया गया लिंक देखें :– www.capriglobal.in/auction
ऑनलाइन ई–नीलामी बिक्री के नियम एवं शर्तें :–

1. सम्पत्ति "जैसी है जहां है, जो भी है वहां है तथा कोई वापसी नहीं आधार" पर बेची जा रही है। अतएव बिक्री किसी प्रकार की वारंटी एवं क्षतिपूर्ति के बिना की जा रही है।
2. सम्पत्ति/आस्ति के विवरण (उदाहरण के लिए ई–नीलामी बिक्री सूचना में विनिर्दिष्ट सीमा एवं परिमाप) प्रतिभूत लेनदार की सर्वश्रेष्ठ जानकारी के अनुसार वर्णित किए गए हैं तथा प्रतिभूत लेनदार किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। वास्तविक सीमा एवं माप भिन्न हो सकता है।
3. प्रतिभूत लेनदार द्वारा जारी की गई ई–नीलामी बिक्री सूचना जनसाधारण को अपनी बोलियां प्रस्तुत करने हेतु एक आमंत्रण है तथा यह प्रतिभूत लेनदार की ओर से कोई वचनबद्धता अथवा प्रतिनिधित्व नहीं है और न ऐसा करता समझा जाएगा। इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पहले स्वामित्व विलेख की प्रति प्रतिभूत लेनदार से प्राप्त करने और सम्पत्ति/आस्ति के स्वामित्व के स्वामित्व एवं वर्तमान हालत तथा सम्पत्ति को प्रभावित करने वाले दावों/देयताओं की स्वतंत्र जांच/सतर्क जांच कर लेने की सलाह दी जाती है।
4. नीलामी/बोलीदान सेवा प्रदाता मैसर्स ई–प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, ऑक्शन टाइगर, अहमदाबाद द्वारा उपलब्ध कराई गई वेबसाइट https://sarfaesi.auctiontiger.net पर अथवा ऑक्शन टाइगर मोबाइल ऐप के माध्यम से "ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक मोड" द्वारा होगा, जिसके द्वारा ई–नीलामी प्लेटफार्म के जरिए नीलामी की सम्पूर्ण प्रक्रिया की व्यवस्था एवं समन्वय किया जाएगा।
5. बोलीदाता बोलीदान के लिए अपनी पसंद के स्थान से ई–नीलामी में भाग ले सकते हैं। इंटरनेट की व्यवस्था बोलीदाता को स्वयं करनी होगी। प्रतिभूत लेनदार/सेवा प्रदाता इंटरनेट कनेक्टिविटी, नेटवर्क समस्याओं, सिस्टम क्रैश डाउन, पावर फेल्योर इत्यादि के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
6. संभावित बोलीदाता विस्तृत विवरण, सहायता, प्रक्रिया तथा ऑनलाइन बोलीदान के लिए सेवा प्रदाता मैसर्स ई–प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, ऑक्शन टाइगर, अहमदाबाद (सम्पर्क नंबर 079. 68136880/68136837द्ए श्री चिन्तन भट्ट, मोबाइल नंबर 9265562821 एवं 9265562818, ई–मेल : chintan.bhatt@auctiontiger.net से सम्पर्क कर सकते हैं।
7. इच्छुक बोलीदाताओं को ई–नीलामी बिक्री में भाग लेने के लिए पोर्टल पर अपने नाम का पंजीकरण https://sarfaesi.auctiontiger.net पर पर्याप्त अग्रिम में करवाना होगा तथा यूजर आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त करना होगा। इच्छुक बोलीदाताओं को सेवा प्रदाता से पासवर्ड मिलते ही तत्काल इसको बदल लेने की सलाह दी जाती है।
8. ई–नीलामी में भाग लेने के लिए, इच्छुक बोलीदाता को एक प्रतिदेय ईएमडी, जोकि सुरक्षित मूल्य की 10 प्रतिशत है (उपरि वर्णित अनुसार) "कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड" के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट/एनईएफटी/आरटीजीएस के माध्यम से 23–03–2022 को अथवा पूर्व जमा करनी होगी।
9. इच्छुक बोलीदाताओं को सम्यक भरा गया बोली प्रपत्र (फार्मेट https://sarfaesi.auctiontiger.net पर उपलब्ध है) ईएमडी हेतु डिमांड ड्राफ्ट प्रेषण के साथ एक सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत करना चाहिए, जो प्राधिकृत अधिकारी, कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड, आंचलिक कार्यालय, 3बी, द्वितीय तल, पूसा रोड, नई दिल्ली–110005 को अधिकतम 23–03–2022 के अप. 03.00 बजे तक भेजा जा सकता है। सीलबंद लिफाफे पर "कर्जदार नाम" की सम्पत्ति के लिए ऋण खाता नंबर – .... (ऊपर वर्णित अनुसार) में ई–नीलामी बिक्री में भाग लेने हेतु बोली" शीर्षांकित किया जाना चाहिए।
10. ईएमडी के साथ बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद, प्राधिकृत अधिकारी उनके द्वारा प्राप्त बोलियों की जांच करेंगे तथा योग्य बोलीदाताओं (जिनके द्वारा अपनी बोलियां सुरक्षित मूल्य से अधिक उद्धृत की गई हैं तथा प्रतिभूत लेनदार द्वारा विनिर्दिष्ट ईएमडी जमा की गई है) के विवरण की पुष्टि मैसर्स ई प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को करेंगे ताकि वे ई–नीलामी बिक्री सूचना में वर्णित तिथि और समय पर ऑनलाइन परस्पर बोलीदान/नीलामी कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति केवल उन्हीं योग्य बोलीदाताओं को दें।
11. योग्य बोलीदाताओं के बीच परस्पर बोलीदान योग्य बोलीदाताओं द्वारा उद्धृत उच्चतम बोली से आरंभ किया जाएगा। परस्पर बोलीदान की प्रक्रिया के दौरान 10 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार होंगे अर्थात ई–नीलामी समाप्त होने का समय अंतिम विस्तार से 10 मिनट के भीतर बोली आने पर हर बार स्वतः 10 मिनट आगे बढ़ जाएगा।
12. एक बार बोली देने के बाद निरस्त या वापस नहीं की जा सकती है। बोलीदाता को उपलब्ध कराई गई यूजर आईडी से दी गई सभी बोलियां केवल उसके द्वारा दी गई बोली मानी जाएंगी।
13. ई–नीलामी प्रक्रिया समाप्त होने पर, उच्चतम बोलीदाता को उसके द्वारा उद्धृत अंतिम बोली की राशि की पुष्टि तत्काल ई–मेल द्वारा प्राधिकृत अधिकारी, कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड, आंचलिक कार्यालय, 3बी, द्वितीय तल, पूसा रोड, नई दिल्ली–110005 तथा सेवा प्रदाता दोनों को भेजी जाएगी, ताकि उसको ई–नीलामी प्रक्रिया में सफल बोलीदाता घोषित किया जा सके।
14. सफल बोलीदाता को बोली राशि की 25 प्रतिशत राशि (ईएमडी सहित) बोली उसके पक्ष में छूटने पर, उसी दिन तथा बोली राशि की शेष 75 प्रतिशत राशि बिक्री की तिथि से 15 दिन के भीतर कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड के पक्ष में डीडी/पे ऑर्डर/एनईएफटी/ आरटीजीएस/चैक द्वारा जमा करनी होगी।
15. सफल बोलीदाता/नीलामी क्रेता द्वारा निर्धारित राशियों का भुगतान नियत अवधि के भीतर करने में चूक की स्थिति में, बिक्री रद्द कर दी जाएगी तथा पहले जमा की जा चुकी राशियां (ईएमडी सहित) जब्त कर ली जाएंगी और सम्पत्ति दोबारा बिक्री हेतु रखी जाएगी।
16. सफल बोलीदाता के अनुरोध पर, प्राधिकृत अधिकारी द्वारा, बोली राशि की बकाया रकम चुकाने के लिए समय, एकमात्र अपने विवेकानुसार लिखित रूप में आगे बढ़ाया जा सकता है।
17. सफल बोलीदाता को बिक्री मूल्य की 1 प्रतिशत राशि बतौर टीडीएस (बिक्री राशि से) अदा करनी होगी तथा टीडीएस सर्टिफिकेट प्राधिकृत अधिकारी के पास जमा करना होगा तथा बिक्री मूल्य की पूरी राशि (1 प्रतिशत टीडीएस काटने के बाद), ईएमडी समायोजित करते हुए, प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ऑफर स्वीकार किए जाने के 15 कार्यदिवस के भीतर अथवा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा उपयुक्त विचारित विस्तारित अवधि के भीतर अदा करनी होगी, जिसमें असफल रहने पर जमा की गई धरोहर जमा जब्त कर ली जाएगी।
18. म्युनिसिपल/पंचायत कर, बिजली बकाया (यदि कोई) तथा किसी अन्य प्राधिकरण बकाया (यदि कोई) का भुगतान बिक्री प्रमाणपत्र के निर्गमन से पूर्व सफल बोलीदाता द्वारा किया जाएगा। बोलियां सम्पत्ति से संबंधित सभी सांविधिक बकाया ध्यान में रखकर दी जानी चाहिए।
19. प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सफल बोलीदाता के पक्ष में बिक्री प्रमाणपत्र उसके द्वारा पूर्ण क्रय मूल्य/बोली राशि जमा करने तथा सभी करों/प्रभारों के भुगतान के संबंध में आवश्यक प्रमाण प्रस्तुत करने पर ही जारी किया जाएगा।
20. हस्तांतरण, स्टाम्प ड्यूटी, पंजीकरण हेतु लागू प्रभार तथा अन्य अनुषंगी प्रभार नीलामी क्रेता को वहन करने होंगे।
21. प्राधिकृत अधिकारी बिना कोई कारण बताए ई–नीलामी बिक्री कार्यवाही प्रास्थगित/निरस्त कर सकते हैं। ई–नीलामी बिक्री कार्यक्रम बिक्री की निर्धारित तिथि से 30 से कम दिन पहले की तिथि हेतु प्रास्थगित करने की स्थिति में, यह सेवा प्रदाता की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी।
22. प्राधिकृत अधिकारी का निर्णय अंतिम, बाध्यकारी होगा तथा इसको चुनौती नहीं दी सकती है।
23. सभी बोलीदाता, जिनके द्वारा बोलियां प्रस्तुत की गई हैं, यह माना जाएगा कि वे ई–नीलामी बिक्री के नियम एवं शर्तें पढ़ एवं समझ चुके हैं तथा उनके अधीन बाध्य होंगे।
24. अतिरिक्त विवरण तथा पूछताछ के लिए प्राधिकृत अधिकारी, कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड : श्री सुशील गुप्ता मोबाइल नंबर 7400445137 से सम्पर्क करें।
25. यह प्रकाशन उक्त ऋण खाते के कर्जदार/बंधकदाता/गारंटर को प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(6) तथा 9 (1) के तहत, उपरिवर्णित तिथि/स्थान पर नीलामी बिक्री आयोजित करने के संबंध में 15 (पंद्रह) दिन का कानूनी नोटिस भी है।

विशेष अनुदेश/चेतावनी : बोलीदाताओं को अन्तिम मिनटों अथवा क्षणों में बोलीदान करने की प्रवृत्ति को स्वयं के हित में त्यागना होगा। ना तो कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड और ना ही सेवा प्रदाता बोलीदाता की ओर से किसी विफलता/कमी (विद्युत विफलता, इंटरनेट विफलता इत्यादि) हेतु उत्तरदायी होंगे। ऐसी स्थिति से बचने के क्रम में बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे अपेक्षित बैकअप पॉवर आपूर्ति इत्यादि जैसी अनिवार्य व्यवस्थाएं/विकल्प तैयार रखें, ताकि वे किसी आकस्मिक अड़चन से बच सकें और नीलामी में सफलतापूर्वक भाग ले सकें।

स्थान : दिल्ली तिथि : 07–03–2022 हस्ता/– (प्राधिकृत अधिकारी) कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरी पक्षकार संजय कुमार सिंघोरा, प्रथम तल, फ्रंट साइड और बैक साइड, प्लॉट नंबर 10, खसरा नंबर 17/5 पोचनपुर एक्सटेंशन, नई दिल्ली को होप इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड से ख़रीदकर पी सी एच एफ एल के साथ बंधक रख रहे है, और उन्होंने उक्त प्रॉपर्टी को सुशील कुमार सैनी से खरीदा था तथा इन्हे प्रॉपर्टी महेंद्र सिंह सैनी की मृत्यु के बाद हक त्याग पत्र तारीख 24.10.2016 से प्राप्त है, अतः किसी को उक्त संपत्ति के समबन्ध मे कोई दावा या अधिकार है तो वह व्यक्ति इस प्रकाशन के 8 दिनों के अंदर नीचे लिखे न. पर संपर्क कर के अपने दावे की जानकारी दे दे

एडरेम लिगल सल्यूशन
चेंबर न. ७६०, द्वारका कोर्ट सेक्टर-१०, द्वारका, नई देल्ही.-७५.
M:-9899013918

पीएनबी फाइनैंस ऐण्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : प्रथम तल, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9–10, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–110002, फोन : +91–7303495375
सीआईएन : एल65929डीएल1947पीएलसी001240
ई–मेल : pnbfinanceindustries@gmail.com
वेबसाइट : www.pnbfinanceandindustries.com

कम्पनी के सदस्यों के ध्यानार्थ द्वितीय स्मरण सूचना

यह द्वितीय स्मरण सूचना (i) दि मिंट (अंग्रेजी) (सभी संस्करण) ; (ii) पायनियर (हिन्दी) (सभी संस्करण) में शुक्रवार, 21 फरवरी, 2022 को प्रकाशित सूचना के सिलसिले में है। यह पुनः कम्पनी के समस्त सदस्यों के संज्ञान में लाया जाता है कि कम्पनी की सामान्य बैठकों में अथवा किसी अन्य विधि में कम्पनी के कार्यों में सदस्यों की सक्रिय सहभागिता प्रोत्साहित करने के क्रम में, कम्पनी अपने सदस्यों से उनके रेकार्ड्स नामतः पैन, आवासीय पता, ई–मेल पता, मोबाइल नंबर तथा सदस्यों के बैंक खाता विवरण कम्पनी में, यथाशीघ्र, पंजीकृत/अद्यतित करवाने का अनुरोध करती है।

जैसाकि सदस्यों को अवगत है, कम्पनी अधिनियम 2013 और सेबी सूचीयन विनियमावली के प्रावधानों के अनुपालन में, अभूतपूर्व कोविड–19 महामारी हालात के कारण, कम्पनी ने सदस्यों को अपनी वार्षिक रिपोर्ट ई–मेल के माध्यम से भेजी है और सदस्यों की वार्षिक सामान्य बैठकें, विगत दो वर्षों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के रूप में इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से आयोजित की हैं। हमारे शेयरधारकों द्वारा संचार(रों) की त्वरित प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए और डाक मार्ग में संचारों की किसी क्षति से बचने के लिए, हम सदस्यों से कम्पनी में अपना ई–मेल पता, मोबाइल नंबर और अन्य विवरण अद्यतन करवाने का पुनः अनुरोध करते हैं।

सदस्यों से अपना अद्यतित विवरण (क) कम्पनी के रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर एजेन्ट मैसर्स स्काईलाइन फाइनैंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को ई–मेल आईडी parveen@skylinerta.com पर भेजने अथवा (ख) कम्पनी को ई–मेल आईडी pnbfinanceindustries@gmail.com पर अथवा (ग) मैसर्स स्काईलाइन फाइनैंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को उनके पते डी–153ए, प्रथम तल, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज–1, नई दिल्ली–110020, फोन : +91 11 40450193–97 पर एक लिखित अनुरोध भेजने का अनुरोध किया जाता है।

यदि शेयरधारकों के कोई प्रश्न हैं, वे अपने प्रश्न कम्पनी को मेल आईडी : pnbfinanceindustries@gmail.com पर भेज सकते हैं अथवा स्काईलाइन फाइनैंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से फोन नंबर : +91 11 40450193–97 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

यह द्वितीय स्मरण सूचना कम्पनी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

वास्ते पीएनबी फाइनैंस ऐण्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
हस्ता./–
श्वेता सक्सेना
कम्पनी सेक्रेटरी एवं निदेशक

तिथि : 04 मार्च, 2022
स्थान : नई दिल्ली

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।
पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

निगम चुनाव में प्रत्याशी कर सकते हैं आठ लाख तक खर्च

राज्य निर्वाचन आयोग ने व्यय सीमा सवा दो लाख और बढ़ाई

● तीनों नगर निगमों के 272 वार्ड के लिए अप्रैल में होने हैं चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अप्रैल में होने वाले निगम चुनाव की तैयारियों में जुटा राज्य चुनाव आयोग ने प्रत्याशी के खर्च की सीमा बढ़ा दी है। अब प्रत्याशी अपने प्रचार-प्रसार में आठ लाख रुपये तक खर्च कर सकेंगे। पहले यह सीमा पांच लाख 75 हजार थी। राज्य चुनाव आयुक्त एसके श्रीवास्तव ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश के अनुसार एक वार्ड में प्रत्याशी के रूप में आठ लाख रुपये तक की राशि खर्च की जा सकती है। उत्तरी के साथ पूर्वी और दक्षिणी निगम में यह नियम लागू होगा। तीनों नगर निगमों के 272 वार्ड के लिए अप्रैल में चुनाव संभावित हैं। आयोग ने अभी तारीख का ऐलान नहीं किया है।

एस के श्रीवास्तव ने शुक्रवार को जारी किये एक आदेश में कहा कि राजधानी दिल्ली के तीनों नगर निगमों उत्तरी दिल्ली, दक्षिण दिल्ली एवं पूर्वी दिल्ली के चुनाव में किसी भी एक उम्मीदवार के व्यय की अधिकतम सीमा आठ लाख रूपये तय की जाती है। नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि वर्ष 2017 के पिछले चुनाव में अधिकतम व्यय सीमा 5.75 लाख रूपये थी। वर्ष 2004 के निगम चुनाव में अधिकतम व्यय सीमा चार लाख रूपये थी जिसे बढ़ाकर वर्ष 2012 में पांच लाख रूपये तक किया गया।दक्षिण दिल्ली नगर निगम के एक अधिकारी ने मीडिया से बातची में कहा, वर्ष 2017 में उसमें 75000 रूपये की और वृद्धि की गयी। इस बार यह आठ लाख रूपये होगी। मालूम हो कि उत्तरी व दक्षिणी निगम में 104-104 तो पूर्वी निगम में 64 सीटों पर चुनाव होने हैं। राज्य चुनाव आयोग की तरफ से जल्द ही चुनाव कराने की घोषणा की जा सकती है। इसके मद्देनजर भाजपा कांग्रेस और आम आदमी पार्टी समेत अन्य दलों के संभावित उम्मीदवार अपने-अपने वार्डों में अभी से ही सक्रिय है। तीनों निगमों में भाजपा की सरकार है। पिछले कई सालों से निगम की सत्ता में भाजपा काबिज है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी भी सत्ता में आने के लिए कोशिश कर रही हैं। आम आदमी पार्टी निगम में मुख्य विपक्षी दल की भूमिका में हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि मुख्य मुकाबला भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच ही है। हालांकि कांग्रेस भी निगम में काबिज होने के लिए कोई कोर कसर छोड़ना नहीं चाहती।

वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, कार बरामद

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्व जिले के थाना जामिया नगर में पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ कर वाहन चोरी के कई मामले सुलाझा लिया है। पुलिस ने मौके से एक कार और चोर को गिरफ्तार किया है।

दक्षिण पूर्व जिले में वाहन चोरी की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए एक टीम का गठन किया। टीम ने रशीद नाम के एक वाहन चोर के बारे में पता लगाया जो दिल्ली से कार चुराकर मेरठ में बेचता था। टीम को जानकारी मिली की रशीद मेरठ कार बेचने की जानकारी मिलने पर पुलिस ने जामिया नगर रेड लाइट के पास जाल बिछाया। कुछ देर बाद एक सैंट्रो कार आती दिखाई दी।

पुलिसकर्मियों ने कार रोकने का इशारा किया लेकिन चालक ने तेज गति से गाड़ी को रोकने का प्रयास किया। कुछ देर पीछा करने के बाद पुलिसकर्मियों ने उसे काबू कर लिया। कार के मालिकाना हक के बारे में पूछने पर वह कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका।

हर घर सीवर से जोड़ने पर यमुना में नहीं जाएगा गंदा पानी

जल मंत्री ने नजफगढ़ व मटियाला की अनधिकृत कॉलोनियों व गांवों के लिए सीवर लाइन की रखी आधारशिला

● नजफगढ़ के लगभग 8 लाख और मटियाला के 15 लाख घरों को होगा फायदा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की सरकार यमुना नदी को प्रदूषण मुक्त करने की लगातार कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में उसने नजफगढ़ और मटियाला क्षेत्र की 84 कॉलोनियों और 27 गांवों में 505 किलोमीटर लंबा सीवर लाइन बिछाने का फैसला किया है। इस परियोजना के पूरा होने पर नजफगढ़ के लगभग 8 लाख और मटियाला के 15 लाख घरों को लाभ होगा। सीवर बिछाने का काम 15 महीने में पूरा किया जाएगा।

जल मंत्री एवं दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन रविवार को सीवर नेटवर्क की आधारशिला रखी। साथ ही स्थानीय विधायक कैलाश गहलोत के साथ नजफगढ़ में 346 किलोमीटर लंबी सीवर लाइन बिछाने के कार्य का उद्घाटन किया।

सत्येंद्र जैन ने बताया कि ये सीवर लाइन मित्रांऊ, कैर, जाफरपुर, काजीपुर, खेरा डाबर, सारंगपुर और दिचाओं समूह के कॉलोनियों के विभिन्न हिस्सों में बिछाई जाएगी। मौजूदा सीवरेज व्यवस्था को मजबूत करने के क्रम में नजफगढ़ में लगभग 76 कॉलोनियों और 26 गांवों में सीवर लाइन बिछाने का काम जोरों पर है।

इस परियोजना के पूरा होने पर इससे क्षेत्र के अंदर और बाहर रहने वाले लगभग 8 लाख लोगों को लाभ होगा। इसके अलावा यमुना नदी की सफाई में इसका बहुत बड़ा योगदान होगा। वर्तमान में, सीवरेज की व्यवस्था नहीं होने से क्षेत्र से उत्पन्न सीवरेज को स्थानीय तालाब, सेप्टिक टैंक, बरसाती जल निकासी आदि में छोड़ा जा रहा है। जिससे नाले अप्रत्यक्ष रूप से नजफगढ़ नाले के माध्यम से यमुना नदी में पहुंच जाता है, जिससे नदी के प्रदूषण स्तर में वृद्धि होती है। इस जल-प्रदूषणकारी सामग्री को कम करने और सीवेज को इकट्ठा करने के लिए सीवर लाइनें बिछाई जाएंगी और इसे पास के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में ट्रीट किया जाएगा। हर घर को सीवर कनेक्शन से जोड़ने से सीवेज के बेहतर संग्रह, उपचार और प्रबंधन की बढ़ेंगे जिसके परिणाम स्वरूप अनुपचारित सीवेज की एक भी बूंद यमुना में नहीं गिरेगी। कैलाश गहलोत ने कहा कि यह नजफगढ़ के निवासियों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। गांवों को पिछली सरकारों ने 70 साल से अधिक समय तक नजरअंदाज किया लेकिन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में गांव और कॉलोनियां हर दिन विकास की नई कहानियां लिख रहे हैं।

सीवर नेटवर्क की आधारशिला रखते जल मंत्री सतेंद्र जैन।

चिड़ियाघर में ढाई साल में सात शेर-बाघ जैसे जानवरों की मौत

● चार की मौत गुर्दे की बीमारी की वजह से हुई : वार्षिक रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के चिड़ियाघर में करीब ढाई साल में सात बाघ और शेरों जैसे बड़े शिकारी जानवरों की मौत हो गई। इनमें से चार की मौत गुर्दे की बीमारी की वजह से हुई। चिड़ियाघर एशियाई शेरों और बंगाल टाइगर्स के संरक्षित प्रजनन में भागीदार है।

चिड़ियाघर की 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, कैद में रहने वाले शेर-बाघ जैसे बड़े शिकारी जानवरों में गुर्दे की बीमारी होने का बहुत खतरा रहता है, क्योंकि गतिविधियों और कसरत की कमी की वजह से वे मोटापे का शिकार हो जाते हैं। इस परेशानी का निदान करने के लिए उन्हें अलग अलग तरह का खाना दिया जाता है और शेर-बाघ जैसे बड़े शिकारी जानवरों के बाड़ों में गतिविधियों के लिए उपकरण रखे जाते हैं। साथ में समय समय पर उनके स्वास्थ्य की जांच भी की जाती है।

दिल्ली चिड़ियाघर के निदेशक धर्मदेव राय ने कहा कि इस मामले का विस्तृत अध्ययन करने की जरूरत है। उन्होंने 21 फरवरी को ही पदभार संभाला है। प्रशासन उनके वंश और संतति के बारे में अधिक जानने का प्रयास करेंगे और किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले उनकी मौत के कारणों को देखेंगे। दस जनवरी को आठ साल की शेरनी हेमा की मौत हो गई थी, क्योंकि उसके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। हेमा और शेर अमन को वषर्प 2015 में छत्तीसगढ़ के छतबीर चिड़ियाघर से लाया गया था।

अमन की पिछले साल नौ मई को दिल का दौरा पड़ने की वजह से मौत हो गई थी। इससे पहले 14 दिसंबर को छह वर्षीय बाघिन निर्भया की मौत दिल के काम नहीं करने की वजह से हुई थी। फिलहाल चिड़ियाघर में में पांच सफेद बाघ हैं जिनमें से तीन नर और दो मादा हैं। वहीं चार बंगाल टाइगर्स हैं जिनमें से तीन मादाएं हैं और एक नर है। चिड़ियाघर में चार शेर हैं जिनमें से दो नर और दो मादाएं हैं।

सुंदरलाल बहुगुणा की जयंती धूमधाम से मनाएंगे : गोयल

नई दिल्ली। चर्चित चिपको आंदोलन के प्रणेता व हिमालय रक्षक नाम से प्रख्यात पर्यावरणविद सुंदरलाल बहुगुणा की स्मृति में रविवार को विधानसभा में एक समारोह का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजली दी गई। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि सुंदर लाल बहुगुणा का व्यक्तित्व आज के युवाओं के लिए आदर्श है जिन्होंने अपना पूरा जीवन पर्यावरण और प्रकृति की रक्षा में लगा दिया। आज वह शारीरिक रूप में हमारे बीच नहीं है, लेकिन अपने काम, व्यक्तित्व, आदर्श और प्रेरणा के साथ सदैव हम सब के जीवन से जुड़े रहेंगे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कि बहुगुणा का जीवन समाज व पर्यावरण के लिए उनका त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा। उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा लेकिन वह तन-मन-धन सब कुछ समर्पित कर मुस्कुराते हुए समाज के लिए काम करते रहे। वह न केवल उत्तराखंड बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा के स्रोत थे। बहुगुणा से ये सीखने की जरुरत है कि जिन्दगी में आत्ममुग्धता काम नहीं आएगी बल्कि पेड़ और पर्यावरण ही हमारे काम आयेंगे।

बौद्ध अध्ययन में हैं रोजगार के सबसे ज्यादा अवसर

● 12 कॉलेजों में बौद्ध अध्ययन विभाग खोलने की डीटीए ने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के शिक्षक संगठन दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को पत्र लिखकर वित्त पोषित कॉलेजों में बौद्ध अध्ययन विभाग व डॉ. अम्बेडकर अध्ययन सेंटर खोलने का अनुरोध किया है। डीटीए ने कहा है कि कॉलेजों में नए विभाग के खुलने से छात्रों व शिक्षकों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। साथ ही बौद्ध अध्ययन विषय देश-विदेश में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा जिससे भारत के साथ अन्य देशों का आध्यात्मिक और वैचारिक रिश्तों में मजबूती आएगी । साथ ही कहा कि जय भीम योजना के अलावा सरकारी स्कूलों में अम्बेडकर को पढ़ाने के साथ आजादी के नायकों को पाठ्यक्रम में जोड़ा जाए।

दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रोफेसर हंसराज सुमन ने बताया है कि दिल्ली विश्वविद्यालय में बौद्ध अध्ययन विभाग की स्थापना वर्ष 1957 में हुई थी और यहाँ का बौद्ध अध्ययन विभाग देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक माना जाता है। साथ ही इसे यूजीसी द्वारा सेंटर फॉर एडवांस स्टरडीज की मान्यता प्राप्त है। इस विभाग की स्थापना से लेकर अब तक मात्र एक ही कॉलेज में इस विषय की पढ़ाई होती है।

डीयू के विभागों में स्नातकोत्तर स्तर पर सभी विषयों की पढ़ाई होती है। जो विषय स्नातकोत्तर स्तर पर पढ़ाए जाते हैं उन्हीं विषयों को कॉलेज स्तर पर पढ़ाया जाता है लेकिन बौद्ध अध्ययन डीयू के एक मात्र सत्यवती कॉलेज (सांध्य) में ही पढ़ाया जाता है जबकि स्नातकोत्तर स्तर पर विश्व के सर्वाधिक देशों से जैसे श्रीलंका, बर्मा, थाईलैंड, जापान, चीन, वियतनाम, लाओस, कंबोडिया आदि देशों के छात्र हर साल डीयू में स्नातकोत्तर, एमफिल, पीएचडी, डिग्री, डिप्लोमा कोर्स आदि करने के लिए बौद्ध अध्ययन विभाग में दाखिला लेते हैं ।

चाकू के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्व जिले के थाना कालकाजी की टीम ने एक अपराधी रवि उर्फ कुणाल को गिरफ्तार किया है। उसकी गिरफ्तारी के साथ ही उसके पास से एक बटन चालित चाकू, दो मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। इसके अलावा चोरी के सात मामले भी सुलझे हैं।

कालकाजी थाना क्षेत्र में चार मार्च को पेट्रोलिंग पुलिस ने एक व्यक्ति को देखा जो पुलिस पार्टी को देखकर भागने लगा। शक होने पर उसे रुकने के लिए कहा गया लेकिन वह नहीं रूका। टीम ने पीछा किया और कुछ देर पीछा करने के बाद उसे काबू कर लिया। तलाशी में उसके पास एक बटन वाला चाकू और दो मोबाइल फोन मिले। मोबाइल फोन के मालिकाना हक के बारे में पूछने पर वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। जिपनेट पर जांच के बाद बरामद मोबाइल फोन थाना कालकाजी के इलाके से चोरी हुए मिले।

दो माह में करीब 300 लोगों को किया गया गिरफ्तार : पुलिस

● शस्त्र अधिनियम में 87, आबकारी 127 और एनडीपीएस में 39 समेत अन्य मामले संलिप्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने गत दो महीने में करीब 300 लोगों को विभिन्न मामलों में गिरफ्तार किया है। दक्षिण-पूर्व जिले में 60 से अधिक लोगों को शस्त्र अधिनियम, 89 को आबकारी अधिनियम और 39 को नशीला पदार्थ निषेध कानून (एनडीपीएस) के तहत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जनवरी में 27 लोगों को शस्त्र अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था और उनके पास से सात देशी पिस्तौल, तीन कारतूस और 18 चाकू बरामद किए थे। आबकारी अधिनियम के तहत कुल 38 लोगों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से शराब की 2,434 बोतलें बरामद की गईं।

दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार जनवरी में पांच लोगों को नशीला पदार्थ निषेध अधिनियम (एनडीपीएस) के तहत गिरफ्तार किया गया था और उनके पास से नौ किलोग्राम गांजा जब्त किया गया था। इसी तरह, फरवरी में दक्षिण पूर्व जिला पुलिस ने 35 लोगों को शस्त्र अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था और उनके पास से पांच कट्टा, 29 चाकू और दो कारतूस बरामद किए थे। आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार 51 लोगों के पास से शराब की 1,925 बोतलें भी बरामद कीं। पिछले दो महीनों में एनडीपीएस अधिनियम के तहत कुल 34 लोगों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 8.40 ग्राम स्मैक, 12 ग्राम हेरोइन और 10.595 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया।

सरकारी अस्पतालों में हर माह हुई 70 बच्चों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में स्थित केंद्र सरकार के चार अस्पतालों में साढ़े छह साल में औसतन करीब 70 बच्चों की हर महीने मौत हुई है। सबसे ज्यादा बदतर हाल सफदरजंग अस्पताल का है जहां 81 महीनों के दौरान हर माह तकरीबन 50 नवजातों की जिंदगी चली गई।

सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत यह जानकारी सफदरजंग अस्पताल, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), कलावती सरन अस्पताल और सुचेता कृपलानी अस्पताल ने अलग-अलग आवेदनों के जवाब में यह जानकारी दी है।

आरटीआई आवेदन में जनवरी 2015 से जुलाई 2021 के बीच इन अस्पतालों में जन्म के बाद जान गंवाने वाले नवजातों की संख्या के बारे में जानकारी मांगी गई थी। इसके साथ में यह भी पूछा गया था कि इन बच्चों की मौत के क्या कारण रहे। सफदरजंग और सुचेता कृपलानी अस्पतालों ने सितंबर 2021 तक के आंकड़े उपलब्ध कराए हैं।

बगिया से सजा बाराखंभा रोड का सेंट्रल वर्ज

एनडीएमसी बना पूर्वनिर्मित प्लांटर्स में विकसित करने वाला बना पहला नागरिक निकाय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली क्षेत्र के सौंदर्यीकरण को बढ़ाने और इससे यहां खुशी और खुशनुमा बनाए रखने के उद्देश्य से नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) बाराखंभा रोड के कंक्रीट सेंट्रल वर्ज पर पूर्वनिर्मित प्लांटर में पेटुनिया फूलों की क्यारियों को विकसित किया है ।

एनडीएमसी के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने इस परियोजना का विवरण देते हुए कहा कि बाराखंभा रोड पर एनडीएमसी नई तकनीक के उपयोग से बिना किसी खुदाई के सड़कों के बीच कंक्रीट की सतह पर प्लांटर्स विकसित करने की पहल की है।

उन्होने कहा कि इससे क्षेत्र को एकरूपता और सुंदर रूप प्रदान करने के साथ यह स्थिति यहां सुखद वातावरण प्रदान करती है। जिसमें समान ऊंचाई वाले फूलों के समान स्तर के फूलों के साथ आधे किलोमीटर के फैले रास्ते में फैले फूलों के बिछे कालीन की तरह दिखता है। उन्होंने कहा कि पेटुनिया फूल खिले रहने की अवधि मई अंत तक है और विशेष रूप से इस फूल को लगाने का कारण यह है कि इसमें विभिन्न प्रकार के रंग होते हैं जिनकी जीवन अवधि अन्य की तुलना में लंबी होती है। पटुनिया फूल कम पत्तेदार और ज्यादा फूलदार होते है।

बदलेंगे सोच, बदलेंगे विचार, महिलाएं हैं विकास का आधार

दिल्ली महिला एवं बाल विकास विभाग ने जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया महिला दिवस दौड़

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कहते हैं औरत चाहे तो क्या नहीं कर सकती, वह मां, होममेकर, बिजनेसवुमन, टीचर, डॉक्टर, इंजीनियर, पुलिस, क्या नहीं है। महिला दिवस महिलाओं के इसी जज्बे को सलाम करता है। इस दिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं की कामयाबी, दृणता, सशक्तिकरण और उपलब्धियों का जश्न मनाया जाता है।

महिलाओं के साथ होने वाले अन्याय पर आवाज उठाए जाने के साथ ही उनके सशक्तिकरण पर जोर दिया जाता है। इस वर्ष भी 8 मार्च के दिन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाएगा। इस दिन को यादगार बनाने के लिए दिल्ली महिला एवं बाल विकास विभाग ने रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में महिला दिवस दौड़ का आयोजन किया।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित जीवंत महिला शक्ति के लिए दौड़ कार्यक्रम में 700 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इसने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया और इस वर्ष के महिला सशक्तिकरण विषय, एक स्थायी कल के लिए आज लैंगिक समानता पर जागरूकता बढ़ाने का एक अवसर था। हेल्थ फिटनेस ट्रस्ट इस आयोजन में मैराथन के आयोजन में भागीदार था, जिसमें 10 किमी मैराथन, 5 किमी दौड़ और 1 किमी दौड़ शामिल थी, जिसे मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

एक अनूठे उत्सव में स्वास्थ्य के लिए खेल और सांस्कृतिक और स्मारक गतिविधियों का मिश्रण आयोजित किया गया, जिसमें डब्ल्यूसीडी विभाग के बाल देखभाल संस्थानों (सीसीआई) और पेशेवर एथलीटों द्वारा जागरूकता बढ़ाने में सक्रिय भागीदारी शामिल थी।

CAPRI GLOBAL HOUSING FINANCE LIMITED
कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड
पंजीकृत एवं कार्पोरेट कार्यालय :- 502, टावर-ए, पेनिन्सुला बिजनेस पार्क, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई-400013
सर्किल कार्यालय :- कैप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड, द्वितीय तल, 3बी पूसा रोड, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110005

परिशिष्ट -IV-क [नियम 8 (6) तथा 9 (1) का परंतुक देखें]
अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) तथा 9 (1) के परंतुक के अधीन अचल आस्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना। एतद्द्वारा सर्व साधारण को और विशेष रूप से कर्जदार(रों) तथा गारंटर(रों) को सूचना दी जाती है कि प्रत्याभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित निम्नवर्णित अचल सम्पत्ति, जिसका प्रलक्षित/भौतिक कब्जा कैप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड, प्रत्याभूत लेनदार, के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जा चुका है, नीचे वर्णित कर्जदार की तरफ कैप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड, प्रत्याभूत लेनदार, की बकाया राशि की वसूली के लिए निम्नवर्णित तिथियों को "जैसी है जहां है", जैसी है जो है" तथा "जो भी है वहां है" आधार पर बेची जाएगी। सुरक्षित मूल्य, ईएमडी राशि तथा सम्पत्ति का वर्णन नीचे दिया गया है।

क्र. सं.	1. कर्जदार(रों) का नाम 2. बकाया राशि	बंधक सम्पत्ति का वर्णन	1. ई-नीलामी की तिथि एवं समय 2. ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि 3. सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि एवं समय	1. सुरक्षित मूल्य 2. सम्पत्ति की ईएमडी 3. वृद्धि मूल्य
1.	1. तरूण वत्स शर्मा (कर्जदार) 2. स्नेहलता शर्मा (सह-कर्जदार) ऋण खाता संख्या LNHLPRD0000033920 रू. 35,68,263/- (रूपए पैंतीस लाख अड़सठ हजार दो सौ तिरेसठ मात्र) + 20-01-2022 से ब्याज तथा आगे लागू ब्याज	सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : मकान नंबर ए-36-सी, क्षेत्रफल परिमाप 33 वर्ग गज, प्लॉट नंबर ए-36 का उत्तर पश्चिमी भाग, खसरा नरं 375, ग्राम मौजपुर, ब्लॉक-ए, माता मंदिर मार्ग, मौजपुर, शाहदरा, दिल्ली, उसके ऊपर निर्मित वर्तमान और भावी दोनों निर्माण सहित।	1. ई-नीलामी की तिथि :24-03-2022 (अप. 3.00 बजे से अप. 4.00 बजे के बीच) 2. ईएमडी, केवाईसी सहित जमा करने की अंतिम तिथि : 23-03-2022 3. निरीक्षण की तिथि : 22-03-2022 पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 02.00 बजे तक	सुरक्षित मूल्य : रू. 28,18,000/- (रूपए अठ्ठाईस लाख अठारह हजार मात्र) धरोहर राशि जमा : रू. 2,82,000/- (रूपए दो लाख बयासी हजार मात्र) वृद्धि मूल्य : रू. 20,000/- (रूपए बीस हजार मात्र)

बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड, प्रत्याभूत लेनदार, की वेबसाइट नामतः www.capriglobal.in/auction/ में उपलब्ध कराया गया लिंक देखें।

ऑनलाइन ई-नीलामी बिक्री के नियम एवं शर्तें :-

1. सम्पत्ति "जैसी है जहां है, जो भी है वहां है तथा कोई वापसी नहीं आधार" पर बेची जा रही है। अतएव बिक्री किसी प्रकार की वारंटी एवं क्षतिपूर्ति के बिना की जा रही है।
2. सम्पत्ति/आस्ति के विवरण (उदाहरण के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना में विनिर्दिष्ट सीमा एवं परिमाप) प्रतिभूत लेनदार की सर्वश्रेष्ठ जानकारी के अनुसार वर्णित किए गए हैं तथा प्रतिभूत लेनदार किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। वास्तविक सीमा एवं माप भिन्न हो सकता है।
3. प्रतिभूत लेनदार द्वारा जारी की गई ई-नीलामी बिक्री सूचना जनसाधारण को अपनी बोलियां प्रस्तुत करने हेतु एक आमंत्रण है तथा यह प्रतिभूत लेनदार की ओर से कोई वचनबद्धता अथवा प्रतिनिधित्व नहीं है और न ऐसा करता समझा जाएगा। इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पहले स्वामित्व विलेख की प्रति प्रतिभूत लेनदार से प्राप्त करने और सम्पत्ति/आस्ति के स्वामित्व के स्वामित्व एवं वर्तमान हालत तथा सम्पत्ति को प्रभावित करने वाले दावों/देयताओं की स्वतंत्र जांच/सतर्क जांच कर लेने की सलाह दी जाती है।
4. नीलामी/बोलीदान सेवा प्रदाता मैसर्स ई-प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, ऑक्शन टाइगर, अहमदाबाद द्वारा उपलब्ध कराई गई वेबसाइट https://sarfaesi.auctiontiger.net पर अथवा ऑक्शन टाइगर मोबाइल ऐप के माध्यम से "ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक मोड" द्वारा होगा, जिसके द्वारा ई-नीलामी प्लेटफार्म के जरिए नीलामी की सम्पूर्ण प्रक्रिया की व्यवस्था एवं समन्वय किया जाएगा।
5. बोलीदाता बोलीदान के लिए अपनी पसंद के स्थान से ई-नीलामी में भाग ले सकते हैं। इंटरनेट की व्यवस्था बोलीदाता को स्वयं करनी होगी। प्रतिभूत लेनदार/सेवा प्रदाता इंटरनेट कनेक्टिविटी, नेटवर्क समस्याओं, सिस्टम क्रैश डाउन, पावर फेल्योर इत्यादि के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
6. संभावित बोलीदाता विस्तृत विवरण, सहायता, प्रक्रिया तथा ऑनलाइन बोलीदान के लिए सेवा प्रदाता मैसर्स ई-प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, ऑक्शन टाइगर, अहमदाबाद (सम्पर्क नंबर 079.68136880/68136837), श्री चिंतन भट्ट, मोबाइल नंबर 9265562821 एवं 9265562818, ई-मेल : chintan.bhatt@auctiontiger.net से सम्पर्क कर सकते हैं।
7. इच्छुक बोलीदाताओं को ई-नीलामी बिक्री में भाग लेने के लिए पोर्टल पर अपने नाम का पंजीकरण https://sarfaesi.auctiontiger.net पर पर्याप्त अग्रिम में करवाना होगा तथा यूजर आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त करना होगा। इच्छुक बोलीदाताओं को सेवा प्रदाता से पासवर्ड मिलते ही तत्काल इसको बदल लेने की सलाह दी जाती है।
8. ई-नीलामी में भाग लेने के लिए, इच्छुक बोलीदाता को एक प्रतिदेय ईएमडी, जोकि सुरक्षित मूल्य की 10 प्रतिशत है (उपरि वर्णित अनुसार) "कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड" के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट/एनईएफटी/आरटीजीएस के माध्यम से 23-03-2022 को अथवा पूर्व जमा करनी होगी।
9. इच्छुक बोलीदाताओं को सम्यक् भरा गया बोली प्रपत्र (फार्मेट https://sarfaesi.auctiontiger.net पर उपलब्ध है) ईएमडी हेतु डिमांड ड्राफ्ट प्रेषण के साथ एक सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत करना चाहिए, जो प्राधिकृत अधिकारी, कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड, आंचलिक कार्यालय/ प्लॉट नंबर 3बी, द्वितीय तल, पूसा रोड, नई दिल्ली-110005 को अधिकतम 23-03-2022 के अप. 03.00 बजे तक भेजा जा सकता है। सीलबंद लिफाफे पर "कर्जदार नाम" की सम्पत्ति के लिए ऋण खाता नंबर - .... (ऊपर वर्णित अनुसार) में ई-नीलामी बिक्री में भाग लेने हेतु बोली" शीर्षांकित किया जाना चाहिए।
10. ईएमडी के साथ बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद, प्राधिकृत अधिकारी उनके द्वारा प्राप्त बोलियों की जांच करेंगे तथा योग्य बोलीदाताओं (जिनके द्वारा अपनी बोलियां सुरक्षित मूल्य से अधिक उद्धृत की गई हैं तथा प्रतिभूत लेनदार द्वारा विनिर्दिष्ट ईएमडी जमा की गई है) के विवरण की पुष्टि मैसर्स ई प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को करेंगे ताकि वे ई-नीलामी बिक्री सूचना में वर्णित तिथि और समय पर ऑनलाइन परस्पर बोलीदान/नीलामी कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति केवल उन्हीं योग्य बोलीदाताओं को दें।
11. योग्य बोलीदातओं के बीच परस्पर बोलीदान योग्य बोलीदाताओं द्वारा उद्धृत उच्चतम बोली से आरंभ किया जाएगा। परस्पर बोलीदान की प्रक्रिया के दौरान 10 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार होंगे अर्थात ई-नीलामी समाप्त होने का समय अंतिम विस्तार से 10 मिनट के भीतर बोली आने पर हर बार स्वतः 10 मिनट आगे बढ़ जाएगा।
12. एक बार बोली देने के बाद निरस्त या वापस नहीं की जा सकती है। बोलीदाता को उपलब्ध कराई गई यूजर आईडी से दी गई सभी बोलियां केवल उसके द्वारा दी गई बोली मानी जाएंगी।
13. ई-नीलामी प्रक्रिया समाप्त होने पर, उच्चतम बोलीदाता को उसके द्वारा उद्धृत अंतिम बोली की राशि की पुष्टि तत्काल ई-मेल द्वारा प्राधिकृत अधिकारी, कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड, आंचलिक कार्यालय/प्लॉट नंबर 3बी, द्वितीय तल, पूसा रोड, नई दिल्ली-110005 तथा सेवा प्रदाता दोनों को भेजी जाएगी, ताकि उसको ई-नीलामी प्रक्रिया में सफल बोलीदाता घोषित किया जा सके।
14. सफल बोलीदाता को बोली राशि की 25 प्रतिशत राशि (ईएमडी सहित) बोली उसके पक्ष में छूटने पर, उसी दिन तथा बोली राशि की शेष 75 प्रतिशत राशि बिक्री की तिथि से 15 दिन के भीतर कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड, के पक्ष में नई दिल्ली में देय डीडी/पे ऑर्डर/एनईएफटी/ आरटीजीएस/चैक द्वारा जमा करनी होगी।
15. सफल बोलीदाता/नीलामी क्रेता द्वारा निर्धारित राशियों का भुगतान नियत अवधि के भीतर करने में चूक की स्थिति में, बिक्री रद्द कर दी जाएगी तथा पहले जमा की जा चुकी राशियां (ईएमडी सहित) जब्त कर ली जाएंगी और सम्पत्ति दोबारा बिक्री हेतु रखी जाएगी।
16. सफल बोलीदाता के अनुरोध पर, प्राधिकृत अधिकारी द्वारा, बोली राशि की बकाया रकम चुकाने के लिए समय, एकमात्र अपने विवेकानुसार लिखित रूप में आगे बढ़ाया जा सकता है।
17. सफल बोलीदाता को बिक्री मूल्य की 1 प्रतिशत राशि बतौर टीडीएस (बिक्री राशि से) अदा करनी होगी तथा टीडीएस सर्टिफिकेट प्राधिकृत अधिकारी के पास जमा करना होगा तथा बिक्री मूल्य की पूरी राशि (1 प्रतिशत टीडीएस काटने के बाद), ईएमडी समायोजित करते हुए, प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ऑफर स्वीकार किए जाने के 15 कार्यदिवस के भीतर अथवा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा उपयुक्त विचारित विस्तारित अवधि के भीतर अदा करनी होगी, जिसमें असफल रहने पर जमा की गई धरोहर जमा जब्त कर ली जाएगी।
18. म्युनिसिपल/पंचायत कर, बिजली बकाया (यदि कोई) तथा किसी अन्य प्राधिकरण बकाया (यदि कोई) का भुगतान बिक्री प्रमाणपत्र के निर्गमन से पूर्व सफल बोलीदाता द्वारा किया जाएगा। बोलियां सम्पत्ति से संबंधित सभी सांविधिक बकाया ध्यान में रखकर दी जानी चाहिए।
19. प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सफल बोलीदाता के पक्ष में बिक्री प्रमाणपत्र उसके द्वारा पूर्ण क्रय मूल्य/बोली राशि जमा करने तथा सभी करों/प्रभारों के भुगतान के संबंध में आवश्यक प्रमाण प्रस्तुत करने पर ही जारी किया जाएगा।
20. हस्तांतरण, स्टाम्प ड्यूटी, पंजीकरण हेतु लागू प्रभार तथा अन्य अनुषंगी प्रभार नीलामी क्रेता को वहन करने होंगे।
21. प्राधिकृत अधिकारी बिना कोई कारण बताए ई-नीलामी बिक्री कार्यवाही प्रास्थगित/निरस्त कर सकते हैं। ई-नीलामी बिक्री कार्यक्रम बिक्री की निर्धारित तिथि से 15 से कम दिन पहले की तिथि हेतु प्रास्थगित करने की स्थिति में, यह सेवा प्रदाता की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी।
22. प्राधिकृत अधिकारी का निर्णय अंतिम, बाध्यकारी होगा तथा इसको चुनौती नहीं दी सकती है।
23. सभी बोलीदाता, जिनके द्वारा बोलियां प्रस्तुत की गई हैं, यह माना जाएगा कि वे ई-नीलामी बिक्री के नियम एवं शर्तें पढ़ एवं समझ चुके हैं तथा उनके अधीन बाध्य होंगे।
24. अतिरिक्त विवरण तथा पूछताछ के लिए प्राधिकृत अधिकारी, कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड, : सुश्री प्रार्थना सम्पत मोबाइल नंबर 7400445137/9990275365 से सम्पर्क करें।
25. यह प्रकाशन उक्त ऋण खाते के कर्जदार/बंधकदाता/गारंटर को प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(6) तथा 9 (1) के तहत, उपरिवर्णित तिथि/स्थान पर नीलामी बिक्री आयोजित करने के संबंध में 15 (पंद्रह) दिन का कानूनी नोटिस भी है।

विशेष अनुदेश/चेतावनी : बोलीदाताओं को अन्तिम मिनटों अथवा क्षणों में बोलीदान करने की प्रवृत्ति को स्वयं के हित में त्यागना होगा। ना तो कैप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड और ना ही सेवा प्रदाता बोलीदाता की ओर से किसी विफलता/कमी (विद्युत विफलता, इंटरनेट विफलता इत्यादि) हेतु उत्तरदायी होंगे। ऐसी स्थिति से बचने के क्रम में बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे अपेक्षित बैकअप पॉवर आपूर्ति इत्यादि जैसी अनिवार्य व्यवस्थाएं/विकल्प तैयार रखें, ताकि वे किसी आकस्मिक अड़चन से बच सकें और नीलामी में सफलतापूर्वक भाग ले सकें।

स्थान : दिल्ली तिथि : 07-03-2022
हस्ता/- (प्राधिकृत अधिकारी) कैप्री ग्लोबल हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड

एलिवेटेड मार्ग स्थित प्लाजा से लगते 25 गांव के निवासी हों टोल फ्री:महापंचायत

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री, उपमुख्यमंत्री और सांसद से 51 सदस्यों की कमेटी मिलेगी

सोहना विधानसभा क्षेत्र में आठ अन्य टोल को भी फ्री करने की मांग रखी

गुरुग्राम–सोहना एलिवेटेड मार्ग पर भोंडसी टोल से 20 किलोमीटर के दायरे में बसे गांवों को टोल फ्री किए जाने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। महापंचायत में लिए निर्णय के अनुसार गुरुग्राम सांसद से लेकर उपमुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री और केन्द्रीय परिवहन मंत्री से 51 सदस्यों की कमेटी मिलेगी। महापंचायत में कमेटी सदस्यों के मिलने पर भी टोल फ्री न होने पर आंदोलन करने का सर्वसम्मति से फैसला लिया।

रविवार को गुरुग्राम–सोहना एलिवेटेड मार्ग के भोंडसी–घामडौज के बीच बना टोल से लगते करीब 25 गांवों को फ्री करने को लेकर महापंचायत हुई। महापंचायत की अध्यक्षता हरियाणा पुलिस से एसपी के पद से रिटायर्ड महाराज सिंह ने की। इस महापंचायत में अंनतराम तंवर, सबतीर पहलवान, महेश दायमा, सोहना के पूर्व विधायक

भोंडसी में एलिवेटेड मार्ग पर बने टोल प्लाजा के निकट खेत में महापंचायत में आए लोग।

तेजपाल तंवर, देवराज यादव, ओमबीर बार एसोसिएशन, सुभाष बंसल, संजय राघव समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। महापंचायत पौने 12 बजे से पौने एक बजे तक करीब एक घंटा तक चली। महापंचायत में बोलते हुए सतबीर पहलवान ने गुरुग्राम–सोहना एलिवेटेड मार्ग का टोल ही नहीं। इसके साथ सोहना विधानसभा में लगते 8 अन्य टोल को भी फ्री किए जाने की मांग रखी। जिसमें बंधवाड़ी, कलवाड़ी, शीलखो, खेड़की दौला, धौज, नूनेरा, रोजका मेव शामिल है।

दूसरी मांग एलिवेटड मार्ग के साथ–साथ लगते गांवों में कट दिए जाए। सर्विस मार्ग पर चलने वाले वाहनों से भोंडसी में टोल सुविधा नहीं ली जाए की मांग रखी गई। महापंचायत की अध्यक्षता कर रहे महाराज सिंह ने सर्व सम्मति से लिए गए फैसलों की जानकारी आखिर में दी। लेकिन कमेटी सदस्य कब और किसे मिलेंगे।

इसका खुलासा नहीं किया है। महाराज सिंह ने बताया कि इसका फैसला जल्द ही लिया जाएगा। जिसमें कमेटी सदस्य 9 मार्च को गुरुग्राम आ रहे केन्द्रीय परिवहन मंत्री नीतिन गड़करी से मुलाकात कर सकती है।

मुद्दे में राजनीति रंग नहीं होगा

महापंचायत में वक्ताओं ने टोल फ्री की लड़ाई को गैर राजनीति संगठन के लड़ने की बात कही। महापंचायत में आए अलग–अलग राजनीति दलों के नेताओं को सामाजिक हक की लड़ाई पर लड़ने की बात कही।

टोल फ्री कराने के लिए दिए आश्वासन

महापंचायत में आए भाजपा से सोहना के पूर्व विधायक तेजपाल तंवर और जजपा के उप राष्ट्रीय अध्यक्षम अनंत राम तंवर ने कमेटी को मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला व मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मिलकर टोल फ्री किए जाने का आश्वासन दिया।

यूक्रेन से लौटे विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों से मिले सीएम

सीएम बोले, विद्यार्थियों से मिले अच्छे सुझाव पीएम मोदी तक पहुंचाए जाएंगे

हरियाणा के लगभग 1800 विद्यार्थियों में से ज्यादातर सकुशल वापस लौटे

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने गुरुग्राम प्रवास के दौरान रविवार को यूक्रेन से वापस आए विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से बातचीत की। सीएम कहा कि उनसे जो सुझाव मिले हैं उन्हें वे पीएम नरेंद्र मोदी तक पहुंचाएंगे, ताकि मेडिकल शिक्षा ग्रहण कर रहे इन विद्यार्थियों की ज्यादा से ज्यादा मदद हो सके।

गुरुग्राम के लोक निर्माण विश्राम गृह में मीडिया से बातचीत करते हुए सीएम मनोहर लाल ने कहा कि यूक्रून

यूक्रेन से लौटे विद्यार्थियों व अभिभावकों से मुलाकात करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

और रूस के बीच चल रहे युद्ध के कारण बहुत बड़ी समस्या अचानक वहां पढ़ रहे हमारे विद्यार्थियों के सामने आ गई थी। उसमें हमारे देश के लगभग 18,000 से 19000 विद्यार्थी थे। हरियाणा प्रदेश के भी इनमें लगभग 1800 विद्यार्थी हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध छिड़ने के बाद पहला काम यह रहा कि ये सभी विद्यार्थी सकुशल वहां से वापस लौट आएं। उसकी व्यवस्थाएं भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने की हैं। हमारे वरिष्ठ मंत्री यूक्रेन के पड़ोसी देशों में गए हैं। वहां से विशेष उड़ानें चलाई गई। अधिकांश लोग वहां से वापस लौट आए हैं, फिर भी कुछ विद्यार्थी अभी भी यूक्रेन के शहरों में फंसे हुए हैं। जो लोग बॉर्डर पर पहुंच गए हैं उन्हें लेकर आज भी विशेष फ्लाइट आ रही है। जो लोग अभी भी वहां रह गए हैं, वे सुरक्षित कैसे निकले, इसकी चिंता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कर रहे हैं और जो लोग हरियाणा से हैं, उनसे हम लगातार संपर्क बनाए हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूक्रेन में हरियाणा के 1800 के आसपास विद्यार्थी थे। जिनमें से शनिवार तक 1234 वापस आ चुके हैं। कुछ लोग बॉर्डर पर हैं, उन्हें लाया जा रहा है और कुछ दिल्ली तथा मुंबई पहुंच गए हैं। प्रदेश के 80 के आस पास अभी भी युक्रेन के शहरों में हैं, उनसे संपर्क बना हुआ है। वे कैसे वहां से निकल सकते हैं, उसकी चिंता हम लोग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जब सभी विद्यार्थी यूक्रेन से वापिस आ जाएंगे तो इनके भविष्य की चिंता भारत सरकार और मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया करेगी। हम उनके निर्णयों का पालन करेंगे। उन्होंने जो अच्छे सुझाव हमें दिए हैं उन सुझावों को हम प्रधानमंत्री तक पहुंचाएंगे, ताकि इनकी ज्यादा से ज्यादा मदद हो सके।

जहां पढ़ रहे हैं वहां के कालेज को देनी होगी डिग्री

इन विद्यार्थियों की डिग्री के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जिस मेडिकल कॉलेज में ये विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, डिग्री उसी कॉलेज को ही देनी है। जिन विद्यार्थियों का बहुत कम समय रह गया है, उनको डिग्री वहां से कैसे मिले, इसके बारे में यूक्रेन में स्थिति सामान्य होने के बाद ही इस विषय में बातचीत की जाएगी कि इन्हें डिग्री लेने वहां ना जाना पड़े, यहीं कोई व्यवस्था हो जाए। यह सब युक्रेन में शांति बहाली के बाद ही संभव होगा।

यूक्रेन से आए छात्रों की भारत में ही शिक्षा पूरी करवाए सरकार : अशोक बुवानीवाला

बुवानीवाला ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को इस बाबत भेजा पत्र

लौटे हजारों विद्यार्थियों का भविष्य भी अनिश्चित हुआ

गुरुग्राम। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता व अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को एक पत्र भेजकर मांग की है कि यूक्रेन में फंसे और वहां से अपनी एमबीबीएस की पढ़ाई बीच में छोड़ कर वापस लौटे भारतीय छात्रों पर छाए संकट के समाधान को लेकर ठोस योजना बनाकर काम करें।

उन्होंने पत्र के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि यूक्रेन संकट के कारण भारत लौटे हजारों विद्यार्थियों का भविष्य भी अनिश्चित हो गया है। ऐसे में इन बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक सकारात्मक फैसला लेना चाहिए।

अशोक बुवानीवाला।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार यूक्रेन में फंसे छात्रों विशेषकर सुमी शहर में फंसे हुए विद्यार्थियों को जल्द से जल्द वापिस भारत लेकर आए और वापिसी पश्चात राज्य सरकारों के साथ मिलकर उनकी अधूरी शिक्षा को भारत में ही पूरा करवाने के लिए नई शिक्षा नीति लागू करें। बुवानीवाला ने कहा कि मोदी सरकार अपने आठ साल कार्यकाल में न तो नया मेडिकल कॉलेज दे पाई है और न ही मेडिकल की पढ़ाई के लिए सीटों को बढ़ा पाई है। बुवानीवाला ने कहा कि भारतीय प्रतिभा के पलायन को रोकने के लिए सरकार को नई नीति बनाने के लिए एक विशेष कार्य समूह का गठन करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

महिला कर्मचारियों में बांटे मुफ्त सैनिटरी पैड

गुरुग्राम में महिला कर्मचारियों को सेनिटरी पैड बांटती एनवायरो-इंटीग्रेटेड फैसिलिटीज मैनेजमेंट की सदस्य।

गुरुग्राम। महिलाओं के दैनिक जीवन में आने वाली चुनौतियों को स्वीकार करते हुए, एनवायरो–इंटीग्रेटेड फैसिलिटीज मैनेजमेंट ने लाईफ्री के साथ मिलकर समावेशी नारीत्व का जश्न मनाने के लिए मुफ्त सैनिटरी पैड वितरित किए। सेक्टर–83 स्थित इंडिपेंडेंट फ्लोर में आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में 150 से अधिक महिला कर्मचारी लाभान्वित हुई। एनवायरो के सीईओ अजय कुमार सिंह ने कहा कि खराब मासिक धर्म स्वच्छता महिलाओं के जीवन में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। मासिक धर्म का विषय उनके स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, हालांकि इस विषय को अभी भी एक वर्जित माना जाता है और इसके बारे में ज्यादा बात नहीं की जाती है। हमारा यह छोटा सा प्रयास है को इस महत्वपूर्ण मुद्दे को उजागर करें। हमारा मानना है कि इस तरह के छोटे कदम हमारे देश में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में एक लंबा रास्ता तय कर सकते हैं। एनवायरो समाज कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। अतीत में इसने जरूरतमंदों के लिए मुफ्त चिकित्सा सहायता, टीकाकरण और अन्य सहायता की व्यवस्था करके महामारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अलीपुर में बदमाशों ने घर में घुसकर दी जान से मारने की धमकी

सोहना। अलीपुर निवासी को उसके घर में घुसे दो बदमाशों ने जान से मारने की धमकी दी। बदमाश ने घर से बाहर जाते समय गली में हवाई फायर किया। भोंडसी थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर एक नामजद समेत दो के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। चरखी दादरी के मूल निवासी ओमबीर उर्फकालू लाठा ने पुलिस को बताया कि अलीपुर में उसके मामा रहते है। वह दस साल से अलीपुर में अपने परिजनों के साथ रह रहा है। शनिवार की रात करीब साढ़े दस बजे वह अपने घर के पास प्लाट में बैठा हुआ था। उसके पास अलीपुर ही निवासी हर्ष भी बैठा था। उसी समय दो नौजवान युवक उनके पास आए। जिनमें से एक उसके बारे में पूछने लगा। उसने मना कर दिया कि ओमबीर उर्फ कालू लाठा यहां नहीं है। इतना सुनने के बाद दोनों ही बदमाश वापस जाने लगे और एक बदमाश ने अपना नाम रोहित निवासी फारुखनगर खेड़ा बताया। रोहित ओमबीर उर्फकालू लाठा को जान से मार देने की धमकी देकर गया। उसके घर के बाहर गली में जाते समय हवा में फायर करके गया। भोंडसी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राजेन्द्र सिंह ने बताया शिकायतकर्ता पर हत्या का मामला चल रहा है। जिसने 2012 में हत्या की थी। 2018 में अदालत से बेल होने के बाद घर रह रहा है।

अवैध हथियार समेत गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा द्वारा अवैध हथियार की वारदातों में संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ के लिए दिए गए दिशा–निर्देश के तहत कार्य करते हुए क्राइम ब्रांच बॉर्डर प्रभारी सेठी मलिक की टीम ने एक मोटरसाइकिल सवार को देसी कट्टे सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ताने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम आकाश है जो ओल्ड फरीदाबाद की भूड कॉलोनी का रहने वाला है। नाइट डोमिनेशन ड्यूटी के दौरान क्राइम ब्रांच की टीम ने थाना सराय ख्वाजा एरिया में नाका लगाया हुआ था। मोटरसाइकिल सवार जब वहां पहुंचा तो पुलिस को देख कर भागने की कोशिश करने लगा परंतु पुलिस ने उसे पकड़ लिया और तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक देसी कट्टा तथा एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया।

सफाई अभियान:मेडिकल टीम ने घूम–घूम कर बांटीं दवाएं

दिल्ली एम्स, शाह सतनामजी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल समेत कई अस्पतालों से पहुंचे सेवादार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

यहां सफाई महा अभियान में दूर–दराज से पहुंचे सेवादारों की सेहत का भी विशेष ख्याल रखा गया। इसके लिए बकायदा मेडिकल टीमें तैयार की गई। हर जोन में इन टीमों को सक्रिय रखा गया, ताकि किसी भी सेवादार भाई–बहन को कोई दिक्कत होती है तो उसे तुरंत चिकित्सा सहायता दी जा सके।

गुरुग्राम में डेरा सच्चा सौदा की ओर से सफाई महा अभियान में महिलाओं को दवाइयां वितरित करती मेडिकल टीम।

यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली से पहुंचे सीनियर नर्सिंग ऑफिसर इंदू बाला समेत अन्य सदस्य भाई–बहनों को सिर दर्द, बदन दर्द, उल्टी व अन्य बीमारियों को लेकर दवा बांटते नजर आए। इस दौरान उन्होंने संगत को दवा लेने के तौर–तरीके भी समझाए और उन्हें भविष्य में भी अपनी सेहत का ख्याल रखने को जागरुक किया। उन्होंने कोरोना महामारी को लेकर भी यहां संगत को जागरुक किया। साथ ही मास्क लगाने के लिए प्रेरित किया। मास्क से हम किसी भी प्रकार के वायरस और धूल–मिट्टी से बचाव कर सकते हैं।

बातचीत में सीनियर नर्सिंग ऑफिसर इंदू बाला ने कहा कि हम सब गुरू के प्यारे हैं। हमें अपने सतगुरू द्वारा दी गई शिक्षाओं पर ही अमल करना है। गुरूजी ने जो नेकी, भलाई का मार्ग हमें दिखाया, उसका परिणाम गुरुग्राम का यह सफाई महा अभियान है। उन्होंने कहा कि हर किसी के जीवन का एक उद्देश्य होना चाहिए। डेरा सच्चा सौदा के सेवादारों का उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ मानवता भलाई के काम करना है। यह काम सब करते रहेंगे।

सिरसा से नर्सिंग ऑफिसर संदीप कौर ने कहा कि मानवता की सच्ची भलाई का मतलब ही डेरा सच्चा सौदा है। डेरा सच्चा सौदा से जुड़कर लाखों लोगों ने बुराइयों से तौबा की है। लाखों लोगों ने नशे छोड़े हैं। उन्होंने कहा कि गुरूजी के प्रवास के नाम पर गुरुग्राम में सफाई महा अभियान से बहुत खुशी हुई है। गुरूजी के यहां चरण डले हैं, यह धरती पवित्र है। डेरा सच्चा सौदा की डिस्पेंसरी में कार्यरत मधु इंसा ने कहा कि गुरूजी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए ही संगत ने देश के कई शहरों को साफ किया है। गुरुग्राम में गुरूजी का आगमन और ज्यादा खुशी दे गया है।

शाह सतनाम सिंह जी सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल से नर्सिंग ऑफिसर परी इंसा ने कहा कि हम सबका यह फर्ज है कि हम मानवता की सेवा में सदा लगे रहें। गुरूजी ने हम सबको यही राह दिखाई है।

महिला दिवस के सम्मान में लगाया रक्तदान शिविर

गुरुग्राम। परिवर्तन–एक प्रयास की चेयरपर्सन मिसेज हरियाणा–2018 रितु कटारिया ने महिला दिवस विशेष व महिलाओं के सम्मान में सेक्टर–5 राम मंदिर में रोटरी ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन करवाया। यहां 70 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रक्तदाताओं में महिलाओं की संख्या में अच्छी–खासी रही।

धर्मवीर हिंदुस्तानी ने बताया कि स्वस्थ को देखते हुए और जरूरमंद व्यक्तियों के लिये समय–समय पर रक्तदान किया जाना चाहिए। रितु कटारिया ने बताया कि उनकी संस्था द्वारा ये पहला रक्तदान शिविर था। परिवर्तन–एक प्रयास के स्टार प्रचारक भाविका–पार्थ हिंदुस्तानी जनता से ज्यादा से ज्यादा रक्तदान करने की अपील कि रक्तदान स्वास्थ्य और समाज दोनों के लिये लाभदायक है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिनेश वशिष्ठ ने कहा कि रक्तदान करने से नया खून बनता है और जल्दी से कोई बीमारी भी नही लगती। राजेश बोहरा समाजसेवी ने बताया कि वो भी समय समय पर रक्तदान करते रहते है और रक्तदान करने में किसी प्रकार का दर्द या कमजोरी नही होती। पवन

गुरुग्राम में परिवर्तन-एक प्रयास संस्था की ओर से शिविर में रक्तदान करते लोग।

सपड़ा ने बताया कि सेक्टर–5 राम मंदिर में नियमित अंतराल में रक्तदान शिविर का आयोजन होता रहता है व परिवर्तन एक प्रयास का यह शिविर सफल रहा।

रक्तदान शिविर में जजपा जिला अध्यक्ष ऋषि राज राणा व पार्टी से विशिष्ठ व्यक्तियों में सुरेंदर ठाकरान, नरेश सहरावत, कृष्ण गाड़ोली, सन्नी कटारिया ने रक्तदान किया। शिविर में समाज के गणमान्य व्यक्ति पदम सिंह, ललित क्रांतिकारी व उनके साथी, प्रदीप गौतम, राहुल भारद्वाज सचिव जिला बार से, मंजू मोहन, दीपांशु बोहरा, रेणु कटारिया, नमन अग्रवाल, उमा गौड़, सुषमा, सोनी सोलंकी, ललित कुमार, नवदीप, अनु यादव, रवि छापोलाव अन्य मौजूद रहे व रक्तदान किया।

गुरु के प्यारों ने चार घंटों में ही चमका दी गुरु की नगरी गुरुग्राम

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

देश के कोने-कोने व विदेशों से भी पहुंचे डेरा सच्चा सौदा के सेवादार

अब तक देशभर में चलाए जा चुके हैं 32 महा सफाई अभियान, गुरुग्राम में था 33वां अभियान

चार लाख से अधिक सेवादारों ने मात्र चार घंटे में गुरुग्राम को किया चकाचक

मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में रविवार को डेरा सच्चा सौदा की ओर से सफाई महा अभियान चलाया गया। इस दौरान हरियाणा, दिल्ली, यूपी, राजस्थान, पंजाब समेत देश के कई राज्यों से यहां डेरा के सेवादार पहुंचे। शहर में जहां देखो वहीं पर ये सेवादार सफाई के काम को तनमयता से कर रहे है। हो पृथ्वी साफ मिटे रोग अभिशाप स्लोगन के साथ कुछ ही घंटों में गुरुग्राम के चप्पे–चप्पे पर सफाई करके इन सेवादारों ने शहर को चमका दिया।

गुरु संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां के गुरुग्राम में 21 दिन के निवास के लिए डेरा सच्चा सौदा की साध–संगत ने श्रद्धा के साथ इस नगर को सजदा किया और यहां सफाई महा अभियान चलाया। इस सफाई महाअभियान का शुभारंभ सुबह 9 बजे साउथ सिटी–2 स्थित नाम चर्चा घर के पास से धन–धन सतगुरु तेरा ही आसरा के पवित्र नारे व अरदास के साथ हुआ। इस दौरान नगर निगम की मेयर मधु आजाद व ज्वायंट कमीशनर डा. विजयपाल यादव डेरा सच्चा सौदा की प्रबंधन कमेटी के साथ मौजूद रहे। इसके बाद सभी अतिथियों ने भी स्वच्छता का पैगाम लेकर झाड़ू लगाई। इसके साथ ही शहर की हर गली–कूचे, चौक चौराहे–पार्क, सरकारी भवन, सार्वजनिक स्थलों पर सफाई महाअभियान का आगाज हो गया। लाखों सेवादार बिजली की भांति

गुरुग्राम में साउथ सिटी–2 स्थित डेरा सच्चा सौदा की ओर से चलाए गए सफाई महा अभियान की झाड़ू लगाकर शुरुआत करते नगर निगम के संयुक्त आयुक्त व मेयर।

गुरुग्राम में साउथ सिटी–2 स्थित डेरा सच्चा सौदा की ओर से चलाए गए सफाई महा अभियान में सफाई करते सेवादार।

फूर्ति से सफाई कार्य में जुट गए। सेवादारों के हाथों में झाडू इतनी तेजी से चल रहे थे, जैसे झाडू को कोई मशीन चला रही हो। जहां भी गंदगी नजर आई, सीवरेज रूका मिला, सरकारी भवनों के रोशनदानों की गंदगी देखी सेवादार उसे साफकरने में जुट गए। जहां से भी सेवादार गुरजते जाते, कूड़ा इकट्ठा कर प्रशासन द्वारा उपलब्ध डंपिंग वाहनों में डालते जाते। सड़कों, गलियों, चौक, पार्क सब चमकते नजर आए। पूरा शहर स्वच्छ हवा से भरपूर हो गया।

हर युग में संतों की जरूरत : विजयपाल

नगर निगम के संयुक्त आयुक्त विजय पाल यादव ने कहा कि समाज में समाजिक बुराईयों का खात्मा करने के लिए समय समय पर संत, समाज सुधारक, समाज को नई दिशा देने का काम करते हैं। संत हर युग व समय की जरूरत होते हैं जिनके बताए मार्ग पर चलने से देश के एक सभ्य नागरिक का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि समाज पर जब भी आपदा आई तो हमेशा संतों ने आगे बढ़कर उससे निजात दिलाई। उन्होंने कहा कि मैं डेरा सच्चा सौदा को बहुत करीब से जानता हूं। संतजी ने स्वच्छता का पैगाम देकर समाज को जागरूक करने का बहुत ही सराहनीय कार्य किया है।

वहीं गुरुग्राम की मेयर मधु आजाद ने कहा कि स्वच्छता का अभियान चलाने के लिए डेरा सच्चा सौदा साधुवाद का पात्र है। मैं शहर के नागरिकों से आह्वान करती हूं कि आज तो सेवादार शहर को साफ करके चले जाएंगे पर आप लोग रोजाना ऐसे अभियान चलाकर शहर को साफ सुथरा रखें जिससे हमारा शहर स्वच्छता अभियान में अग्रणी बन सकें।

चार लाख से अधिक सेवादारों ने की सफाई

सेवादारों के जज्बे, जुनून और हौंसले को देख शहर वासियों के अचरज का ठिकाना न था। पूरे शहर में फैले करीब 4 लाख से अधिक सेवादारों ने गुरुजी के प्रति सच्ची निष्ठा और समर्पण का परिचय देते हुए मात्र 4 घंटों में ही चार जोनों में बंटे शहर को स्वच्छता से महका दिया। वहीं इकट्ठा किया गया कूड़ा व गंदगी के ढेरों को नगर निगम प्रशासन द्वारा डंपिंग स्टेशन तक पहुंचाया गया।

नवविवाहिताओं ने भी की सफाई

पूरी तनमयता से सफाई के इस महायज्ञ में अपनी आहूति डालते रहे। यहां नवविवाहित जोड़े भी सफाई करने पहुंचे। विवाहिताओं के हाथों से मेहंदी का रंग भी फीका नहीं हुआ था और वे यहां झाडू लेकर सफाई में जुटीं नजर आई।

सरसों की निजी खरीद से किसान खुश, समर्थन मूल्य दिखा बौना

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सरसों की सरकारी खरीद शुरू होने से पहले स्थानीय आढ़तियों ने निजी स्तर पर खरीद शुरू कर दी है। आढ़ती किसान की सरसों को सरकारी कीमत से अधिक मूल्य में खरीद रहे हैं। जिससे किसानों के चेहरे खिल उठे हैं।

प्रदेश में अभी सरसों की सरकारी खरीद शुरु भी नहीं हुई है। उससे पहले ही ऑढ़तियों ने निजी स्तर पर सरसों को पहले से पहले खरीदना शुरू कर दिया है। आढ़ती सरकार द्वारा निर्धारित 5050 रुपये समर्थन मूल्य से अधिक कीमत में किसान की सरसों को खरीद रहा है। सोहना अनाज मंडी में साथ लगता जिला नूंह के किसानों द्वारा लाई जा रही सरसों को खरीद रहा है। जिसका किसान को 500 से लेकर 1000 रुपये समर्थन मूल्य से अधिक दे रहा है। जिससे किसान काफी खुश नजर आ रहे हैं।

आढ़ती बढ़ रहे भारी स्टॉक की ओर : ऑढ़ती सरकारी की सरकारी खरीद शुरू होने से पहले ही सरसों का भारी स्टॉक करना चाह रहे हैं। ताकि सरकारी खरीद के बाद ऊंचे दाम में तेल मिल मालिकों को बेच सके।

मंडी में अतिक्रमण का बोल बाला : मंडी परिसर में रेहड़ी, फुटकर सब्जी विक्रेताओं से लेकर अवैध पार्किंग से घीरा हुआ है। स्थानीय आढ़तियों से लेकर छोटे दुकानदारों ने यहां के फड़ों पर अवैध कब्जे किए हुए हैं। जिसके कारण किसानों को फसल बेचने में परेशानी हो रही है।

ऐसा कह रहे हैं किसान : अभी मंडी में फसल को किसान ने लेकर आना शुरू किया है। अप्रैल माह में गेहूं की आवक शुरू हो जाएगी। किसान वेदराम का कहना है मंडी में स्थान कम मिलता है, लेकिन किसान मजबूर होकर आम रास्ते में फसल की ढेरी लगाता है।

दुर्घटना रोकने को गुडईयर चौक बंद करना जरूरी

चौक पर ऑटो व कार की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत और आठ लोग घायल

कविता। फरीदाबाद

गुडईयर चौक पर आएदिन सड़क हादसे हो रहे हैं। पिछले दो माह में करीब दो दर्जन हादसे हो चुके हैं। इन हादसों में कई मौत और कुछ लोग घायल भी हुए हैं। ऐसे कट को बंद करने के लिए अब लोगों ने आवाज उठानी शुरू कर दी है। बीती रात भी यहां कार, स्कूटी और ऑटो की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत और आठ लोग घायल हो गए। लापरवाही के कारण यह कट किलर प्वॉइंट बन गया है।

हादसों का कारण: गुडईयर चौक काफी बड़ा होने से यहां ट्रेफिक को कंट्रोल करने के लिए तीन पुलिसकर्मी भी कम पड़ जाते हैं। एक ट्रेफिक कर्मी बूथ पर और दो कर्मचारी सड़क पर खड़े होकर ट्रेफिक कंट्रोल करते हैं। यह चौक गुडईयर कंपनी, सीमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट, सेक्टर छह बिजली सबडिविजन और सेक्टर-आठ जाने वाले रास्तों को जोड़ता हैं। मथुरा रोड पर पलवल और दिल्ली की तरफ जाने वाले रास्तों को जोड़ता है। कट से बड़े ट्रकों के मुड़ने से लम्बा जाम लग जाता है

अस्पताल में उपचाराधीन घायल प्रमोद।

और दुर्घटनाएं भी होती रहती है। ऐसे में कट को बंद कर देना ही ठीक होगा।

रविवार की सुबह मौत: रविवार सुबह सराय की तरफ से बल्लभगढ़ जा रहे एक ऑटो और स्कूटी को पीछे से तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। जिससे ऑटो बुरी तरह से घुमकर रॉग साइड जाकर ग्रिल से टकरा गया। दुर्घटना में चालक और सवारियां घायल हो गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में दयालनगर निवासी 40 वर्षीय जाहीद हुसैन की मौत हो गई। मृतक के भांजे असलम ने बताया कि कार की स्पीड अधिक थी और उसने ऑटो में पीछे से टक्कर मार दी। कार से गिलास और

कार की टक्कर में क्षतिग्रस्त हुआ ऑटो।

शराब की बोतल मिली है। जिससे संदेह है कि कार चालक शराब के नशे में था। हादसे में ऑटो चालक प्रमोद और सवारी विष्णु, सरस्वती समेत आठ लोग घायल हो गए है। चालक प्रमोद की गंभीर हालत को देखते हुए दिल्ली रेफर कर दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ कार सवारों का कुछ पता नहीं चल पा रहा है। पुलिस का कहना है कि वह मामले की जांच में जुटी हुई है। कार सवारों का पता किया जा रहा है कि वह घायल है या फिर भाग निकले हैं। असलम की माने तो जाहीद के चार बच्चे हैं। जिसमें तीन लड़कियां और एक बेटा है। जिसमें बड़ी बेटी 11 और छोटा बेटा 6 वर्ष का है।

भाजपा सरकार ने देश और प्रदेश में विकास को दी है नई गति : गुर्जर

सेक्टर-3 और 8 को जोड़ने वाले गुरुग्राम नहर का पुल जनता को किया समर्पित

बल्लभगढ़ में करीब 10 करोड़ के विकास कार्यों का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। बल्लभगढ़

बल्लभगढ़ में विकास कार्य का शुभारंभ करते केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, कैबिनेट मंत्री मूलचंदशर्मा, विधायक नरेन्द्र गुप्ता व अन्य।

भारत सरकार के भारी उद्योग एवं ऊर्जा विभाग के केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा के परिवहन खनन एवं कौशल विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा और फरीदाबाद के विधायक नरेंद्र गुप्ता ने आज रविवार को बल्लभगढ़ में लगभग 10 करोड़ रुपये की धनराशि के विकास कार्यों की सौगात लोगों को दी है।

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर एवं हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा और विधायक नरेंद्र गुप्ता ने विशाल जनसभा को संबोधित किया। इसे पूर्व उन्होंने स्थानीय सेक्टर -3 और सेक्टर- 8 को जोड़ने वाले गुरुग्राम नहर के पुल को छह मार्ग बनाकर और पुल से तिगांव रोड तक आरएमसी का रोड चार मार्गीय बनाकर जनता को समर्पित किया है। सेक्टर 3 में सिंचाई विभाग द्वारा गुड़गांव कैनाल पर बनाये गए 6 लाइन पुल और नगर निगम द्वारा बनाई गई करीब एक किलोमीटर लंबी 4 लेन रोड का किया उद्घाटन कर जनता को किया समर्पित किया है। बल्लभगढ को फरीदाबाद विधानसभा से जोड़ने वाला यह पुल सिचांई विभाग ने करीब 7 करोड़ 50 लाख की लागत से तैयार किया है।

वही नए पुल से 4 लेन रोड पर निगम ने किए है, करीब 2 करोड़ से ज्यादा धनराशि खर्च की है। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि फरीदाबाद की जनता ने लोकसभा क्षेत्र और विधानसभा क्षेत्र तथा एमसीएफ में बीजेपी की सरकार बनाकर विकास को नई गति देने का काम किया है। उन्होंने ने कहा कि मुझे विश्वास है कि भविष्य में भी एमसीएफ और पंचायती राज चुनाव में जिला में बीजेपी के ही जनप्रतिनिधि फरीदाबाद की जनता चुनने का काम करेगी।

उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि बीजेपी के ही जनप्रतिनिधि चुने। फरीदाबाद और गुरुग्राम की 30 किलोमीटर लंबी मेट्रो रेलवे लाइन की भी डीपीआर बनकर तैयार हो गई है। केंद्रीय राज्य मंत्री हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा और भाजपा नेता दीपक चंद शर्मा की बल्लभगढ़ के विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों पर पीठ थपथपाते हुए कहा कि निश्चित तौर पर बल्लभगढ़ आज हरियाणा के सभी विधानसभा क्षेत्र में विकास के क्षेत्र में रोल मॉडल बन रहा है।

कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़ का चहुमुखी विकास करवाना मेरा परम कर्तव्य है। सीधी नियत और सच्ची लगन से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। विकास कार्य सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास की नीति पर धरातल पर किए जा रहे हैं।

विधायक इस अवसर पर भाजपा जिला गोपाल शर्मा, विधायक नरेंद्र गुप्ता, पूर्व चैयरमेन सुरेंद्र तेवतिया, टिपरचंद शर्मा, पारस जैन, मूलचन्द मित्तल, दीपक यादव, महेश गोयल, योगेश शर्मा, दीपक चौधरी, लखन बैनीवाल, हरप्रसाद गौड़, कार्तिक वशिष्ठ, राकेश गुर्जर, बुद्धा सैनी, प्रताप भाटी, रमेश भारद्वाज, ज्ञानेंद्र भारद्वाज, डॉ आरएन सिंह, पूरण शर्मा, कैलाश शर्मा, गजेंद्र वैष्णव, अनुराग गर्ग, रवि भगत, राजेन्द्र शर्मा, विनोद गोस्वामी, कौशल शर्मा, अलका भाटिया, मुकेश अग्रवाल, प्रेम मदान, संगीता नेगी, नीलम चौधरी, महावीर सैनी, एसडीएम तिरलोक चंद, जॉइंट कमिश्नर अनिल यादव,सिचांई विभाग के एक्सईन वीएस रावत,एसडीओ अरविंद शर्मा सहित शहर के गणमान्य लोग और अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

विपक्ष की भूमिका निभा रही है आप पार्टी: भड़ाना

वार्ड नम्बर-9 में आम आदमी पार्टी के कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर संबोधित करते जिला अध्यक्ष धर्मवीर भड़ाना।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

इनेलो छोड़ आप में शामिल हुए डाक्टर संजीव कंसल

वार्ड नंबर-9 से भावी पार्षद उम्मीदवार भोपाल कश्यप के कार्यालय का रविवार को आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मबीर भड़ाना ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस मौके पर डॉ संजीव कंसल हलका अध्यक्ष इनेलो पार्टी एनआईटी 86 फरीदाबाद, बबन अली प्रधान उड़िया कॉलोनी, अनील, सतपाल कश्यप, प्रेमचंद, उदयवीर, रामचंद्र, रमेशचंद्र कश्यप अतर सिंह कश्यप, बलराज, रनवीर आदि दर्जन भर लोगों ने आप का दामन थामा।

इस मौके पर धरमबीर भड़ाना ने कहा कि पूरे हरियाणा में युवा, महिलाएं एवं सभी वर्ग के लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं, उससे पार्टी को लगातार मजबूती मिल रही है। भोपाल कश्यप वार्ड नं- 9 से मजबूत कार्यकर्ता हैं। निगम चुनावों को लेकर उनकी तैयारियां पूरी है। भड़ाना ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि आज भाजपा सरकार पूरी तरह से फेल साबित हो चुकी है, आज जनता त्राहिमाम कर रही है। हरियाणा के राज्यसभा सांसद एवं सह प्रभारी डॉक्टर सुशील गुप्ता के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी लगातार मजबूत होती जा रही है और हरियाणा में आने वाली सरकार आम आदमी पार्टी की होगी। आम आदमी पार्टी एकमात्र ऐसी पार्टी है जो प्रदेश में विपक्ष की भूमिका निभा रही है। भाजपा सरकार की किसान, मजदूर एवं जनविरोधी नीतियों का डटकर विरोध कर रही है।

इस अवसर पर जिला महासचिव भीम यादव, जिला संगठन मंत्री विनोद भाटी, युवा जोन उपाध्यक्ष हितेश पालटा, एनआईटी विधानसभा अध्यक्ष राकेश प्रसाद, संदीप राव, मोहित गोयल, बिसवेंदर अत्री, केएल बंसल, शैलेंद्र शर्मा, कैलाश वैष्णव, मिलन गोंछित एवं अभिषेक गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

12 से स्टेट एथलेटिक्स चैम्पियनशिप शुरू

फरीदाबाद। एथलेटिक्स हरियाणा के मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड ने बताया कि 5वीं हरियाणा स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का आयोजन 12 और 13 मार्च को नवदीप स्टेडियम नरवाना (जींद) में किया जाएगा।

एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव राजकुमार मिटान के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सीनियर एथलेटिक्स चैंम्पियनशिप में 100, 200, 400, 800, 1500, 3000, 5000 और 10000 मीटर दौड का आयोजन किया जाएगा। थ्रो इवेंट में शाट पुट, हैमर थ्रो, डिस्कस और जेवेलिन थ्रो इवेंट होंगे। जंप इवेंट में लांग जंप, हाई जंप, ट्रिपल जंप और पोलवाल्ट इवेंट होंगे। डैक्थलान, हैप्टाथलान और 10 किलोमीटर रेस वाक,100 मीटर हर्डल,110 मीटर हर्डल, 400 मीटर हर्डल और 3000 मीटर स्टेपल चेज इवेंट कराए जाएंगे।

सर्वश्रेष्ठ विधायक नीरज शर्मा का किया स्वागत

प्याली चौक पर एनआईटी-86 के विधायक नीरज शर्मा का सर्वश्रेष्ठ विधायक चुने जाने पर स्वागत करते स्थानीय निवासी।

फरीदाबाद। एनआईटी फरीदाबाद के विधायक नीरज शर्मा को सर्वश्रेष्ठ विधायक चुने जाने पर क्षेत्र की जनता में अभूतपूर्व उत्साह है।

विधानसभा में सम्मानित होने के बाद रविवार को जब विधायक नीरज शर्मा एनआईटी पहुंचे तो हार्डवेयर प्याली चौक पर बैंड बाजे के साथ उनके समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया। जगह-जगह नीरज शर्मा को फूल मालाओं से नवाजा गया। स्वागत के लिए पहुंचीं वृद्ध महिलाओं के पांव छूकर नीरज शर्मा ने आशीर्वाद लिया। नारे लगाते युवाओं के बीच नीरज शर्मा ने भावुक होकर यह सम्मान अपने पिता स्व पंडित शिव चरण लाल शर्मा व एनआईटी 86 की जनता को समर्पित किया।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर मजदूर संगठनों ने बनाई रणनीति

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ज्वाइंट ट्रेड यूनियन काउंसिल, फरीदाबाद ने आगामी 28 और 29 मार्च को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने का संकल्प लिया। यह निर्णय आज रविवार को ओपन एयर थिएटर सेक्टर-12 में संपन्न हुई कन्वेंशन में लिया गया।

कन्वेंशन की अध्यक्षता एटक के कामरेड बेचू गिरी, इंटक के हुकम चंद बेनीवाल, सीटू के प्रधान निरंतर पाराशर, आईसीटीयू के कामरेड पूर्ण लाल, एचएमएस के डीएन मिश्रा, और सर्व कर्मचारी संघ के वरिष्ठ उपप्रधान अतर सिंह ने संयुक्त रूप से की। जबकि संचालन कन्वीनर वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने किया। हड़ताल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कन्वीनर वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने बताया कि हड़ताल करने का मुख्य

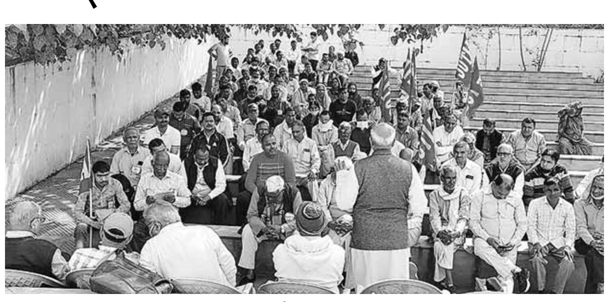
सेक्टर-12 ओपन एयर थिएटर में हुई बैठक को संबोधित करते ज्वाइंट ट्रेड यूनियन काउंसिल फरीदाबाद यूनियन के नेता वीरेन्द्र डगवाल।

उद्देश्य मजदूर विरोधी चारों लेबर कोड्स रद्द करने, बैंक, बीमा सहित सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण बंद करने, महंगाई पर रोक लगाने। डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस, टोल टैक्स की बढ़ी हुई कीमतों को वापस लेने, फरीदाबाद के लेबर कोर्ट के रिक्त पदों को शीघ्र भरवाने, पुरानी पेंशन को बहाल करने, समान काम समान वेतन लागू करने एवम् सेवा सुरक्षा प्रदान करने सहित 16 सूत्री मांगों को लेकर देश के तमाम सरकारी विभागों, कारखाने के मजदूर स्कीम वर्कर हड़ताल में शामिल होंगे। चारों लेबर कोड्स के बारे में विस्तार से बताया। एटक के आरएन सिंह ने सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यवसायिक सुरक्षा पर विस्तार से बताया।

उत्थान मेलों में गरीब परिवारों ने कराया रजिस्ट्रेशन : डीसी

सेक्टर-12 खेल परिसर में आयोजित अंत्योदय मेले में रजिस्ट्रेशन करवाते लोग।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीसी जितेंद्र यादव ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को आजीविका के संसाधन उपलब्ध करवाने के लिए अंत्योदय मेले के सही क्रियान्वित करने से निश्चित तौर पर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की आय बढ़ेगी। सरकार का मुख्य ध्येय यही है कि गरीब लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोडकर मुख्यमंत्री अंतोदय परिवार उत्थान योजना से गरीबों की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

जितेंद्र यादव रविवार को स्थानीय सेक्टर 12 के खेल परिसर में मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत शहरी क्षेत्रों के लिए द्वितीय चरण के दूसरे मेले के शुभारंभ अवसर पर तिगांव कालेज परिसर में अवलोकन कर रहे थे।

यूक्रेन से लौटे छात्रों का विधायक ने किया स्वागत

विधायक ने बच्चों का मुंह मीठा कराया और माला पहनाकर पूछा हालचाल

बच्चे बोले, मोदीजी का दुनिया में बज रहा है डंका

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

यूक्रेन से वापस आए छात्रों का स्वागत करते तिगांव के विधायक राजेश नागर।

यूक्रेन से सकुशल लौटे खेड़ी निवासी छात्रों साहिल एवं विपुल और तिगांव निवासी लक्ष्य का तिगांव के विधायक राजेश नागर ने स्वागत किया। नागर ने बच्चों का मुंह मीठा करवाया और माला पहनाकर उनकी कुशलता का समाचार पूछा। विधायक राजेश नागर ने बच्चों से यूक्रेन की जानकारी ली।

ये बच्चे वहां एमबीबीएस की पढ़ाई करने गए थे। विधायक ने बच्चों के घर पहुंच कर उनका हौसला बढ़ाया। नागर ने कहा कि युद्ध किसी भी समस्या का हल नहीं है। हमारी केंद्र सरकार ने दोनों देशों को कूटनीतिक तरीके से विवाद को निपटाने की अपील की है। लेकिन हमारे अपने नागरिकों को युद्ध क्षेत्र से सकुशल निकालने के लिए जिस कौशल का प्रदर्शन किया है। उसकी पूरी दुनिया में प्रशंसा हो रही है।

श्रीमोदी ने अपनी कैबिनेट के चार मंत्रियों को ऑपरेशन गंगा में लगाया है। हमारे लगभग नागरिक यूक्रेन के पड़ोसी देशों में पहुंच चुके हैं। जहां से वह भारत पहुंच रहे हैं। वापस सरजमीं पर लौटे बच्चों ने केंद्र एवं हरियाणा सरकार का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि यूक्रेन में हालात नाजुक लग रहे थे, लेकिन यूक्रेन पौलेंड बॉर्डर पर पहुंचकर संकट जैसे मिटने लगा। वहां भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया और रोमानिया होते हुए मुंबई की फ्लाइट दी। मुंबई में हरियाणा सरकार ने कैंप लगाए हुए थे, जहां उनकी खूब आवभगत हुई और दिल्ली के लिए चलते हुए उन्हें एक-एक हजार रुपये भी दिए गए जिससे रास्ते में छोटी जरूरतों को पूरा कर सकें।

छात्रों ने बताया कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। मोदी की अपील पर रूस ने थोड़े समय के लिए युद्धविराम किया। जिससे हम लोग निकल सके। हमारा कोई किराया, भोजन आदि पर पैसा नहीं लगा। सरकार हमें नि:शुल्क और सकुशल हमारे देश वापिस लेकर आई है। वास्तव में मोदी ने अपने 56 इंच के सीने का दम दिखाया है। छात्र साहिल नर्वत के पिता महेंद्र सिंह, विपुल शर्मा के पिता सुरेंद्र शर्मा ने हरियाणा एवं केंद्र सरकार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि सरकार की कार्यप्रणाली प्रशंसा के लायक है। इस अवसर पर भाजपा नेता दयानंद नागर, धर्मवीर चेयरमैन, अमरपाल, धर्मेन्द्र नर्वत, चौ मंगल सिंह सरपंच, गोपाल शर्मा, रणवीर नर्वत आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

मानव भवन में होली मिलन समारोह आयोजित

सेक्टर-10 स्थित मानव भवन में अयोजित होली मिलन समारोह में होली के गीत प्रस्तुत करती गायिका राशि पाटनी। गीत पर झूमते लोग।

फरीदाबाद। मानव सेवा समिति ने शनिवार को अपने सेक्टर-10 स्थित कार्यालय मानव भवन पर होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के प्रतिनिधि के रूप में उनके बड़े भाई टिपरचंद शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लेकर मानव परिवार के सदस्यों के साथ फूलों की होली खेली। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उनका पूरा परिवार मानव सेवा समिति से जुड़ा हुआ है। समिति जरूरतमंदों की सहायतार्थ अनेक सेवा प्रकल्प चलाकर उनकी हर संभव मदद कर रही है। इसके लिए समिति के सभी पदाधिकारी और सदस्य बधाई के पात्र हैं। उन्होंने समिति की हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री संकट मोचन हनुमान मंडल द्वारा सुंदरकांड के वाचन से हुई। उसके बाद प्रमुख गायिका राशि पाटनी द्वारा गाए गए होली गीत,भजन, रसिया 'आज ब्रिज में होली रे रसिया, छाप तिलक सब छीनी रे,मोसे नैना मिलाइके, बांके बिहारी तेरे मोटे मोटे नैन,होली खेल रहे नंदलाल, काला काला कहे गूजरी' पर मानव परिवार के संस्थापक कैलाश शर्मा, अरुण बजाज, अमर बंसल, अन्य पदाधिकारी सुरेंद्र जग्गा, राजेंद्र गोयनका, संजीव शर्मा, प्रेम पसरीजा, उषाकिरण शर्मा, एससी गोयल, कैलाशचंद शर्मा, रांतीदेव गुप्ता, संदीप राठी, विनोद गर्ग, प्रमोद टिबड़ेबाल, वासदेव अरोड़ा, रमा सरना, राजराठी, राजेंद्र बंसल आदि ने जमकर नृत्य किया और एक दूसरे पर फूल बरसा कर होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का समापन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया।

पत्नी से नाराज होकर लापता हुए व्यक्ति को पुलिस ने तलाशा

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा के दिशा-निर्देश के तहत कार्य करते हुए क्राइम ब्रांच कैट की टीम ने एक घर से नाराज होकर निकले एक युवक को उसके परिजनों तक वापस पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि फरीदाबाद के थाना सूरजकुंड एरिया का रहने वाला 37 वर्षीय इमरान पारिवारिक कलेश के चलते नाराज होकर एक महीने पहले घर से निकल गया था। इसके लिए पुलिस थाना सूरजकुंड में गुमशुदगी की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। युवक के परिजनों ने बताया कि उनका किसी बात को लेकर इमरान के साथ झगड़ा हो गया था। इमरान को ढूंढने की बहुत कोशिश की परंतु उन्हें उसकी कोई खबर नहीं मिली। उन्होंने आस-पड़ोस, दोस्त रिश्तेदार हर किसी से पूछताछ की परंतु उन्हें इमरान के बारे में कोई भी जानकारी हासिल नहीं हुई। जिसके पश्चात मदद के लिए वह पुलिस के पास पहुंचे। पुलिस टीम ने लापता व्यक्तियों की सहायता के लिए गठित की गई क्राइम ब्रांच कैट टीम की सहायता से इमरान को कल अनंगपुर, फरीदाबाद से बरामद कर लिया। पुलिस इमरान को लेकर उसके परिजनों के पास पहुंची और समझा-बुझाकर उसे उसके परिजनों के हवाले कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने इमरान के परिजनों को उसके साथ लड़ाई झगड़ा न करने की हिदायत दी। इमरान के परिजनों ने पुलिस द्वारा किए गए सराहनीय कार्य के लिए उन का तहे दिल से धन्यवाद किया।

विश्वविद्यालय के विकास के लिए गुणवत्ताशोध की जरूरत

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के पंडित दीन दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा 'अनुसंधान उत्कृष्टता और अकादमिक विकास - वर्तमान परिदृश्य में आधुनिक पुस्तकालय अभ्यास' विषय पर आयोजित एक सप्ताह का शार्ट-टर्म प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसटीटीपी) संपन्न हो गया। कार्यक्रम को एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित किया गया था। समापन सत्र में कुलपति प्रो. एसके तोमर ने कार्यक्रम के सफल समापन पर विश्वविद्यालय पुस्तकालय को बधाई दी और विश्वविद्यालय के समग्र विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शोध की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शोधकर्ता को गुणवत्तापूर्ण शोध करने पर ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें असफलता से नहीं डरना चाहिए क्योंकि असफलता वह बिंदु है जहां से नई सीख शुरू होती है। इस अवसर पर राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन, संस्कृति मंत्रालय, कोलकाता के महानिदेशक प्रो. ए.पी. सिंह मुख्य अतिथि रहे। अपने संबोधन में प्रो. सिंह ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए गुणवत्तापूर्ण साहित्य सबसे महत्वपूर्ण है और यह केवल पुस्तकालय द्वारा प्रदान किया जा सकता है। उन्होंने पुस्तकालय से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के लिए राजा राममोहन राय पुस्तकालय फाउंडेशन और जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के बीच वित्त पोषण और सहयोग का भी प्रस्ताव रखा। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. आशुतोष दीक्षित ने पुस्तकालय के प्रयासों की प्रशंसा की और विश्वविद्यालय के संकाय और छात्रों को विभिन्न अनुसंधान सहयोगी सेवाएं प्रदान करने के लिए केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा दिए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम समन्वयक एवं संयोजक डॉ. पी.एन. बाजपेयी ने कार्यक्रम रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें उन्होंने जानकारी दी कि कार्यक्रम में उत्तराखंड, राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित देश भर के राज्यों से 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान आईआईटी, आईआईएसईआर एवं एनआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से विभिन्न विशेषज्ञ वक्ताओं द्वारा 18 सत्र आयोजित किए गए। अंत में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रीति सेठी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और कार्यक्रम के आयोजन का अवसर प्रदान करने के लिए एआईसीटीई का आभार व्यक्त किया।

निगम भवनों की दीवारों पर पेंटिंग कार्य का हुआ शुभारंभ

नगर निगम भवन की दीवार पर पेटिंग कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते निगमायुक्त यशपाल यादव।

फरीदाबाद। निगमायुक्त यशपाल यादव द्वारा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित नगर निगम के भवनों की दीवारों पर पेंटिंग कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इसमें राष्ट्रीय स्तर पर जो भी छात्र-छात्राएं पेंटिंग करते हैं। उनके हुनर को सम्मान देते हुए पेंटिंग करने का अवसर प्रदान करने के लिये शामिल किया गया। जिसमें यह छात्र-छात्राएं पर्यावरण संरक्षण संबंधित पेंटिंग करेंगे। इस पेंटिंग के माध्यम से नगर निगम को आम जनता से जुड़ने में सहयोग मिलेगा और निगम द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति किए गए प्रयासों को पेंटिंग के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जायेगा। इस पेंटिंग कार्यक्रम को निगमायुक्त के निर्देशानुसार श्री इंद्रजीत कुलारिया, अतिरिक्त निगमायुक्त के नेतृत्व में किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण के लिये निगमायुक्त यशपाल यादव द्वारा उच्चतम न्यायालय और वायु गुणवता प्रबन्धन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रतिदिन प्रदूषण रोकथाम हेतु कारगर प्रयत्न जैसे- टैंकरों द्वारा सड़कों व रोड किनारों पर पानी का छिड़काव, शहर में कूड़े के ढेरों को बढ़ने से रोकना एवं टूटी-फूटी सड़कों की मरम्मत तथा निर्माण गतिविधियो पर अंकुश लगाये जाने का प्रयत्न किया जा रहा है। इस संबंध में निगमायुक्त ने अपने अधिकारियों को और कारगर कदम उठाने के लिये भी निर्देश दिया।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 7 मार्च, 2022

अमेरिका का दबाव

रूस से दूर हटे भारत

अमेरिका भारत पर दबाव डाल रहा है कि वह रूस से दूर हटे, लेकिन हमारी पसंद क्या होनी चाहिए? संयुक्त राज्य अमेरिका ने कहा है कि वह यूक्रेन पर हमले के मामले पर रूस से दूरी बनाए। एक प्रकार से यह कहने का अर्थ है कि भारत अमेरिकी खेमे में शामिल हो जाए। भारत अमेरिका का एकमात्र ऐसा बड़ा सहयोगी है जिसने रूस की खुलेआम निन्दा नहीं की है। क्या अमेरिका ऐसी स्थिति को निन्दनीय या असहनीय पा रहा है? दोनों प्रकार से दक्षिण एशियाई मामलों में उप अमेरिकी विदेश सचिव डोनाल्ड लू का संदेश स्पष्ट है। उन्होंने कहा, 'भारत हमारा वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण सुरक्षा परिषद सदस्य है, लेकिन एक हिस्सा यह भी है कि रूस की भारी आलोचना के समय भारत को उससे और दूरी बनाने का समय आ गया है।' इस प्रकार वाशिंगटन संदेश दे रहा है कि केवल अमेरिका का महत्वपूर्ण साझीदार बनना ही काफी नहीं है, इस साझीदारी का विस्तार अमेरिका के साथ नीतिगत साझे के रूप में भी होना चाहिए। सतही तौर से देखने पर यह भारत के लिए एक कठिन सवाल है, लेकिन हो सकता है कि ऐसा न हो। किसी अन्य देश की तरह अमेरिका में प्रशासन अपनी नीति की व्याख्या देश की जनता के लिए करता है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उलट जो बाइडेन प्रशासन रूस के खिलाफ दुनिया की राय बनाने में स्वयं को सक्षम मानता है और वह इसमें कोई बाधा नहीं आने देना चाहता है। इसका प्रभाव आगामी मध्यकालीन चुनावों में डेमोक्रेटों की संभावनाओं पर पड़ सकता है। रूस के बजाय भारत के अमेरिकी खेमे में 'शामिल' होने से अमेरिकी दृष्टिकोण का एक जटिल बिंदु समाप्त हो जाएगा। ऐसा होने पर राष्ट्रपति जो बाइडेन रूस के खिलाफ एक असहज गठबंधन का

'नेतृत्व' करते नहीं दिखेंगे। यह ऐसे समय महत्वपूर्ण होगा जब व्लादीमिर पुतिन पश्चिमी दुनिया को ठेंगा दिखा कर आक्रमण की अपनी योजना पर अमल कर रहे हैं।

लेकिन अमेरिकन जिस तरह भारत को अपना समर्थक बनाने का प्रयास कर रहे हैं, वह परस्पर सम्मान पर आधारित संबंधों की अभिव्यक्ति नहीं करता है। डेविड लू ने अपने सारे पत्ते सामने रख दिए हैं। रूस से एस-400 समझौते पर भारत के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों पर उन्होंने मुद्दे को लटकाए रखा। उन्होंने इसे 'समय से पूर्व' बताते हुए कहा कि प्रतिबंधों या उससे अलग रखने का निर्णय राष्ट्रपति बाइडेन करेंगे। भारत के मतदानों में अनुपस्थित रहने पर उन्होंने कहा 'संघर्ष बहुत तीखा' है तथा उन्होंने भारत से 'स्पष्ट दृष्टिकोण अपनाने' की प्रार्थना की। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने भारत द्वारा यूक्रेन को महत्वपूर्ण सहायता भेजने तथा सभी राज्यों की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने के उसके दृष्टिकोण को 'छोटे कदम' तथा भारतीय समझ में 'विकास' बताया। क्या वे स्वीकार कर रहे थे कि अमेरिका भारत की ओर काफी झुका है? याद रखें कि बाइडेन ने हिंद-प्रशांत पर क्वाड की एक बैठक को संबोधित करते हुए भारत के खिलाफ चीन कार्ड का प्रयोग किया। निराश पश्चिमी मीडिया पहले से ही पश्चिम को भारत के प्रति अपने दृष्टिकोण के पुन: आंकलन का अनुरोध कर रहा है। वह रूस के प्रति भारत का रणनीतिक स्वायत्तता वाला दृष्टिकोण सहन करने को तैयार नहीं है। लेकिन पश्चिम की एक समस्या है। उसे रूस के संबंध में भारत के दृष्टिकोण के साथ दीर्घकालीन रूप से एशिया में चीन द्वारा प्रभुत्व स्थापित करने के प्रयासों पर भी गौर करना होगा। सभी अच्छी तरह जानते हैं कि भारत एकमात्र ऐसा एशियाई देश है जो चीन के मुकाबले खड़ा हो सकता है।

विज्ञान पुरस्कारों में नामांकन संस्कृति

जहां कहीं भी नामांकन का प्राविधान होता है, वहां पूर्वाग्रह व चाटुकारिता की संभावना पैदा होती है जिससे वैज्ञानिक प्रगति बाधित हो सकती है।

बीजू धर्मपालन
(लेखक विज्ञान संप्रेषक हैं)

भारत में स्वतंत्रता के पहले सर सी.वी.रमन जैसे अनेक वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण वैज्ञानिक शोध किए, पर उनको नोबेल पुरस्कार नहीं मिला। उनकी शोध का प्रभाव इतना अधिक था कि पश्चिमी दुनिया ने उनको बिना किसी पुरस्कार के स्वीकार किया। अनेक लोगों को कई बार नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया। उदाहरण के लिए मेघनाद साहा को सात बार नामांकित किया गया। यदि हम गुणवत्तापूर्ण शोध के दृष्टिकोण से एफआरएस व नाइटहुड प्राप्त लोगों की संख्या पर गौर करें तो स्पष्ट होगा कि स्वतंत्रता के पूर्व ऐसे लोगों की संख्या स्वतंत्रता-पश्चात भारत की तुलना में अधिक थी। क्या इससे लगता है कि हमारा वर्तमान समय का शोध मानकों के अनुकूल नहीं है? इस बारे में हमें अपने विचार स्पष्ट करना जरूरी है। वर्तमान पीढ़ी के अनेक शोधकर्ताओं को वैज्ञानिक दुनिया में समुचित आकर्षण क्यों नहीं प्राप्त होता है? जब हम कठोर औपनिवेशिक परिवेश का सामना करने में सफल अपने महान वैज्ञानिकों पर गौर करते हैं तो समझ में आ जाता है कि उनकी ओर पश्चिमी वैज्ञानिक समुदाय से अपनी नेटवर्किंग व सहयोग के कारण ध्यान आकर्षित हुआ। विज्ञान के क्षेत्र में पहचान बनाने के लिए किसी को प्रख्यात वैज्ञानिकों के संरक्षण या अंतरराष्ट्रीय रूप से स्वीकृत विद्वतापूर्ण प्रकाशनों में खोज प्रकाशित होने की जरूरत होती है। अनेक वैज्ञानिक पुरस्कार नामांकनों पर आधारित होते हैं, जिसके लिए विदेशी वैज्ञानिकों से सहयोग अनिवार्य आयाम है।

कोई भी वैज्ञानिक पुरस्कार किसी को केवल उसकी योग्यता पर नहीं मिलता है। भारत में भी हम अनेक सम्मानित पुरस्कारों के लिए चयन नामांकन आधार पर करते हैं। ऐसे में सवाल है कि कोई शोधकर्ता सीधे नोबेल पुरस्कार या यहां तक कि हमारे सम्मानित शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार के लिए नामांकन क्यों नहीं कर सकता है? जहां भी नामांकन का प्राविधान होता है, वहां पूर्वाग्रह या चाटुकारिता की संभावनायें पैदा होती हैं जो विज्ञान में बाधा पैदा करती हैं। ऐसे में केवल सत्ता केन्द्रों के निकट वाले लोगों को ही पुरस्कार जीतने का अवसर मिलता है। ऐसे में शोधकर्ता अपने काम पर ध्यान देने के बजाय अपने वरिष्ठ लोगों को खुश करने पर ज्यादा ध्यान देते हैं। भारतीय विज्ञान में खुश करने की यह राजनीति इतनी अधिक सीमा तक बढ़ी है कि शोधकर्ता अपना लेखन उन साथियों को उपहार में दे देते हैं जिनका उस काम में कोई योगदान नहीं होता है। लेखन उपहार में देने के साथ ही शोधकर्ता अपने वरिष्ठों के निर्देश आंख बंद कर मानने के कारण अपनी निष्ठा और गरिमा खो देते हैं। कई बार इससे वैज्ञानिक उत्पादकता प्रभावित होती है। यदि विज्ञान में सुधार लाना हो तो हमें वैज्ञानिक समुदाय में स्वतंत्र-चिंतन की संस्कृति विकसित करनी होगी, जबकि वहां ऐसा नहीं है।

इसके साथ ही फंडिंग एजेंसियों को शोध को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित नहीं करना चाहिए। इस मामले में हमें स्वतंत्रता-पूर्व युग के वैज्ञानिकों की प्रशंसा करनी चाहिए जो परिणामों पर ध्यान देने के बजाय केवल अपनी वैज्ञानिक जिज्ञासा के आधार पर काम करते थे। सर सी.वी.रमन तो शोध के लिए सरकारी पैसे के उपयोग का भी विरोध करते थे। सरकारी समर्थन स्वीकार करने पर उनको काफी सीमा तक अपनी शोध से समझौता करना पड़ सकता है। इसके अलावा उनको फाइलें तैयार करने पर काफी समय खर्च करना पड़ता है। कोई वैज्ञानिक या सरकारी विभाग सार्वजनिक रूप से यह कहने का साहस नहीं जुटा पाता है कि उसके वैज्ञानिक परिणाम तत्कालीन सरकार की घोषित नीति या उसके रिर्पोटिंग अधिकारियों के हितों के खिलाफ हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में अनेक समस्यायें बनी हुई हैं, चाहे वह खाने-पीने की चीजों में मिलावट हो या गलत ढांचागत विकास नीतियां। आज भी हमारे वैज्ञानिक समुदाय ने इनके गंभीर वैज्ञानिक समाधान नहीं विकसित किए हैं।

हमारे महान वैज्ञानिकों का केवल एक दृष्टिकोण विज्ञान के लाभ उठा कर देश को आत्मनिर्भर बनाना था। इनमें से अधिकांश वैज्ञानिकों ने तत्कालीन समाज की समाज की उन समस्याओं पर ध्यान केन्द्रित किया जो उसकी मांगों से जुड़ी थीं या प्रकृति के प्रति जिज्ञासा से पैदा होती थीं। आधुनिक वैज्ञानिकों द्वारा प्रचारित बहुविषयी संस्कृति हमारे वैज्ञानिक समुदाय के लिए नई नहीं थी। यदि इन महान वैज्ञानिकों के इतिहास में देखा जाए तो पता लगेगा कि वे अपने शोध में बहुविषयी संस्कृति का पालन करते थे। जे.सी. बोस ने भौतिकी और जीवविज्ञान में अग्रणी योगदान किया था। ऐसे अनेक उदाहरण भारत के वैज्ञानिक इतिहास में मिलते हैं। पुरानी पीढ़ी के अनेक वैज्ञानिकों को बहुआयामी कहा जा सकता है क्योंकि उनका व्यापक किस्म के विषयों में अनुभव था। इन महान वैज्ञानिकों द्वारा उठाए गए कष्ट याद करना हमेशा अच्छा है क्योंकि इससे हमें विज्ञान के क्षेत्र में महान काम करने तथा शोध के दौरान खास परेशानियों से बचने में सहायता मिलती है। हमारी अधिकांश वैज्ञानिक शोध किसी खास शोध संस्थान द्वारा निर्देशित होती है। यदि वैज्ञानिक अपनी खास विशेषज्ञता या पसंद के क्षेत्र में शोध करना चाहें तो भी उनको संस्थान के नियमों से बांध दिया जाता है। बहुत कम संस्थान ही बिना शर्त वाला स्वतंत्र कार्यक्षेत्र प्रदान करते हैं। इसके साथ ही नियम मीडिया या जनता के साथ स्वतंत्र रूप से संवाद पर भी रोक लगाते हैं। असहमति विज्ञान की सफलता है। यदि वैज्ञानिक समुदाय में कोई असहमति न हो तो विज्ञान का विकास नहीं होगा। जब किसी मरीज की हालत गंभीर होती है तो अच्छे अस्पतालों में डाक्टरों की टीम किसी खास प्रक्रिया के सकारात्मक व नकारात्मक प्रभावों पर चर्चा करती है। वैज्ञानिक शोध में भी वैज्ञानिकों को अपने बीच ब्रेनस्टार्मिंग की अनुमति होनी चाहिए। ऐसा खासकर उस समय जरूरी है जब कोई महत्वपूर्ण परिणाम सीधे जनता को प्रभावित करता है।

चिन्ता का एक और क्षेत्र वैज्ञानिक शोध का प्रकाशन तथा वरिष्ठों को खुश करने के लिए उसके लेखक के रूप में संस्थानों के प्रमुखों का नाम देना है। इससे कठोर परिश्रम करने वाले कुछ शोधार्थियों को लेखक के नाम से वंचित रहना पड़ता है। इस कारण कुछ शोधकर्ता अपनी शोध पर ध्यान देने के बजाय उसे प्रभावशाली जर्नलों में प्रकाशित कराने पर ज्यादा ध्यान देते हैं। खांचों से बाहर सोच रखने वाले कुछ वैज्ञानिक अपनी शोध प्रकाशित करने के लिए रचनात्मक संघर्ष करते हैं। इस स्थिति में सुधार के लिए अपने जर्नलों में शोध के नतीजे प्रकाशित करना अनिवार्य बनाना हो सकता है। हमें ऐसी स्थिति पैदा करनी चाहिए कि विदेशी वैज्ञानिक हमारे जर्नलों पर गौर करें और इस प्रकार हमारे जर्नलों का प्रभाव भी वैज्ञानिक दुनिया में बेहतर हो। सरकारी संस्थानों तथा अकादमियों द्वारा प्रकाशित जर्नलों को भी भारतीय वैज्ञानिक समुदाय में ज्यादा महत्व नहीं मिलता है। प्रभावशीलता को अनावश्यक महत्व देना वैज्ञानिक आंकलन में समाप्त होना चाहिए।

इससे केवल अच्छे विज्ञान की इच्छा रखने वालो तथा पुरस्कार पाने की इच्छा रखने वालों के बीच खाई पैदा होती है। हमारे प्रतिष्ठित शोध संस्थानों में बढ़ती वैज्ञानिक हेराफेरी की घटनायें इसका प्रमाण हैं। इससे भारतीय विज्ञान तथा देश का दर्जा गिरता है, जबकि हम महान वैज्ञानिक विरासत के धनी हैं जिससे दुनिया ईर्ष्या करती रही है। हमारे शुरुआती वैज्ञानिक कभी प्रकाशनों व पेटेंटों की चिन्ता नहीं करते थे। वे केवल अच्छे विज्ञान हेतु काम पर ध्यान देते थे। विज्ञान के व्यापक क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने से वे अपनी इच्छा से विज्ञान करने के लिए स्वतंत्र थे और कोई उनके शोध में हस्तक्षेप नहीं करता था। वर्तमान समय में शोधकर्ताओं को इस संबंध में ज्यादा स्वतंत्रता नहीं है क्योंकि उनका आधा समय प्रशासनिक जिम्मेदारियों व कागजी कामकाज में खर्च हो जाता है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाते समय हमें एक स्वस्थ वैज्ञानिक परिवेश बनाने पर ध्यान देना चाहिए जहां उपजाऊ परिवेश में भावी विज्ञान के बीज बोए जा सकें। हमारे शोध केन्द्रों को खोजी शोध का स्पेस देना चाहिए जहां हमाने नौजवान अपनी स्वतंत्र इच्छा से अपने हितों की रक्षा कर सकें, उनके काम में वरिष्ठ बाधा न डालें तथा उनको निर्भय होकर वैज्ञानिक तथ्य सामने रखने का अवसर मिले। अपने पूर्ववर्तियों द्वारा उठाए कष्टों पर गौर करते हुए हमारे नीति निर्माताओं को ऐसे कदम उठाने चाहिए जिससे भारत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का वैश्विक केन्द्र बन सके।

रूस-यूक्रेन युद्ध का राजनय व अर्थशास्त्र

अश्विनी महाजन
(लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं)

अगर हम यूक्रेन संकट को निष्पक्ष रूप से देखें, तो यह एक संप्रभु देश पर हमले के रूप में प्रतीत होता है। लेकिन अगर हम इसे रूसी दृष्टिकोण से देखें, तो हम देखते हैं कि शीत युद्ध के दिनों से लेकर अब तक रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके नाटो सहयोगियों के बीच लगातार तनाव बना हुआ है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अगर यूक्रेन नाटो में शामिल हो जाता है, तो यह रूस की सीमाओं पर समूह की उपस्थिति का विस्तार करेगा। रूस कभी नहीं चाहेगा कि यूक्रेन किसी भी परिस्थिति में नाटो का सदस्य बने। यह पहली बार नहीं है जब रूस और यूक्रेन इस मुद्दे पर आमने-सामने हैं। जब भी यूक्रेन ने नाटो के साथ अपने संबंधों का विस्तार करने का प्रयास किया, रूस ने जवाबी कार्रवाई की।

कुछ अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले समय में रूस के राष्टपति सोवियत संघ के विघटन के बाद नवजात देशों को भी सोवियत संघ की बहाली के लिए अपने अधीन कर सकते हैं। लेकिन इस विचार का कोई आधार नहीं दिखता। सबसे पहले, रूस ने खुद कहा है कि उसका यूक्रेन पर कब्जा करने का कोई इरादा नहीं है। साथ ही कुछ समय पहले जब रूसी राष्ट्रपति से यह सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि दुनिया में एक ही महाशक्ति है और वह है अमेरिका और रूस को फिर से महाशक्ति बनाने का कोई कारण और महत्वाकांक्षा नहीं है। उन्होंने कहा कि शीत युद्ध के दिनों से ही महाशक्ति बने रहने की होड़ में रूस को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है. सोवियत संघ के दिनों में शीत युद्ध के कारण रूस के खजाने का एक बड़ा हिस्सा सैन्य खर्च में चला गया, जिसके कारण रूसी जीवन स्तर निम्न बना रहा और रूस मानव विकास की दौड़ में भी पिछड़ गया।

गौरतलब है कि अमेरिका को भी महाशक्ति के अपने टैग को बनाए रखने की कोशिश में काफी नुकसान हुआ है। सामान्य तौर पर, यह अपनी आर्थिक और सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने

के लिए अपनी रणनीति के अनुसार कई देशों में सैन्य हस्तक्षेप करता रहा है। इस तरह के प्रयासों में अमेरिकियों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इसीलिए पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भविष्य में इस तरह के प्रयासों से बचने का आह्वान किया। हाल ही में, वैश्विक आलोचना के बावजूद, अमेरिका ने अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को वापस ले लिया। यह फैसला आर्थिक कारणों से ही लिया गया है। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण को साम्राज्यवादी विस्तार के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए रूस के इशारे के रूप में देखा जाना चाहिए। इस संबंध में यूक्रेन के घटनाक्रम पर रूस की प्रतिक्रिया अपनी तरह की पहली नहीं है। रूस ने यूक्रेन में अतीत में भी राजनीतिक और सैन्य रूप से हस्तक्षेप किया था। वह नहीं चाहता कि नाटो के कारण उसकी सीमाओं पर कोई खतरा हो। यदि हम रूस के प्रतिशोध के इतिहास में जाते हैं, तो रूस समर्थक उम्मीदवार विक्टर यानुकोविच के चुनाव में धांधली के आरोपों के बाद, यूक्रेन में 2004 के चुनावों में फिर से चुनाव हुए, और 2005 के चुनाव में विक्टर युशचेंको के सत्ता में आने के बाद, उन्होंने वादा किया नाटो और यूरोपीय समुदाय में शामिल होने के लिए यूक्रेन को रूसी प्रभुत्व से बाहर निकालना। 2008 में, नाटो ने यूक्रेन को अपने पाले में लेने का वादा किया था। लेकिन 2010 में, रूसी समर्थक विक्टर यानुकोविच ने एक बार फिर राष्ट्रपति पद जीता और यूक्रेन के काला सागर बंदरगाह के पट्टे को रूसी नौसेना के लिए बढ़ा दिया।

2017 में, यूरोपीय समुदाय के साथ यूक्रेन के आर्थिक संबंध एक बार फिर से बढ़ने लगे। कई उतार-चढ़ावों के बाद, 2019 में चुने गए यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने जनवरी 2021 में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन से यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनने की अनुमति देने की अपील की। 2021 के मध्य में रूसी सेना यूक्रेन की सीमाओं पर पहुंच गई, लेकिन यूक्रेन ने फिर भी रूस की इच्छा के विरुद्ध कार्य करना जारी रखा। 7 दिसंबर, 2021 को बाइडेन ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी। तब से, नाटो और अमेरिका ने रूस के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाना जारी रखा है। रूस को यूरोपीय समुदाय के देशों, इंग्लैंड और अमेरिका से लगातार खतरा था। इन खतरों को नजरअंदाज करते हुए, रूस ने इस युद्ध में न केवल सैन्य बल्कि कूटनीतिक रूप से भी अपनी जीत देखी।

उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ समय से रूस और चीन के बीच आपसी सहयोग बढ़ा है। अमेरिका जानता है कि रूस और चीन के बीच अब तक की समझ कूटनीतिक और आर्थिक मुद्दों तक ही सीमित है। अमेरिका कभी नहीं चाहेगा कि वह सैन्य सहयोग की दिशा में आगे बढ़ने के लिए इसे प्रज्वलित करे। इसलिए यूक्रेन के प्रति अमेरिका का असहयोग उसकी आशंका को दर्शाता है। जहां तक अमेरिका, यूरोपीय समुदाय और यूके द्वारा यूक्रेन पर आर्थिक प्रतिबंधों का संबंध है, इससे रूस को कोई खास फर्क नहीं पड़ने वाला है, बल्कि, यह संभव है कि प्रतिबंध लगाने वाले देशों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

आप की बात

शांति में सहभागी हों सभी

धर्म की स्थापना के लिए सतयुग, द्वापर, एवं त्रेता युग में ही युद्ध लड़े जाते थे। वे भी अंतिम विकल्प के रूप में। कलियुग में तो युद्ध आपसी ईगो के टकराव, जर, जोरू, जमीन, प्रभुत्व प्रदर्शन एवं साम्राज्य के विस्तार हेतु ही लड़े जाते रहे हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में भी चीन और पाकिस्तान ने हम पर युद्ध थोपे हैं। वर्तमान में भी रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध उन देशों सहित दुनिया के लिए भी परेशानी का सबब बना हुआ है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अपना दायित्व निभाते हुए भारत की नीति के अनुसार व्लादीमीर पुतिन से चर्चा कर युद्ध को रोकने की मांग दोहराई है। विश्व में शांति की बहाली के इच्छुक सभी देशों को उनके इस मिशन में सहभागिता निभाना चाहिए। रूस यूक्रेन विवाद के कारण पूरी दुनिया का वैश्विक परिदृश्य बदला हुआ है। पश्चिम के अधिकांश देश जहां यूक्रेन का समर्थन कर रहे हैं वही भारत को तटस्थता की नीति अपनाना पड़ रही है क्योंकि रूस के साथ भारत के पुराने सामरिक, कूटनीतिक और आर्थिक संबंध रहे हैं। कोई भी युद्ध हो उस से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पूरी दुनिया के हालात प्रभावित होते हैं। ताजातरीन रूस एवं यूक्रेन के वार से भी यही स्थिति निर्मित हो रही है।

– **ललित महालकरी**, इंदौर

ऐसी सुनवाई का क्या लाभ?

वैसे निर्दोष भारतीयों को अपनी सीमा में पकड़ कर उनको अपराधी बताने का काम पाक सरकार द्वारा बखूबी अंजाम दिया जाता रहा है। दबाव बढ़ने पर मामला न्यायालय तक जाता भी है मगर उसकी प्रक्रिया शुरू करने में इतना लंबा समय गुजर जाता है कि निर्दोष भी आस छोड़ देता है। भारत सरकार के प्रयास जब तक रंग लाते हैं समय काफी जाया हो चुका होता है। पूर्व नौसैनिक अधिकारी जाधव के मामले में भी ऐसा ही कुछ हो रहा है। लंबे समय से पाक जेल में पूर्व सैनिक अधिकारी कुलभूषण जाधव बंद हैं। उन्हें जासूसी जैसे अनर्गल आरोप लगाकर जेल में बंद रखा गया है। जाधव के लिए भारत सरकार ने तमाम दांव पेंच लगा लिए मगर इमरान प्रशासन के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। अब काफी समय के बाद उनके लिए वकील नियुक्त करने की भारत सरकार से बात कही गई है। अब मामला क्या है और सुनवाई कौन करेगा यह सब जानते हैं मगर न्याय के नाम पर पाक सरकार का ढोंग मुद्दे के मुल से भटकाने का प्रयास है। इस बात की क्या गारंटी की भारत द्वारा नियुक्त वकील की दलीलें वहां की न्यायालय मान ही लेगी और यादव को बरी कर देगी? भारत सरकार को इस मामले में कूटनीति से काम लेकर जाधव को ससम्मान देश वापस लाना चाहिए।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

अवसरवादी विपक्ष

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। समूचे संसार मे अगर लोकतंत्र पर बात होती है तो भारत का उदाहरण अवश्य दिया जाता है और सभी जानते हैं कि लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही के साथ साथ विपक्ष की भूमिका भी अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है लेकिन आजकल के राजनीतिक परिदृश्य में अगर देखा जाए तो ऐसा कहना गलत नही होगा कि विपक्ष अपनी जिम्मेदारी सही से नही निभा रहा है। ऐसा लगता है कि जैसे विपक्ष का काम सिर्फ और सिर्फ सरकार की आलोचना करना मात्र रह गया है। रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध की वजह से हमारे हजारो छात्रों को परेशानी हुई और सरकार अपनी तरफ से भरपूर कोशिश कर रही है कि जल्द से जल्द सभी छात्रों को सुरक्षित निकाला जाए लेकिन ऐसे गंभीर विषय पर भी जिस प्रकार से विपक्ष ने अपनी जिम्मेदारी निभाई और सरकार को कटघरे में खड़ा किया है इससे यह कहने में संकोच नही होगा कि विपक्ष सिर्फ सरकार को नीचा दिखाने का अवसर ढूंढने में ही मस्त रहने लगा है।

– **नागेंद्र**, मेरठ

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

बुनियादी ढांचे की दक्षता में सुधार करने में गतिशक्ति की प्रमुख भूमिका है।

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

अमेरिका ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर रूसी वित्तीय प्रणाली के खिलाफ कार्रवाई की है।

– **एंटोनी ब्लिंकेन**
अमेरिकी विदेश सचिव

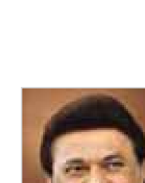

भारतीय संघ को विभाजनकारी ताकतों से बड़ा खतरा है। हमें साथ आने की जरूरत है।

– **एम के स्टालिन**
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री

दागियों के साथ धनकुबेरों की भी होगी परीक्षा

● आजमगढ़ से काशी तक आज 613 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में होगा बंद

सतीश सिंह। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का आखिरी रण सोमवार को होगा। इस रण में आजमगढ़ से लेकर काशी तक के मतदाता मैदान में उतरे 613 उम्मीदवारों का भाग्य लिखेंगे। इनमें बाहुबली से लेकर धनकुबेर भी शामिल हैं। नौ जिलों आजमगढ़, मऊ, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, भदोही तथा सोनभद्र की 54 सीटों पर होने वाले मतदान में 2.06 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। सातवें चरण में 54 में से 35 यानी 65 फीसद संवेदनशील निर्वाचन क्षेत्र है, जहाँ 3 या उससे अधिक उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किये है। आखिरी चरण में 75 यानी 12 फीसद महिला उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। सातवें चरण में पूर्वांचल के आजमगढ़ से वाराणसी तक बीजेपी और सपा के साथ-साथ उनके सहयोगी दलों की असल परीक्षा इसी चरण में होनी है तो वहीं पर बसपा भी अपनी जीत को लेकर मैदान में डटी हुई है। जबकि कांग्रेस को चमत्कार की जरूरत है। यूपी में सत्ता के लिहाज से यह चरण सबसे अहम है। जिसके चलते बीजेपी से लेकर सपा, बसपा और कांग्रेस ने अपनी-अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। 2017 के विधानसभा चुनाव में सातवें चरण इन 54 सीटों में से बीजेपी और उसके सहयोगियों ने 36 सीटें जीती थीं, जिनमें बीजेपी को 29, अपना दल (सोनेलाल) को 4 और सुभासपा को 3 सीटें मिली थी। वहीं, सपा ने 11 सीटें, बसपा ने 6 सीटें और निषाद पार्टी ने एक सीट जीती थी। कांग्रेस खाता नहीं खोल सकी थी। हालांकि, इस बार ओम प्रकाश राजभर ने बीजेपी से नाता तोड़कर सपा के साथ हाथ मिला लिया है तो निषाद पार्टी ने बीजेपी से गठबंधन कर रखा है।

सातवें चरण में 28 फीसदी उम्मीदवार दागी, भदोही के विजय मिश्रा अव्वल

एडीआर के चेयरपर्सन प्रो त्रिलोचन शास्त्री के मुताबिक उम्मीदवारों द्वारा घोषित आपराधिक मामले 607 में से 170 यानी 28 फीसद उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किये है। वहीं गंभीर आपराधिक मामले 131 यानी 22 फीसद है। सातवें चरण में उम्मीदवारों द्वारा घोषित आपराधिक मामलों में पहले स्थान पर प्रगतिशील मानव समाज पार्टी से विजय मिश्रा हैं जो भदोही के ज्ञानपुर विधानसभा सीट से उम्मीदवार हैं। मिश्रा के ऊपर 24 मामले दर्ज हैं। दूसरे स्थान पर गाजीपुर जनपद के गाजीपुर विधान सभा सीट से बहुजन समाज पार्टी के राज कुमार सिंह गौतम हैं जिनके ऊपर 11 मामले और तीसरे स्थान पर कांग्रेस के वाराणसी पिंडर विधानसभा क्षेत्र से अजय है जिनके ऊपर 17 मामले दर्ज है।

57 फीसद उम्मीदवार स्नातक

सातवें चरण में 214 यानी 35 फीसद उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता 5वीं और 12वीं के बीच घोषित की है। जबकि 346 यानी 57 फीसद उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता स्नातक और इससे ज्यादा घोषित की हैं। 10 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता डिप्लोमा धारक घोषित की हैं वहीं 30 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता साक्षर और 4 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता असाक्षर घोषित की है। 3 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता घोषित नहीं की है।

36 फीसद धनकुबेर मैदान में, एमआईएमआईएम के गुड्डू जमाली सबसे ज्यादा धनी

करोड़पति उम्मीदवारों कि बात करे तो 607 में से 217 यानी 36 फीसद सातवें चरण में करोड़पति उम्मीदवार है। करोड़पति उम्मीदवार दलवार की बात करे तो बीजेपी के 47 में से 40 यानी 85 फीसद समाजवादी पार्टी के 45 में से 37 यानी 82 फीसद बसपा के 52 में से 41 यानी 79 फीसद कांग्रेस के 54 में से 22 यानी 41 फीसद और 47 में से 15 यानी 32 फीसद आप पार्टी के उम्मीदवार करोड़पति हैं। सबसे ज्यादा संपत्ति घोषित करने वाले शीर्ष 3 उम्मीदवारों में से पहले स्थान पर एआईएमआईएम के जनपद आजमगढ़ के मुबारकपुर विधानसभा से उम्मीदवार गुड्डू जमाली है जिन्होने अपनी संपत्ति 195 करोड़ बतायी है। दूसरे स्थान पर जनपद वाराणसी के पिंडर विधानसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी के बाबूलाल है जिनकी संपत्ति 44 करोड़ हैं। वहीं तीसरे स्थान पर बहुजन समाज पार्टी के जनपद आजमगढ़ के निज़ामाबाद विधानसभा सीट से पियूष कुमार सिंह है जिन्होने अपनी संपत्ति 34 करोड़ बतायी है।

यूपी की तकदीर बदलने के लिए बसपा की आयरन सरकार बनाना जरूरी : मायावती

भाषा। लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को कहा कि राज्य की तकदीर बदलने के लिए बसपा की सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की आयरन सरकार बनाना जरूरी है। मायावती ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि यूपी के नौ जिलों की 54 विधानसभा सीटों पर कल (सोमवार को) सातवें एवं अन्तिम चरण के मतदान में यहाँ गरीबी और बेरोजगारी के सताए हुए उपेक्षित लोग अपने वोट की ताकत से अपनी तकदीर तथा प्रदेश की तस्वीर बदलने का काम कर सकते हैं, जिसके लिए बसपा की सर्वजन हिताय एवं सर्वजन सुखाय की आयरन सरकार बनानी जरूरी है। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, 'यह जग-जाहिर है कि विरोधी पार्टियों के किस्म-किस्म के लुभावने वादे और आश्वासन सभी घोर वादाखिलाफी साबित हुई है। इनकी सरकारों में उत्तर प्रदेश के लोगों के हालात संभलने एवं वादे के मुताबिक अच्छे दिन लाने के बजाय लगातार बिगड़ती गई है। इसीलिए अब इनके बहकावे में नहीं आना ही होशियारी है। मायावती ने इसी श्रृंखला के अगले ट्वीट में कहा कि विरोधी पार्टियों ने धनबल तथा साम, दाम, दण्ड, भेद आदि सभी प्रकार के हथकण्डों को अपनाकर उत्तर प्रदेश चुनाव को अपने पक्ष में करने का खूब जतन किया, लेकिन जानलेवा महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, सरकार की निरंकुशता एवं आवारा पशु आदि से पीड़ित जनता अपने बुनियादी मुद्दों पर डटी रही है।

मेरठ में सपा विधायक व उनके समर्थक दूरबीन से कर रहे ईवीएम की निगरानी

भाषा। मेरठ

लगता है कि समाजवादी पार्टी ने भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत की मतगणना स्थल की निगरानी करने की नसीहत को गंभीरता से लेते हुए उस पर अमल करना शुरु कर दिया है। मेरठ में हस्तिनापुर विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी और पूर्व विधायक योगेश वर्मा और उनके समर्थकों ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की निगरानी कर शुरू कर दिया है। योगेश वर्मा रविवार को खुली जीप से दूरबीन लेकर कृषि विश्वविद्यालय पहुंचे। मीडिया ने जब उनसे विश्वविद्यालय आने की वजह जानी चाही तो उन्होंने टिकैत का नाम तो नहीं लिया, लेकिन कहा कि भाजपा वाले कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादवजी के निर्देश पर ईवीएम मशीनों की निगरानी करने आए हैं। बता दें कि हाल ही में राकेश टिकैत ने मतगणना के दौरान गड़बड़ी की आशंका जताते हुए किसानों से आह्वान किया था कि किसान दो दिन की छुट्टी लेकर मतगणना स्थल की निगरानी करें। मेरठ में सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय में तीन विधानसभा चुनावों की मतगणना 10 मार्च को होनी है। पूर्व विधायक ने कहा कि हम दूरबीन से ईवीएम मशीनों की निगरानी कर रहे हैं। एक सवाल के जवाब में योगेश वर्मा ने कहा कि हस्तिनापुर विधानसभा क्षेत्र से जो चुनाव जीतता है, उत्तर प्रदेश में उसकी सरकार बनती है। इसलिए हमारा दायित्व है कि हम ईवीएम मशीनों की निगरानी करें। उन्होंने बताया कि यहां कार्यकर्ताओं की आठ-आठ घंटे की ड्यूटी लगाई गई है।

चाय पर चर्चा ने बढ़ाई कुल्हड़ की मांग

भाषा। वाराणसी

राजनीति को लेकर चाय पर चर्चा के लिए मशहूर बनारस में सियासी पारा चढ़ने के साथ कुल्हड़ की मांग भी बढ़ गई है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के तहत सोमवार को वाराणसी समेत नौ जिलों की 54 विधानसभा सीट पर मतदान होगा। बनारस में चाय पर चर्चा का दौर बढ़ने साथ ही चाय की दुकानों और खोमचों पर लोगों की भीड़ भी बढ़ गई है। इसकी वजह से चाय विक्रेताओं के साथ-साथ कुल्हड़ निर्माताओं की आमदनी भी बढ़ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनारसी शग़ल दिखाते हुए शुक्रवार को बनारस के पप्पू चाय वाले की दुकान पर कुल्हड़ में चाय की चुस्कियां ली थीं। शुक्रवार शाम काशी विश्वनाथ धाम से लौटते वक्त मोदी का काफिला अस्सी इलाके में पप्पू चाय वाले की दुकान पर रुका था, जहां उन्होंने कुल्हड़ में चाय पी थी। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान काशी हिंदू विश्वविद्यालय के नजदीक स्थित इस चाय की दुकान पर प्रधानमंत्री का इंतजार कर रहे थे। चाय पीने के दौरान गले में भगवा गमछा डाले प्रधानमंत्री ने कुछ स्थानीय लोगों से बातचीत भी की थी। प्रधानमंत्री के इस अंदाज में बनारस की चाय पर राजनीतिक चर्चा के मिजाज की झलक नजर आई। बहरहाल, चाय पर बढ़ती चर्चा ने बनारस के कुल्हड़ निर्माताओं की आमदनी बढ़ा दी है जिसकी खुशी उनके चेहरे पर साफ देखी जा सकती है। पहाड़ी गांव के निवासी कुम्हार बाबू प्रजापति ने कहा कि पिछले एक महीने के दौरान उनके कुल्हड़ों की बिक्री दोगुनी हो गई है। उन्होंने कहा कि पहले जहां 5000 कुल्हड़ बिकते थे, वहीं अब लगभग 10,000 कुल्हड़ों की बिक्री हो रही है। फुलवरिया गांव निवासी अतुल प्रजापति ने भी बताया कि चुनाव के दौरान उनकी कुल्हड़ की बिक्री बढ़ गई है। महमूरगंज के एक चाय विक्रेता ने बताया कि बढ़ती मांग की वजह से उन्हें सही कुल्हड़ नहीं मिल पा रहे हैं और उनकी दुकान पर दिनभर चाय पीने वालों की भीड़ लगी रहती है। कुल्हड़ विक्रेता कल्लू प्रजापति ने बताया कि हाल के दिनों में कुल्हड़ की बिक्री में करीब 80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और मांग को पूरा करने के लिए कुल्ड़ह निर्माताओं ने अब हाथ से कुल्हड़ बनाने के बजाय इसे बनाने की मशीन लगा ली है। वाराणसी के आसपास स्थित भट्टी, लोट्टा और शिवपुर कुल्हड़ निर्माण के केंद्र माने जाते हैं।

संसद का दायरा राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों पर चर्चा के बजाय स्थानीय मुद्दों तक सिमटा : मनीष तिवारी

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने विभिन्न सरकारों पर राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर विचार विमर्श को लेकर अनिच्छुक होने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि संसद का दायरा अपने निर्वाचन क्षेत्र स्तर के ऐसे स्थानीय मुद्दों को उठाने वाले सांसदों तक सिमटता जा रहा है जो नगर निकायों और राज्य विधानसभाओं के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। तिवारी ने जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (जेएलएफ) में अपनी नवीनतम पुस्तक 10 फ्लैशपॉइंट्स, 20 इयर्स: द नेशनल सिक्योरिटी सिचुएशंस दैट इम्पैक्ट इंडिया पर आयोजित एक सत्र के दौरान अपने संबोधन में भारत-चीन सीमा गतिरोध का उल्लेख किया और कहा कि इस मुद्दे पर लगभग 21 महीने बाद भी संसद में एक बार चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सरकार के स्तर पर आश्चर्यजनक रूप से अनिच्छा दिखती है और जब मैं सरकार के बारे में बात करता हूं तो मैं सामान्यत: प्रशासन से परे राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर एक सार्थक चर्चा के विषय में बात करता हूं। उन्होंने कहा, ... दुर्भाग्य से संसद बेहद अहम, चुनौतीपूर्ण मुद्दों जिनका भारत सामना करता है, उनके विचार-विमर्श के मंच या नीति निर्माण का मंच होने के बजाय निर्वाचन क्षेत्र-स्तर के ऐसे मुद्दों को उठाने वाले लोगों तक सिमट गई है, जो नगर निकायों और राज्य विधानसभाओं के अधीन होते हैं। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि विदेश मंत्रालय, रक्षा या गृह मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों की स्थाई समितियों में कुछ मुद्दों पर चर्चा हो सकती हैं। उन्होंने कहा, कई ऐसे विषय हैं जो एक तरह से वर्जित विषय बन गए हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी किसी भी चीज को पवित्र की तरह देखा जाता है।

अपनी बात के समर्थन में, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने साझा किया कि कैसे चीन के साथ देश की सीमा की स्थिति पर सितंबर 2020 से उनके द्वारा पूछे गए 43 प्रश्नों को राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर अस्वीकार कर दिया गया। देश की विदेश नीति और चीन एवं पाकिस्तान के साथ प्रतिकूल संबंधों के बारे में बात करते हुए 56 वर्षीय कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत को अपने आंतरिक विकास और आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों को पार करने के लिए अपनी सीमा में तीन दशकों तक शांति की आवश्यकता है। जेएलएफ का 15वां संस्करण नौ मार्च तक ऑनलाइन और 10 से 14 मार्च तक जयपुर में होटल क्लार्क्स आमेर के नए स्थल पर आयोजित किया जाएगा। इस साल के साहित्यिक उत्सव में तुर्की के चर्चित उपन्यासकार एलिफ शफाक, 2021 में बुकर पुरस्कार विजेता डेमन गलगुट, ऑस्ट्रेलियाई लेखक और 2003 के बुकर विजेता डीबीसी पियरे, हॉलीवुड अभिनेता-लेखक रूपर्ट एवरेट और जमैका के प्रख्यात कवि केई मिलर समेत 250 लेखक भाग ले रहे हैं।

काशी विश्वनाथ मंदिर में शीश नवाने में जुटे नेता और अधिकारी

भाषा। वाराणसी

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की लड़ाई अंतिम चरण में पहुंचने के साथ सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के नेता बाबा भोलेनाथ की कृपा हासिल करने के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर में शीश नवाने में जुटे हैं। वाराणसी समेत प्रदेश के नौ जिलों में सोमवार यानी सात मार्च को विधानसभा चुनाव का सातवें और अंतिम चरण का मतदान होगा। इस चरण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई प्रमुख दलों के वरिष्ठ नेताओं ने बनारस में ही डेरा डाल दिया और पिछले कुछ दिनों से काशी विश्वनाथ मंदिर में नेताओं का आवागमन काफी बढ़ गया है। गत शुक्रवार को बाबा भोलेनाथ के इस दरबार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, उनके सांसद भाई राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने दर्शन किए। काशी विश्वनाथ मंदिर को देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सातवें और अंतिम चरण का प्रचार अभियान समाप्त होने से ठीक पहले अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में रोड शो करने के बाद काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। मंदिर के सूत्रों के मुताबिक, मोदी ने षोडशोपचार शिव पूजा की। मोदी से कुछ ही घंटे पहले राहुल और प्रियंका ने काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन किया। इससे पहले केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी बाबा भोलेनाथ के दर्शन किए। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी पीछे नहीं रहे और वह शुक्रवार रात रोड शो करने के बाद भोलेनाथ का आशीर्वाद लेने के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बनारस आने के बाद बुधवार को काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचीं और पूजा-अर्चना की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कुछ दिन पहले इस मंदिर में भोलेनाथ के दर्शन किए थे। मंदिर के सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार रात काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, अश्विनी चौबे और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत बड़ी संख्या में अन्य नेता भी काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। काशी विश्वनाथ मंदिर के सूत्रों ने बताया कि इन प्रमुख वीआईपी लोगों के अलावा बड़ी संख्या में राज्य और केंद्र सरकार के अन्य मंत्रियों का भी मंदिर में तांता लगा है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारी भी बाबा भोलेनाथ के दर्शन करने पहुंच रहे हैं।

असम में माजुली विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए तैयारियां पूरी

भाषा। माजुली

असम विधानसभा की माजुली सीट पर सोमवार को होने वाले उपचुनाव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस सीट पर कुल 1,33,227 मतदाताओं के अपने मताधिकार का प्रयोग करने की संभावना है। इस उपचुनाव में जिन प्रत्याशियों की किस्मत दांव पर लगी है उनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भुबन गाम, विपक्ष के संयुक्त प्रत्याशी और असम जातीय परिषद (अजाप) के चितरंजन बासुमतारी और एसयूसीआई (सी) के भैती रिचॉन्ग शामिल हैं। इस उपचुनाव के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार किया गया और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा स्वयं पार्टी प्रत्याशी के प्रचार के लिए आए जबकि विपक्ष दलों में कांग्रेस के असम प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा, रायजोर दल के अध्यक्ष अखिल गोगोई और अजाप के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने बासुमतारी के लिए समर्थन मांगा। कांग्रेस ने इस सीट से चुनाव नहीं लड़ने और सीट अजाप के लिए छोड़ने का फैसला किया। विधानसभा चुनाव में इस सीट से पूर्व मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल निर्वाचित हुए थे लेकिन केंद्र में जहाजरानी, बंदरगाह और आयुष मंत्री बनने के बाद रिक्त हुई इस सीट पर उपचुनाव कराना आवश्यक हो गया था। एक अधिकारी ने बताया कि असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने स्वतंत्र, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने की तैयारियां पूरी कर ली है। कानून व्यवस्था और कोविड-19 प्रोटोकॉल पर नजर रखने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए विधानसभा क्षेत्र के सभी 203 मतदान केंद्रों में वेबकास्ट की व्यवस्था की गई है। इनमें से 164 मुख्य और 39 सहायक मतदान केंद्र हैं तथा 812 चुनाव कर्मियों को तैनात किया गया है। अधिकारी ने बताया कि प्रतएक मतदान केंद्र पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल को तैनात किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पुणे मेट्रो रेल परियोजना का किया उद्घाटन

● कहा, सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में सुधार पर ध्यान केंद्रित कर रही है हमारी सरकार

भाषा। पुणे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के पुणे शहर में एक मेट्रो रेल परियोजना का उद्घाटन करने के बाद रविवार को कहा कि केंद्र सरकार मेट्रो रेल समेत सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पुणे मेट्रो परियोजना की कुल लागत 11,400 करोड़ रुपए से अधिक है। प्रधानमंत्री ने 24 दिसंबर, 2016 को इस परियोजना की आधारशिला रखी थी। मोदी ने शहर में विभिन्न विकास परियोजनाओं की नींव रखने और उनका उद्घाटन करने के बाद यहां एमआईटी कॉलेज मैदान में एक जनसभा में कहा, आज मुझे विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करने और उनकी आधारशिला रखने का अवसर मिला। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे पुणे मेट्रो की आधारशिला रखने का अवसर मिला था और आज आपने इस परियोजना के उद्घाटन के लिए मुझे आमंत्रित किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, इससे पहले (पूर्ववर्ती सरकारों में) परियोजना की आधारशिला तो रखी जाती थी, लेकिन यह पता नहीं चलता था कि उस परियोजना का उद्घाटन कब हुआ। उन्होंने कहा कि पुणे मेट्रो परियोजना का उद्घाटन यह संदेश देता है कि परियोजनाओं को समय पर पूरा किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से मेट्रो से यात्रा करने की अपील की। मोदी ने कहा कि तेजी से शहरीकरण हो रहा है और 2030 तक देश की शहरी आबादी 60 करोड़ से अधिक हो जाएगी। उन्होंने कहा, शहरों की बढ़ती आबादी से कई अवसर पैदा होते हैं, लेकिन साथ ही कई चुनौतियां भी खड़ी होती हैं। शहरों में पुल एक सीमित संख्या में बनाए जा सकते हैं। बढ़ती आबादी के साथ कितने पुल बनाए जा सकते हैं और हम सड़कों का चौड़ीकरण कैसे करेंगे? मोदी ने कहा, ऐसे में हमारे पास एकमात्र विकल्प सार्वजनिक परिवहन है और इसीलिए हमारी सरकार सार्वजनिक परिवहन एवं मेट्रो रेल कनेक्टिविटी में सुधार को महत्व दे रही है। उन्होंने कहा कि इससे पहले दिल्ली और एक या दो अन्य शहरों में मेट्रो ट्रेन थीं, लेकिन अब देश के दो दर्जन से अधिक शहरों में मेट्रो नेटवर्क विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन से पहले पुणे मेट्रो रेल परियोजना का उद्घाटन किया और एक काउंटर से स्वयं टिकट खरीदकर ट्रेन में यात्रा की। मोदी ने कुल 32.2 किलोमीटर लंबी परियोजना के 12 किलोमीटर के हिस्से का गरवारे मेट्रो स्टेशन पर उद्घाटन किया और इस स्टेशन से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित आनंदनगर स्टेशन तक मेट्रो की यात्रा की। मोदी ने 10 मिनट की इस यात्रा के दौरान मेट्रो के डिब्बे में मौजूद दृष्टिहीन लोगों समेत दिव्यांगजनों से बातचीत की। गरवारे स्टेशन से मेट्रो ट्रेन में सवार होने से पहले मोदी ने वहां लगाई गई एक परियोजना प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया। मेट्रो परियोजना के 12 किलोमीटर लंबे मार्ग में दो मेट्रो लाइन पर गरवारे कॉलेज से वनाज (पांच किमी) तक और पिंपरी चिंचवाड़ नगर निकाय से फुगेवाड़ी (सात किमी) तक प्राथमिकता वाले दो खंड शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया

पुणे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुणे महानगरपालिका परिसर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का रविवार को अनावरण किया। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि यह प्रतिमा 1,850 किलोग्राम गनमेटल से बनी है और इसकी लंबाई लगभग 9.5 फुट है। पुणे के महापौर मुरलीधर मोहोल ने यहां महानगरपालिका मुख्यालय में मोदी का अभिवादन किया और उन्हें विशेष रूप से तैयार की गई महाराष्ट्र की पारंपरिक टोपी फेटा भेंट की। मोदी ने नगर निकाय मुख्यालय में समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पहले, महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, राज्य के कैबिनेट मंत्री एवं शिवसेना के वरिष्ठ नेता सुभाष देसाई, विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस और भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने यहां लोहेगांव अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मोदी का स्वागत किया। मोदी ने पुणे दौरे के दौरान कुल 32.2 किलोमीटर लंबी मेट्रो रेल परियोजना के 12 किलोमीटर के हिस्से का गरवारे मेट्रो स्टेशन पर उद्घाटन किया और इस स्टेशन से आनंदनगर स्टेशन तक मेट्रो की यात्रा की। पुणे मेट्रो परियोजना की कुल लागत 11,400 करोड़ रुपए से अधिक है। प्रधानमंत्री ने 24 दिसंबर, 2016 को इस परियोजना की आधारशिला रखी थी।

पुणे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पुणे मेट्रो परियोजना के उद्घाटन अवसर पर अन्य नेताओं के साथ

जम्मू कश्मीर में ओबीसी को शीघ्र ही अपने अधिकार मिलेंगे: रवींद्र रैना

जम्मू। नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस पर पिछले सात दशकों से अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी) को वंचित रखने का आरोप लगाते हुए भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख रवींद्र रैना ने रविवार को कहा कि मोदी सरकार बहुत जल्द ही उन्हें उनके वैध अधिकार प्रदान करने जा रही है। इस केंद्रशासित प्रदेश की मुख्य धारा के दलों के गठजोड़ गुपकर घोषणापत्र गठबंधन (पीएजीडी) पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि हाल में उनकी ओर से जारी किए गए श्वेतपत्र पर कोई विश्वास नहीं कर रहा है और यह गठबंधन लोगों के सामने बेनकाब हो गया है। पिछले सात दशकों में ज्यादातर समय नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर पर शासन किया और ओबीसी के अधिकारों की परवाह किए बगैर उन्हें वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया.....मैं आश्वासन देता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह बहुत जल्द ही ओबीसी को उनके वैध अधिकार देने जा रहे हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्रदत्त विशेष दर्जे के बहाने विभिन्न समुदायों को उनके अधिकारों से वंचित रखने का जमाना लद गया है। उसने (पीएजीडी) ने हाल में एक श्वेतपत्र जारी किया, लेकिन उसने अपने कई दशक के शासन के दौरान ओबीसी, गुर्जरों, बक्करवालों, पहाड़ियों, गड्डियों, सिप्पियों, पश्चिम पाकिस्तान के शरणार्थियों, पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के बाशिंदों, वाल्मीकि समाज, गोरखाओं, कश्मीरी पंडितों, सिखों एवं महिलाओं को अधिकार नहीं देने के बारे में कुछ नहीं कहा।

ऑपरेशन गंगा की सफलता का श्रेय भारत के बढ़ते प्रभाव को: नरेंद्र मोदी

भाषा। पुणे (महाराष्ट्र)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युद्ध ग्रस्त यूक्रेन से अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए चलाए गए ऑपरेशन गंगा की सफलता का श्रेय वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते प्रभाव को दिया है। सिम्बायसिस विवि और उसके आरोग्य धाम की स्वर्ण जयंती समारोह के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम ऑपरेशन गंगा के तहत युद्ध ग्रस्त क्षेत्र में फंसे हजारों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा, यह भारत के बढ़ते प्रभाव का असर है कि हम यूक्रेन के युद्ध ग्रस्त इलाकों से हजारों छात्रों को घर लाने में सफल रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बड़े-बड़े देशों को भी अपने लोगों को वहां से निकालने में दिक्कत हो रही है। भारत सरकार द्वारा शनिवार को जारी बयान के अनुसार, यूक्रेन में बढ़ते संकट के मद्देनजर, भारत सरकार ने ऑपरेशन गंगा के तहत युद्ध ग्रस्त देश में फंसे 13,700 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है।

यह अभियान पिछले सप्ताह शुरू हुआ था। पुणे में रविवार को छात्रों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी पीढ़ी भाग्यवान है कि उसे बचाव और परतंत्रता के मनोविज्ञान की मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ रहा है। अगर देश यह बदलाव देख रहा है तो इसका पूरा श्रेय युवाओं को जाता है। देश पहले जिन क्षेत्रों में अपने कदम बढ़ाने की भी नहीं सोच सकता था आज उनमें दुनिया में अग्रणी है। प्रधानमंत्री ने मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण तथा रक्षा क्षेत्र का उदाहरण भी दिया।

रक्षा के क्षेत्र में, हम यह मानने लगे थे कि लोग हमें जो देंगे हम सिर्फ उसी के आधार पर कुछ कर सकते हैं। लेकिन आज चीजें बदल गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अब रक्षा क्षेत्र में निर्यातक बन गया है। दो रक्षा गलियारे बन रहे हैं जहां आधुनिक हथियारों का निर्माण होगा और वह देश की सुरक्षा जरूरतों को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा, मोबाइल निर्माण के क्षेत्र में भारत दूसरे स्थान पर है।

सात साल पहले, देश में मोबाइल बनाने वाली सिर्फ दो कंपनियां थीं। आज इस क्षेत्र में 200 से ज्यादा विनिर्माण इकाइयां हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सॉफ्टवेयर उद्योग से लेकर स्वास्थ्य के क्षेत्र तक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक वाहनों तक तमाम नए क्षेत्र खुल रहे हैं। भौगोलिक सूचना प्रणाली के क्षेत्र में सुधार हो रहा है, ड्रोन से लेकर सेमीकंडक्टर और अंतरिक्ष के क्षेत्र में चीजें बेहतर हो रही हैं। इन सुधारों से युवाओं के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की सरकार को युवाओं की क्षमता पर पूरा विश्वास है और इसलिए ज्यादातर सेक्टरों का उदारीकरण किया गया है।

वयस्कों में बूस्टर खुराक के तौर पर कोवोवैक्स के तीसरे चरण के परीक्षण की अनुमति की सिफारिश

नई दिल्ली। भारत के केंद्रीय औषधि प्राधिकार की एक विशेषज्ञ समिति ने वयस्कों में बूस्टर खुराक के रूप में कोविड-19 रोधी टीके कोवोवैक्स के चरण-3 के क्लीनिकल परीक्षण करने की अनुमति देने की सिफारिश की है। भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने 28 दिसंबर को वयस्कों में आपात स्थिति में सीमित उपयोग के लिए कोवोवैक्स को स्वीकृति दी थी। इसे अभी देश के टीकाकरण अभियान में शामिल नहीं किया गया है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की कोविड-19 पर विषय विशेषज्ञ समिति ने शुक्रवार को बूस्टर खुराक के रूप में एकल-खुराक कोविड-19 रोधी टीके स्पुतनिक लाइट के चरण -3 के क्लीनिकल परीक्षण करने की अनुमति देने की सिफारिश की थी। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (एसआईआई) में सरकार और नियामक मामलों के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने फरवरी में डीसीजीआई को एक अर्जी दी थी जिसमें कोवोवैक्स की सुरक्षा और प्रतिरक्षात्मकता का मूल्यांकन करने के लिए उन लोगों को बूस्टर खुराक देकर इसके चरण-3 के नियंत्रित अध्ययन के लिए मंजूरी मांगी थी, जिन्होंने कम से कम तीन महीने पहले कोवीशील्ड या कोवैक्सीन का टीका लगाया हो। सिंह ने कहा है कि कई देश कोविड-19 महामारी की अनिश्चितताओं को देखते हुए पहले से ही अपने नागरिकों को बूस्टर खुराक दे रहे हैं। सिंह ने अर्जी में कहा, हमें यकीन है कि इस क्लीनिकल परीक्षण के संचालन के लिए आपकी मंजूरी हमारे प्रधानमंत्री के मेकिंग इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड के दृष्टिकोण के अनुरूप हमारे देश के साथ-साथ दुनिया के लोगों के लिए बूस्टर खुराक के उपयोग के लिए कोवोवैक्स की शीघ्र उपलब्धता सुनिश्चित करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कांस्टेबल की बर्खास्तगी पर मुहर लगाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक कांस्टेबल की बर्खास्तगी से संबंधित आदेश को यह कहते हुए बरकरार रखा कि इस बल की प्रकृति को देखते हुए ईमानदारी, अनुशासन एवं परस्पर विश्वास सर्वोपरि है। गश्त ड्यूटी के दौरान यह कांस्टेबल सोता हुआ पाया गया था और जब उसे इस बात के लिए एक अधिकारी ने डांटा था तब उसने उसपर कथित रूप से हमला कर दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि जब कदाचार का आरोप साबित हो जाता है तो सजा की मात्रा निर्णय लेने वाले प्राधिकार के विवेक पर निर्भर करती है और यह उसके अधिकार क्षेत्र में आता है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की खंडपीठ ने कहा, ऐसी विवेकाधीन शक्तियों में तभी न्यायिक हस्तक्षेप किया जाता है जब उनका गलती के मुकाबले अत्याधिक इस्तेमाल किया गया हो , क्योंकि संवैधानिक अदालतें न्यायिक समीक्षा की शक्ति का इस्तेमाल करते हुए अपीलीय प्राधिकरण की भूमिका नहीं अपना सकती हैं। शीर्ष अदालत ने केंद्र एवं अन्य की अपील पर यह फैसला सुनाया। अपीलकर्ताओं ने ओडिशा उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के जनवरी 2018 के फैसले को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने बर्खास्तगी की सजा को दरकिनार करने के एकल पीठ के फैसले पर मुहर लगाई थी। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि सुनाई गई सजा की मात्रा के गुण-दोष पर अदालतें तब तक हस्तक्षेप नही कर सकती हैं जब तक सजा सुनाने में विवेक का इस्तेमाल इस भावना के बिल्कुल विपरीत हो कि यह बिल्कुल गैर आनुपातिक है। शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि यह व्यक्ति केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल का कांस्टेबल है और यह अंतरिक्ष विभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग जैसे रणनीतिक महत्व के प्रतिष्ठानों एवं भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मूलाधार प्रतिष्ठानों के परिसरों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए जिम्मेदार विशेष पुलिस बल है। शीर्ष अदालत ने 24 फरवरी को अपने फैसले में कहा, इस अपीलकर्ता बल की प्रकृति को देखते हुए ईमानदारी, अनुशासन एवं परस्पर विश्वास सर्वोपरि है। उसने कहा कि जब मामला, जांच करने और फटकार लगाने वाले अधिकारी पर हिंसा और हमले का हो तो कोई उदारता या छूट नहीं दी जा सकती। शीर्ष अदालत ने कहा कि उक्त कांस्टेबल 2000 में तीन और चार जनवरी की रात को कनिहा में राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम संयंत्र के दो वाच टावरों के बीच गश्ती के लिए पाली ड्यूटी में था और उसे एक अधिकारी ने सोते हुए पाया था।

कोलकाता में पश्चिम बंगाल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी अनीस खान हत्या काण्ड को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए।

जिम्मेदारियों से भागने वाले नेता बंगाल भाजपा नेतृत्व पर सवाल उठा रहे: घोष

कोलकाता। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने रविवार को कहा कि वरिष्ठ नेताओं का एक वर्ग जो अतीत में जिम्मेदारियों से भाग चुके हैं, वे हाल में हुए निकाय चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन के लिए राज्य के नेतृत्व पर दोषारोपण कर रहे हैं। घोष का बयान ऐसे समय आया है, जब भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी और प्रदेश इकाई के अन्य नेताओं ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल भाजपा को तृणमूल कांग्रेस पर चुनावी धांधली करने का आरोप लगाने की बजाय आत्मचिंतन करना चाहिए और निकाय चुनावों तथा उपचुनावों में भगवा दल के खराब प्रदर्शन के कारणों का पता लगाना चाहिए। घोष ने किसी का नाम लिए बिना संवाददाताओं से कहा, टिप्पणी करना आसान काम होता है। चुनाव के दौरान जिन्होंने जनता के बीच जाकर काम नहीं किया और अपनी जिम्मेदारियों से भाग गए, वे ऐसे बयान दे रहे हैं और पार्टी पर दोषारोपण कर रहे हैं।

कांग्रेस, राकांपा ने मोदी के पुणे दौरे का विरोध किया

पुणे। कांग्रेस और राकांपा ने महाराष्ट्र के पुणे में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जो यहां विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और अनावरण करने के लिए आए थे। मोदी के यहां पहुंचने से पहले, स्थानीय कांग्रेस और राकांपा नेता सुबह अलका टॉकीज चौक के पास और शहर के अन्य इलाकों में काले झंडे और तख्तियां लिए सड़कों पर उतर आए, जिन पर मोदी वापस जाओ लिखा हुआ था। पुणे शहर कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष रमेश बागवे ने दावा किया कि मोदी ने संसद में यह कहकर महाराष्ट्र का "अपमान" किया था कि राज्य ने अन्य राज्यों में कोविड-19 के प्रसार को बढ़ावा दिया।

हम प्रधानमंत्री मोदी से माफी की मांग करते हैं, नहीं तो उन्हें वापस चले जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि मोदी अधूरी परियोजनाओं का उद्घाटन कर रहे हैं और पुणे के लोगों को धोखा दे रहे हैं। विशेष रूप से, राकांपा प्रमुख शरद पवार ने भी शनिवार को कहा था कि प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन की जाने वाली मेट्रो रेल सेवा का काम अधूरा है। युद्ध प्रभावित यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को बचाने पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता को रेखांकित किया था। रविवार को स्थानीय राकांपा नेताओं ने भी काले कपड़े पहनकर शहर के कुछ हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया। पुणे राकांपा अध्यक्ष प्रशांत जगताप ने कहा कि मोदी मेट्रो रेल परियोजना का उद्घाटन कर रहे हैं जो अधूरी है। जब भारतीय छात्रों को युद्धग्रस्त यूक्रेन से बचाया जाना था तो प्रधानमंत्री मोदी चुनाव प्रचार (अन्य चुनावी राज्यों में) में व्यस्त थे। अन्य देशों ने पिछले एक-डेढ़ महीने में चरणबद्ध तरीके से अपने नागरिकों को यूक्रेन से निकाला। जगताप ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की हालिया टिप्पणी का भी विरोध किया कि समर्थ रामदास मराठा योद्धा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज के गुरु थे।

जम्मू-कश्मीर में 15 साल बाद एक बार फिर से तरल विस्फोटकों की वापसी

श्रीनगर, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद के इतिहास में 15 साल बाद ऐसा प्रतीत हो रहा है कि तरल विस्फोटक की वापसी हुई है। हाल ही में जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर पाकिस्तान की ओर से आए ड्रोन ने तीन बोतल सफेद पदार्थ गिराए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने हाल ही में जम्मू में मीडिया से संवाद करते हुए कुछ रासायनिक विस्फोटक मिलने के संकेत दिए थे, जिन्हें जांच के लिए फॉरेंसिक प्रयोगशाला भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच से संकेत मिला है कि यह ट्रीनिट्रोटोल्यूनि (टीएनटी) या नाइट्रोग्लिसरीन हो सकता है, जिसे आमतौर पर डायनामाइट में इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन अंतिम रिपोर्ट का इंतजार है। उन्होंने बताया कि पिछले महीने 24 फरवरी को पाकिस्तान की ओर से आए ड्रोन से गिराई गई खेप में एक-एक लीटर की तीन बोतलों में सफेद रंग का पदार्थ मिला है। अधिकारियों ने बताया कि गहन तलाशी के बाद पुलिस ने इम्प्रोवाइस्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईडी), हथियार और गोला बारूद एवं डिटोनेटर के साथ ए तीन बोतलें बरामद की।

यह खेप संभवत: आतंकवादी घटनाओं के लिए तस्करी करके कश्मीर ले जाने या जम्मू के भीड़भाड़ वाले बाजार में इस्तेमाल करने के लिए लाई गई थी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान से संचालित आतंकवादी समूहों के निशाने पर जम्मू है और ए आतंकी समूह यहां सांप्रदायिक संघर्ष पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अभी तक जम्मू-कश्मीर पुलिस ने ऐसी चार कोशिशें नाकाम की है। अधिकारियों ने इस संभावना से इनकार नहीं किया है कि इस तरह के विस्फोटक कश्मीर घाटी में ड्रोन के जरिए गिराए गए हों। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक आतंकवादी ऐसे विस्फोटक पहुंचाने में संभवत: सफल हो चुके हैं।

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई प्रतिबंधित संगठनों, जैसे- लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिदीन को रणनीतिक मदद करती है और एजेंसी ने इन संगठनों की मदद के लिए ड्रोन के जरिए हथियारों को भेजने का रास्ता अपनाया है। आतंकवादियों ने तरल विस्फोटक का इस्तेमाल वर्ष 2007 में दक्षिण कश्मीर में किया था, लेकिन उसके बाद से करीब एक दशक तक जम्मू-कश्मीर में इसका इस्तेमाल नहीं देखा गया है। खुफिया सूचनाओं से संकेत मिले हैं कि पाकिस्तान से संचालित आतंकवादी समूह अब तरल विस्फोटक का इस्तेमाल करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक, यह बड़ा खतरा है क्योंकि इन विस्फोटकों का पता पारंपरिक जांच या खोजी कुत्तों द्वारा नहीं लगाया जा सकता है।

देश में कोरोना के 5,476 नए मामले सामने आए, 158 की मौत

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 5,476 नए मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,29,62,953 हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या गिरकर 59,442 रह गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के रविवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे के दौरान 158 मरीजों की मौत हुई है, जिन्हें मिलाकर अब तक 5,15,036 लोगों की इस महामारी से मौत हो चुकी है। देश में पिछले 28 दिन से संक्रमण के दैनिक मामले एक लाख से कम रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि देश में अभी 59,442 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0.14 प्रतिशत है, मरीजों के ठीक होने की दर 98.65 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में संक्रमण के मामलों में 4,436 की कमी आई है। इसके मुताबिक, अब तक 4,23,88,475 लोग संक्रमणमुक्त हो चुके हैं जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है।

देश में अब तक कोविड-19 रोधी टीके की 178.83 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। मंत्रालय ने बताया कि लोगों के संक्रमित पाए जाने की दैनिक दर 0.60 प्रतिशत और साप्ताहिक संक्रमण दर 0.77 प्रतिशत है। मंत्रालय ने बताया कि अब तक देश में संक्रमण से 5,15,036 लोगों की मौत हुई है, जिनमें महाराष्ट्र में 1,43,737, केरल में 66,136, कर्नाटक में 39,988, तमिलनाडु में 38,012, दिल्ली में 26,134, उत्तर प्रदेश में 23,475 और पश्चिम बंगाल में 21,178 लोगों की मौत हुई।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अब तक जिन लोगों की कोरोना वायरस संक्रमण से मौत हुई है, उनमें से 70 प्रतिशत से अधिक मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं।

मण्डी में महाशिवरात्रि उत्सव के बाद पारंपरिक डोली निकालते हुए श्रद्धालु।

यूक्रेन संकट के बीच एलआईसी के आईपीओ को टाल सकती है सरकार

भाषा। नई दिल्ली

बाजार विशेषज्ञों ने रविवार को कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच सरकार एलआईसी की प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) को अगले वित्त वर्ष के लिए टाल सकती है, क्योंकि मौजूदा हालात में निर्गम को लेकर फंड प्रबंधकों की दिलचस्पी कम हुई है।सरकार इसी महीने जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में पांच फीसदी हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही थी, जिससे सरकारी खजाने को लगभग 60,000 करोड़ रुपए मिलने का अनुमान था। इस आईपीओ से चालू वित्त वर्ष के लिए 78,000 करोड़ रुपए के विनिवेश लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलने की भी उम्मीद थी।आशिका समूह के खुदरा इक्विटी शोध प्रमुख अरिजीत मालाकार ने कहा, रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष के चलते मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य वैश्विक इक्विटी बाजारों पर दबाव डाल रहा है। भारतीय बाजार भी इस पर नकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की है और अब तक अपने उच्चतम स्तर से लगभग 11 प्रतिशत टूट चुका है।

उन्होंने कहा, ऐसे में बाजार की मौजूदा अस्थिरता एलआईसी के आईपीओ के लिए अनुकूल नहीं है और सरकार इस निर्गम को अगले वित्त वर्ष के लिए टाल सकती है। रिसर्च इक्विटीमास्टर की सह-प्रमुख तनुश्री बनर्जी ने कहा कि बाजार की कमजोर धारणा एलआईसी आईपीओ के लिए निराशाजनक है। ऐसे में इस आईपीओ के स्थगित होने की आशंका है। अपसाइड एआई के सह-संस्थापक अतनु अग्रवाल ने कहा कि व्यापक अनिश्चितता की स्थिति में उभरते बाजारों में हमेशा बिकवाली देखने को मिलती है। इसका मतलब है कि घरेलू बाजारों में नकदी कम हो रही है। ट्रेडस्मार्ट के अध्यक्ष विजय सिंघानिया ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए सरकार के लिए आईपीओ को कुछ महीनों के लिए टालना कोई बड़ी बात नहीं है. हालांकि इससे वित्त वर्ष 2021-22 के बजट आंकड़े कुछ बिगड़ जाएंगे।

उसेन बोल्ट की ईवी फर्म के साथ राम चरण कंपनी का करार

मुंबई। चेन्नई स्थित नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की राम चरण कंपनी ने पूर्व ओलंपिक चैंपियन उसेन बोल्ट के उद्यम बोल्ट मोबिलिटी के साथ साझेदारी की घोषणा की है। छोटे इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर केंद्रित कंपनी बोल्ट मोबिलिटी परिवहन के टिकाऊ विकल्प मुहैया कराने के लिए नगरीय निकायों एवं शिक्षण संस्थाओं के साथ काम कर रही है। राम चरण कंपनी के निदेशक कौशिक पालिचा ने रविवार को बोल्ट मोबिलिटी के साथ करार की जानकारी देते हुए कहा, हमारा निवेश प्रौद्योगिकी साझेदारी के रूप में अधिक है, लेकिन निश्चित रूप से इसमें इक्विटी निवेश भी है। हमारे इक्विटी निवेश के ब्योरे की जानकारी खुद उसेन बोल्ट जल्द ही देंगे। उन्होंने कहा कि समझौते के तहत उनके समूह की कंपनी - इंडो जापान पॉलिमर्स - बोल्ट वाहनों के लिए चार्जर और सुपर-चार्जर का विनिर्माण और आपूर्ति करेगी।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में लैवेंडर की खेती को दिया जाएगा बढ़ावा

भाषा। भद्रवाह

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में एक जिला, एक उत्पाद योजना के तहत लैवेंडर की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा जिसके लिए सरकार, सेना और अन्य संस्थान आगे आए हैं। केंद्र सरकार ने लैवेंडर को डोडा ब्रांड उत्पाद का दर्जा दिया है। इससे एरोमा मिशन के तहत इसकी उपज से जुड़े कृषि स्टार्ट-अप, उद्यमियों और किसानों को प्रोत्साहन मिलेगा। स्टार्टअप को मदद देने के लिए भद्रवाह स्थित राष्ट्रीय राइफल्स की इकाई ने द्राधु गांव में लैवेंडर नर्सरी को प्रायोजित किया है। हर बस्ती कस्बे में लैवेंडर के सह-उत्पादों की इकाई को पूरी तरह से वित्त पोषित किया गया है जहां महिलाकर्मियों को इस पौधे से साबुन, अगरबत्ती, परफ्यूम, हैंडवॉश और रूम फ्रेशनर बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है।भद्रवाह स्थित राष्ट्रीय राइफल्स इकाई के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल रजत परमार ने पीटीआई-भाषा से कहा, औषधीय गुणों से भरपूर और सुगंधित पौधों से भरा यह क्षेत्र नए, युवा, नवोन्मेषी उद्यमियों के लिए अवसरों की खान है। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन (सीएसआईआर-आईआईआईएम) जम्मू ने एक जिला, एक उत्पाद पहल के तहत किसानों को आठ लाख पौधे वितरित किए हैं। सितंबर तक भद्रवाह में 50 लाख अतिरिक्त पौधों के रोपण का लक्ष्य रखा गया है। नोडल वैज्ञानिक सीएसआईआर अरोमा मिशन, सुमित गैरोला ने कहा, अगले दो से तीन वर्ष में हमें उत्पादन पांच गुना बढ़ने की आशा है जिससे कृषि उद्यमी तैयार होंगे और यह लैवेंडर को डोडा के ब्रांड के रूप में स्थापित करने में मददगार होगा।

क्विक न्यूज

यूक्रेन संकट का आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंकाः एमपीसी सदस्य

नई दिल्ली । मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सद्स्य जयंत आर वर्मा ने रविवार को कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच छिड़े संघर्ष का आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है लिहाजा नीति निर्माताओं को सतर्क रहने और उभरती परिस्थितियों को लेकर तेजी से कदम उठाने की जरूरत है। मशहूर अर्थशास्त्री डॉ वर्मा ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा कि मुद्रास्फीति निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले अधिक है। हालांकि अभी यह वहनीय सीमा के दायरे मे है।भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौतियों का जिक्र करते हुए वर्मा ने कहा कि अर्थव्यवस्था अभी तक तीन साल पहले शुरू हुई चक्रीय आर्थिक मंदी से उबर नही पाई है। उन्होंने कहा कि इस अवधि मे निवेश कम रहा है और निजी खपत महामारी से पूरी तरह उबर नही पाई है। भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद मे वित्त और लेखा विधि के प्रोफेसर वर्मा ने कहा, अर्थव्यवस्था भू-राजनीतिक तनावो से पैदा होने वाले नए दबावो का सामना कर रही है।

आईएसएस फैसिलिटी भारत में दो साल में 25,000को देगी रोजगार

नई दिल्ली। डेनमार्क के आईएसएस समूह की अनुषंगी आईएसएस फैसिलिटी सर्विसेज इंडिया की योजना अगले दो वर्ष मे करीब 25,000 लोगो की नियुक्ति करने और अपने कारोबार का विस्तार करके वर्ष 2025 तक अपना राजस्व दोगुना कर 2,500 करोड़ रुपए पहुंचाने की है। आईएसएस कार्यस्थल अनुभव एवं सुविधा प्रबंधन कंपनी है और दुनियाभर मे उसके 3,50,000 से अधिक कर्मचारी है। 2021 मे आईएसएस समूह का वैश्विक राजस्व 71 अरब दानिश क्रोन था। कंपनी ने वर्ष 2005 मे भारत मे कदम रखा था।आईएसएस फैसिलिटी सर्विसेज इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकार एवं कंट्री मैनेजर अक्ष रोहतगी ने कहा, भारत मे हमारे पास 800 से अधिक ग्राहक, 4,500 से अधिक स्थल और 50,000 से अधिक कर्मचारी है।

भारत ने महामारी मे ई-कॉमर्स की भूमिका पर डब्ल्यूटीओ में चर्चा का सुझाव दिया

नई दिल्ली। भारत ने कोविड-19 महामारी के दौरान ई-कॉमर्स की भूमिका पर चर्चा के लिए विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) मे एक बैठक बुलाने का सुझाव दिया है। डब्ल्यूटीओ मे भारत के राजदूत ब्रजेंद्र नवनीत द्वारा 23-24 फरवरी को आयोजित महासभा की बैठक मे दिए गए एक बयान मे इसका उल्लेख किया गया। इस बयान के अनुसार कई सदस्यों ने इस बारे मे बात की कि कैसे ई-कॉमर्स ने महामारी के चलते लागू किए गए लॉकडाउन के दौरान उनकी अर्थव्यवस्थाओ को मदद पहुंचाई।बयान के मुताबिक, नवनीत ने कहा, भारत महामारी के दौरान ई-कॉमर्स की भूमिका पर चर्चा करने का सुझाव देता है। हर देश के सकारात्मक उदाहरण हो सकते है। लेकिन, क्या अंतरराष्ट्रीय ई-कॉमर्स ने एक बड़ी भूमिका निभाई? विशेष रूप से सीमा-पार व्यापार के संबंध मे सदस्यों के अनुभवो को सुनकर अच्छा लगेगा। उन्होने सुझाव दिया कि इस एजेंडा को महासभा की प्रत्एक बैठक के लिए एक स्थाई एजेंडा के रूप मे अपनाया जाना चाहिए।

एचएंडएम इंडिया ने लॉन्च किया एचएंडएम होम

मुम्बई। एचएंडएम इंडिया ने आज भारतीय बाजार में एचएंडएम होम का लॉन्च कियाए जो डिजिटल स्टोर एचएम डॉट कॉम और ई.कॉमर्स प्लेटफॉर्म मिंत्रा पर उपलब्ध होगा। एवलिना क्रावेव.सोडरबर्गए हैड ऑफडिज़ाइन एण्ड क्रिएटिवए एचएंडएम होम ने कहा भारत में इस लॉन्च को लेकर हम बेहद उत्साहित हैं। एचएंडएम होम के माध्यम से हम हर व्यक्ति को उनकी पसंद के अनुसार शानदार और बेहतरीन डिज़ाइन के प्रोडक्ट उपलब्ध कराना चाहते हैंए ताकि वे अपने अंदाज़ में अपने घर को सजा सकें। हमें खुशी है कि हम भारत के इंटीरियर प्रेमियों के लिए एचएंडएम होम का कलेक्शन उपलब्ध कराने जा रहे हैं।

ईजटैप ने दो वर्षों में राजस्व पांच गुना बढ़ाने का लक्ष्य रखा

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी ईजटैप ने वर्ष 2024 तक अपने राजस्व को पांच गुना वृद्धि के साथ 750 करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी बाएस नैम्बिसन ने एक साक्षात्कार में कहा कि अंतरराष्ट्रीय विस्तार और मर्चेंट आधार में वृद्धि होने से कंपनी को अपने राजस्व में तीव्र वृद्धि की उम्मीद है। उन्होने कहा कि ईजटैप अपनी वृद्धि को रफ्तार देने के लिए अगले कुछ महीनों में करीब 450 करोड़ रुपए जुटाने की भी योजना बना रही है जिसमें से 260 करोड़ रुपए प्राथमिक बाजार से जुटाए जाएंगे। नैम्बिसन ने कहा, ईजटैप की नजर वर्ष 2024 तक 750 करोड़ रुपए के राजस्व तक पहुंचने पर है। हम दिसंबर 2021 तक करीब 150 करोड़ रुपए के राजस्व आधार पर पहुंच चुके हैं। हमारा करीब 95 प्रतिशत राजस्व भारत से ही आता है लेकिन 2024 तक इसकी हिस्सेदारी को 80 प्रतिशत पर लाने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री मंगलवार को बजट पर वेबिनार को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बजट 2022-23 में वृद्धि को गति देने के तरीकों पर मंगलवार को आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करेंगे। वित्त मंत्रालय ने रविवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री वृद्धि को वित्तपोषण और आकांक्षावान अर्थव्यवस्था विषय पर आयोजित इस वेबिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। इसमें केंद्र सरकार के 16 मंत्रालयों के अलावा नीति आयोग, क्षमता निर्माण आयोग और राज्य सरकारों के प्रतिनिधि भी शिरकत करेंगे। यह वेबिनार वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में की गई घोषणाओं पर आयोजित किए जा रहे विभिन्न आयोजनों का एक हिस्सा है। इस वेबिनार के जरिए विभिन्न क्षेत्रों के लिए घोषित कदमों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए कारगर रणनीति की पहचान और बजट घोषणाओं पर सार्वजनिक-निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा।

बंगाल के ईंट भट्ठा मालिक जीएसटी दर बढ़ाने के विरोध में करेंगे प्रदर्शन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में ईंट भट्ठा मालिकों के संगठन ने कहा है कि निर्माण सामग्री की बिक्री पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में प्रस्तावित वृद्धि एक अप्रैल से लागू होने पर संकट से गुजर रहे लघु पैमाने के इस ग्रामीण कुटीर उद्योग की कई इकाइयां बंद हो जाएंगी। अखिल भारतीय ईंट एवं टाइल निर्माता संघ के बैनर तले बंगाल ईंट भट्ठा मालिक संगठन के सदस्य जीएसटी में वृद्धि के खिलाफ नई दिल्ली में आठ मार्च को जंतर मंतर के सामने प्रदर्शन करेंगे और इस प्रस्ताव को तुरंत वापस लेने की मांग करेंगे। संघ ने अपने एक बयान में कहा, लाल ईंट की बिक्री पर लगने वाले जीएसटी में वृद्धि के केंद्र सरकार के प्रस्ताव को एक अप्रैल से लागू किया जाता है तो यह उद्योग ठप हो जाएगा।

जीएसटी परिषद निचली कर दर में वृद्धि और स्लैब को तर्कसंगत बनाने पर कर सकती है विचार

भाषा। नई दिल्ली

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की शीर्ष नीति-निर्धारक इकाई जीएसटी परिषद की अगली बैठक में सबसे निचली कर दर को पांच प्रतिशत से बढ़ाकर आठ प्रतिशत करने पर विचार कर सकती है। इसके अलावा राजस्व बढ़ाने और क्षतिपूर्ति के लिए केंद्र पर राज्यों की निर्भरता खत्म करने के लिए जीएसटी प्रणाली में छूट वाले उत्पादों की सूची में भी काट-छांट की जा सकती है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्यों के वित्त मंत्रियों की एक समिति जीएसटी परिषद को इस माह के अंत तक अपनी रिपोर्ट सौंप सकती है जिसमें सबसे निचले कर स्लैब को बढ़ाने और स्लैब को तर्कसंगत बनाने जैसे कई कदमों के सुझाव दिए जाएंगे।अभी जीएसटी में चार-स्तरीय कर ढांचा है जिसमें कर की दर पांच फीसदी, 12, 18 और 28 फीसदी है। आवश्यक वस्तुओं को या तो इस कर से छूट प्राप्त है या फिर उन्हें सबसे निचले स्लैब में रखा जाता है जबकि लग्जरी वस्तुओं को सबसे ऊपरी कर स्लैब में रखा जाता है।

सूत्रों के मुताबिक मंत्री समूह कर की दर पांच फीसदी से बढ़ाकर आठ फीसदी करने का प्रस्ताव रख सकता है जिससे सालाना 1.50 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। निचले स्लैब में एक फीसदी की वृद्धि करने पर सालाना 50,000 करोड़ रुपए का राजस्व लाभ होगा, इस स्लैब में पैकेटबंद खाद्य पदार्थ आते हैं।कर प्रणाली को तर्कसंगत बनाने के लिए मंत्री समूह इसका ढांचा तीन स्तरीय करने पर भी विचार कर रहा है जिसमें कर की दर आठ, 18 और 28 फीसदी रखी जा सकती है। अगर यह प्रस्ताव मंजूर हो जाता है तो 12 फीसदी के दायरे में आने वाले सभी उत्पाद एवं सेवाएं 18 फीसदी के स्लैब में आ जाएंगी।इसके अलावा मंत्री समूह जीएसटी से छूट प्राप्त वस्तुओं की संख्या कम करने का भी प्रस्ताव देगा।

अभी बिना ब्रांड वाले और बिना पैकेज वाले खाद्य पदार्थ और डेयरी वस्तुएं जीएसटी के दायरे से बाहर हैं।सूत्रों ने बताया कि जीएसटी परिषद की बैठक इस महीने के अंत में या अगले महीने की शुरुआत में हो सकती है। इसमें मंत्री समूह की रिपोर्ट पर चर्चा की जाएगी।

विनिवेश राजस्व लक्ष्य से पीछे रह जाने की आशंका गहराई

भाषा। नई दिल्ली

भारत अपने संशोधित विनिवेश लक्ष्य को हासिल करने से पिछले आठ वर्षों में दूसरी बार बड़े अंतर से चूकने वाला है। सार्वजनिक बीमा कंपनी एलआईसी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से 60,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना खटाई में पड़ने से इसकी आशंका है।

चालू वित्त वर्ष में विनिवेश से 78,000 करोड़ रुपए जुटाने का संशोधित लक्ष्य रखा गया है। सरकार अब तक इनमें से सिर्फ 12,400 करोड़ रुपए ही जुटा पाई है। इनमें से 2,700 करोड़ रुपए एअर इंडिया की बिक्री और एक्सिस बैंक में हिस्सेदारी बिक्री से 3,994 करोड़ रुपए मिले हैं। वित्त वर्ष का अंतिम महीना शुरू हो जाने और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के आईपीओ के भी इस महीने आने को लेकर असमंजस हो जाने से विनिवेश राजस्व का लक्ष्य हासिल हो पाने की संभावना काफी कम दिख रही है।

इसके पहले वित्त वर्ष 2019-20 में भी मोदी सरकार 65,000 करोड़ रुपए के संशोधित विनिवेश लक्ष्य को पाने से चूक गई थी। उस साल सरकार सिर्फ 50,304 करोड़ रुपए ही जुटा पाई थी।दरअसल रूस और यूक्रेन के बीच सैन्य संकट गहराने से शेयर बाजारों में मची उथलपुथल को देखते हुए सरकार एलआईसी के आईपीओ को मार्च से आगे बढ़ाने की संभावना तलाशने लगी है। ऐसा होने पर विनिवेश लक्ष्य अधूरा रह जाएगा।यूक्रेन पर रूस का हमला शुरू होने के बाद से शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है। सरकार इस बात को लेकर फिक्रमंद है कि आईपीओ अगर ऐसी स्थिति में लाया जाता है तो उसे निवेशकों का उतना अनुकूल समर्थन शायद न मिले। इससे सरकार को अपनी हिस्सेदारी बिक्री से मिलने वाली राशि उम्मीद से कम रह सकती है। वर्ष 2014 में सत्ता में आने के बाद के बाद से सरकार के लिए विनिवेश लक्ष्य से चूकने का यह दूसरा मौका होगा। वर्ष 2015-16 में उसने 25,313 करोड़ रुपए के संशोधित अनुमान की तुलना में 42,132 करोड़ रुपए जुटाए थे। इसी तरह 2016-17 में उसने एक लाख करोड़ रुपए से अधिक विनिवेश राजस्व जुटाकर रिकॉर्ड ही बना दिया था।

बीते सप्ताह आवक बढ़ने से सरसों में गिरावट

- अन्य तेल-तिलहनों की कीमतों में सुधार

भाषा। नई दिल्ली

विदेशी बाजारों में तेजी के बीच आयातित तेलों के भाव में रिकॉर्ड तेजी आने से बीते सप्ताह देशभर के तेल-तिलहन बाजारों में सरसों तेल तिलहन छोड़कर लगभग सभी तेल-तिलहनों के भाव सुधार दर्शाते बंद हुए। सरसों के नई फसल की आवक बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन की कीमतों में गिरावट देखने को मिली।

बाजार सूत्रों ने कहा कि भारत अपने खाद्यतेल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगभग 60 प्रतिशत भाग का आयात करता है। यूक्रेन और रूस के बीच बढ़ते भूराजनीतिक तनावों के कारण अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं के अलावा खाद्यतेलों की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका से इन तेलों के दाम मजबूत हुए हैं। उल्लेखनीय है कि विदेशी तेलों के दाम पहले ही आसमान छू रहे हैं। कच्चा पाम तेल और पामोलीन तेलों के भाव रिकॉर्ड स्तर पर जा पहुंचे हैं और देशी तेलों में जिस सरसों का दाम बाकी तेलों से लगभग 30-40 रुपए किलो अधिक रहा करता था अब उन आयातित तेलों के मुकाबले सरसों का दाम लगभग 5-7 रुपए किलो नीचे हो गया है। सीपीओ और पामोलीन जैसे आयातित तेलों के दाम आसमान छू रहे हैं और दिलचस्प यह है कि इसके लिवाल भी कम हैं। ऐसी स्थिति में कौन इन तेलों का आयात करने का जोखिम मोल लेगा जब घरेलू तेल आयातित तेलों से सस्ते हों। सूत्रों ने कहा कि उत्तर भारत में तो सरसों की अधिक खपत होती है लेकिन तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र और गुजरात में सूरमुखी, सोयाबीन, बिनौला, मूंगफली जैसे अन्य तेलों की अधिक खपत है। सरसों तो उत्तर भारत की जरुरतों को कुछ हद तक पूरा कर सकता है पर युद्ध बढ़ने के बीच सूरजमुखी और सोयाबीन डीगम जैसे बाकी खाद्य तेलों का आयात प्रभावित हो सकता है।

उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से सहकारी संस्था- हाफेड और नेफेड को बाजार भाव पर सरसों की खरीद कर इसका स्टॉक बनाने की ओर ध्यान देना चाहिए जो मुश्किल के दिनों में हमारे लिए मददगार हो सके। जब आयातित तेलों के भाव महंगे हों तो ऐसी स्थिति में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर तो सरसों का मिलना मुश्किल ही है। सरकार को गरीबों के समर्थन के मकसद को पूरा करने के लिए शुल्क कमी जैसे रास्तों को अपनाने के बजाय सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से निरुपाय जनता को खाद्यतेल उपलब्ध कराना कहीं बेहतर कदम साबित हो सकता है। सूत्रों ने कहा कि शुल्क की घट बढ़ करने के उपाय अभी तक अपेक्षित परिणाम देने में विफल रहे हैं क्योंकि यहां शुल्क कम किया जाता है और उधर विदेशों में उसी अनुपात में खाद्यतेलों के दाम में वृद्धि हो जाती है। इस रास्ते के बजाय अगर सरकार ने किसानों को लाभकारी मूल्य देकर तिलहन उत्पादन बढ़ाने का रास्ता अपनाए तो वह इस समस्या का दीर्घकालिक स्थाई समाधान साबित हो सकता है।

उन्होंने कहा कि निर्यात के लिए पैक बनाने के काम आने वाला क्राफ्ट पेपर (गत्ते) के दाम लगभग पिछले एक साल में लगभग दोगुना हो गए हैं। इनका निर्यात भी किया जा रहा है और इनके महंगा होने से सभी आवश्यक वस्तुओं की लागत में वृद्धि होती है। सरकार को इसके निर्यात को भी रोकने के बारे में सोचना चाहिए क्योंकि इन गत्तों की स्थानीय उपलब्धता कम होने से खाद्य तेलों की भी लागत बढ़ सकती है।

यूक्रेन संघर्ष के बाद ब्रेथवेट ने वैगनों की घरेलू मांग पर दांव लगाया

भाषा। कोलकाता

रेल उपक्रम ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड ने यूक्रेन को।,000 करोड़ रुपए मूल्य के ढुलाई वाहनों की आपूर्ति को लेकर चल रही बातचीत पटरी से उतर जाने के बाद वैगनों की घरेलू मांग पर अपनी उम्मीदें टिकाई हैं। रेल मंत्रालय के तहत आने वाले इस सार्वजनिक उपक्रम की यूक्रेन के साथ 5,400 वैगनों का ऑर्डर हासिल करने के लिए बातचीत चल रही थी।

ब्रेथवेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक यतीश कुमार ने पीटीआई-भाषा से कहा कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद इस निर्यात सौदे को लेकर चल रही बातचीत टूट गई। अगर यह सौदा संपन्न हो जाता तो ब्रेथवेट एंड कंपनी का सबसे बड़ा निर्यात ऑर्डर होता।यतीश ने कहा, प्रस्तावित वार्ता अगर क्रियान्वयन चरण में टूटती तो कंपनी मुश्किल में पड़ सकती थी। हालांकि, घरेलू स्तर पर वैगन की मांग काफी बढ़ गई है और निर्यात ऑर्डर हासिल करने में हुई देरी ने हमें भारतीय आपूर्ति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने कहा कि कंपनी रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) के साथ मिलकर ट्रेन पर ट्रक चढ़ाने-उतारने की अवधारणा पर काम कर रही है।उन्होंने कहा, आरडीएसओ डिजाइन के साथ एक प्रोटोटाइप बनाया गया है और मौजूदा विषम परिस्थितियों ने हमें घरेलू बाजार में अतिरिक्त ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। कुमार ने उम्मीद जताई कि मजबूत घरेलू मांग और ऑर्डर के साथ ब्रेथवेट आय को चार गुना बढ़ाकर 2,500 करोड़ रुपए करने के बारे में आशावादी है।कंपनी ने वित्त वर्ष 2020-21 में 31 करोड़ रुपए के शुद्ध लाभ के साथ 609 करोड़ रुपए की आय दर्ज की थी।

पेज एक का शेष

ऑपरेशन गंगा...

ने कहा कि रोमानिया से 6680 (31 उड़ानें) पोलैंड से 2822 (13 उड़ानें) हंगरी से 5300 (26 उड़ानें) और स्लोवाकिया से 1118 (6 उड़ानें) छात्र भारत पहुंच चुके हैं।

पुतिन की...

के समान हैं। वहीं, यूक्रेन के अधिकारियों ने दावा किया कि रूसी तोपखाने और विमानों ने बमबारी कर लोगों की निकासी के कार्य को बाधित किया जबकि पुतिन ने यूक्रेन पर इस प्रक्रिया को ध्वस्त करने का आरोप लगाया। वहीं, एक असामान्य कदम के तहत पोप फ्रांसिस ने रविवार को कहा कि उन्होंने यूक्रेन के लिए दो कार्डिनल रवाना किए हैं। उन्होंने कहा कि वेटिकन संघर्ष को समाप्त कर शांति लाने के लिए सब कुछ करेगा।

बीएसएफ जवान...

खासा मुख्यालय में सीटी सत्तेप्पा एसके द्वारा की गई फायरिंग में छह बीएसएफ जवान घायल हो गए। इनमें पांच को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया और एक की हालत गंभीर है। बी कॉय 144 बटालियन के कॉन्स्टेबल सेटेप्पा एसके ने रविवार सुबह 9.45 बजे फोर्स के मेस एरिया में अपने साथियों पर कथित तौर पर फायरिंग कर दी। सूत्रों ने कहा कि मेस में मौजूद कुछ अन्य जवानों ने उसे गोली मार दी, कोर्ट ऑफ इंक्वायरी से घटना की हकीकत जानने में मदद मिलेगी। सभी घायलों को अमृतसर के गुरु नानक देव अस्पताल में ले जाया गया था, जहां पांच को मृत घोषित कर दिया गया। इसी तरह की एक घटना में पिछले साल 8 नवंबर को छत्तीसगढ़ के सुकमा में सीआरपीएफ के एक जवान ने अपनी सर्विस एके 47 असॉल्ट राइफल से गोलियां चलाकर चार साथियों को मार डाला था और तीन अन्य को घायल कर दिया था। उसकी पहचान सुकमा के मराइगुडा थाना अंतर्गत 50 बटालियन की सी-कंपनी के कांस्टेबल रितेश रंजन के रूप में हुई है। बाद में रंजन को गिरफ्तार कर लिया गया। वर्ष 2018 से अब तक लगभग 3.25 लाख कर्मियों के मजबूत सीआरपीएफ में कुल 193 आत्महत्याओं की सूचना मिली है, जिसमें 2021 में 52 घटनाएं हुई हैं।

उप्र में...

सांसद धनंजय सिंह मल्हनी जौनपुर की उम्मीदवारी वाली सीट पर भी सातवें चरण में ही वोट डाले जाएंगे। चुनाव प्रचार में सभी दलों ने पूरी ताकत लगा दी है। सत्ता विरोधी लहर को खत्म करने की कोशिश करते हुए भाजपा ने पिछली सपा सरकार के दौरान कथित अवैध वसूली, गुंडाराज, माफिया राज और मुजफ्फरनगर दंगों जैसे मुद्दों पर विपक्ष को घेरने की कोशिश की है। जनवरी में प्रदेश विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद पहले चरण का मतदान 10 फरवरी को हुआ था और सात मार्च को अंतिम एवं सातवें चरण का मतदान समाप्त होने के बाद 10 मार्च को मतगणना होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव प्रचार के तहत आखिरी जनसभा को वाराणसी में संबोधित किया। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव तीसरे चरण की मैनपुरी की करहल सीट पर चुनाव प्रचार के बाद दूसरी बार इसी चरण में जौनपुर जिले की मल्हनी सीट पर सभा को संबोधित करने आए। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी वाराणसी में सपा गठबंधन के उम्मीदवारों का चुनाव प्रचार किया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी एवं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी वाराणसी में कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने इस क्षेत्र में भाजपा गठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार किया।

विदेशी निवेशकों...

तेजी ने कारोबारी धारणा को प्रभावित किया है। इसके अलावा एफपीआई डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोर होती स्थिति को देखते हुए ऋण खंड में भी बिकवाल बने हुए हैं। मॉर्निंगस्टार इंडिया के शोध प्रबंधक एवं एसोसिएट निदेशक हिमांशु श्रीवास्तव का कहना है कि इस पैमाने पर भू-राजनीतिक तनाव पैदा होना भारत जैसी उदीयमान अर्थव्यवस्था के लिए विदेशी मुद्रा प्रवाह के नजरिए से अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय इक्विटी बाजारों के उच्च मूल्यांकन के साथ कंपनियों की आय से जुड़े जोखिम और आर्थिक वृद्धि की सुस्त पड़ती रफ्तार ने विदेशी निवेशकों को भारतीय स्टॉक बाजार में खुलकर निवेश करने से रोकने का काम किया है। कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा,"भारत को छोड़कर अन्य उदीयमान बाजारों में एफपीआई प्रवाह फरवरी के महीने में सकारात्मक रहा। इंडोनेशिया में।,22 करोड़ डॉलर, फिलीपींस में 14.1 करोड़ डॉलर, दक्षिण कोरिया में 41.8 करोड़ डॉलर और थाईलैंड में 193.1 करोड़ डॉलर का एफपीआई निवेश आया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यूक्रेन पर रूस के हमले और उसकी वजह से लगने वाली पाबंदियों के साथ ही मुद्रास्फीति बढ़ने और फेडरल रिजर्व द्वारा नीतिगत ब्याज दर में बढ़ोतरी किए जाने से एफपीआई प्रवाह अस्थिर रहने की आशंका है।

श्रीनगर में...

ब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस हमले की निंदा की है। अब्दुल्ला ने ट्वीट किया, मैं कड़े शब्दों में इस कायराना हमले की निंदा करता हूं। मृतक को जन्नत नसीब हो और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मुफ्ती ने ट्वीट किया, इस हमले की निंदा करती हूं। जम्मू कश्मीर के लोगों की जान जा रही है और दुखद है कि भारत या पाकिस्तान इस संघर्ष और खूनखराबे को समाप्त करने के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं। शोक संतप्त परिजनों के लिए प्रार्थना करती हूं। सज्जाद लोन नीत पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने भी हमले की निंदा की। भारतीय जनता पार्टी की जम्मू कश्मीर इकाई के प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने इस हमले को बर्बरतापूर्ण और कायराना करार दिया। दूसरी ओर जम्मू कश्मीर पुलिस ने रविवार को कहा कि उसने पुलवामा जिले में आतंकवादियों के लिए काम करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया एवं जैश -ए-मोहम्मद के गुट का पर्दाफाश किया। एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा, अवंतिपुरा में पुलिस ने आतंकवाद में सहयोग करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार कर जैश ए मोहम्मद की एक आतंकी टोली का पर्दाफाश किया है। प्रवक्ता ने उनकी पहचान शाहबाद निवासी उमर फारूक डार, मिडूरा निवासी सोराज मंजूर मलिक, मिडोरा के बाशिंदे इरशाद अहमद लोन और शाहबाद के निवासी अफनान जाविद खान के रूप में की है। प्रवक्ता के मुताबिक इन चारों से पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ कि चारों हथियार पहुंचाते थे और वे आतंकवादियों उमाइस उर्फ उस्मान और अब्दुल रहमान उर्फ जाट को आश्रय एवं अन्य जरूरी चीजें मुहैया कराते थे। अब्दुल रहमान विदेशी आतंकवादी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रदूषण प्रमाणपत्र...

उत्सर्जन मानदंडों के अनुसार वाहनों की फिटनेस को प्रमाणित करता है। मसौदा अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि इस अधिसूचना के आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों की समाप्ति पर या उसके बाद दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा मसौदा नीति पर विचार किया जाएगा।

पढ़ाई में...

में विश्वविद्यालयों या कॉलेजों के गठबंधन तथा उनके उन्नयन के लिए बजटीय आवंटन किया गया है। इसमें कॉलेजों के गठबंधन के जरिए उच्चतर शिक्षा के स्तर पर महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों का सकल नामांकन दर बढ़ाने का लक्ष्य बनाया गया है। शिक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने भाषा को बताया कि आज अधिकतर नियोक्ताओं को ऐसे लोगों की तलाश होती है जिनके पास विविध प्रकार के कौशल होते हैं। उन्होंने कहा कि लम्बे समय तक भारत की शिक्षा पद्धति विषयों पर आधारित शिक्षा के सख्त दायरे में बंधी रही, ऐसे में सरकार इन सीमाओं को समाप्त कर छात्रों की रचनात्मकता को बढ़ावा देना चाहती है। मसौदा के अनुसार, सरकार किसी खास क्षेत्र में काम करने वाले छोटे शैक्षणिक संस्थानों को एक साथ लाकर बृहद विश्वविद्यालय तैयार करना चाहती है और इस क्रम में उन संस्थानों की स्वायत्ता बनाई रखी जाएगी।

एफपीआई ने तीन कारोबारी दिनों में की 17,537 करोड़ रुपए की निकासी

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च के सिर्फ तीन कारोबारी दिवसों में ही भारतीय शेयर बाजारों से 17,537 करोड़ रुपए की निकासी कर ली है। यूक्रेन संकट की वजह से पैदा हुई अनिश्चितता और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से कारोबारी धारणा पर पड़े प्रतिकूल असर ने एफपीआई की इस निकासी को रफ्तार देने का काम किया है। जमाकर्ताओं से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने इस महीने के तीन कारोबारी दिवसों में ही इक्विटी से 14,721 करोड़ रुपए, ऋण खंड से 2,808 करोड़ रुपए और हाइब्रिड साधनों से नौ करोड़ रुपए निकाले हैं। इस तरह 2-4 मार्च के दौरान भारतीय बाजारों से कुल 17,537 करोड़ रुपए की निकासी विदेशी निवेशकों ने की। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा,"यूक्रेन और रूस के बीच छिड़ी जंग से उपजी अनिश्चितता और कच्चे तेल के दाम में आई तेजी ने कारोबारी धारणा को प्रभावित किया है। इसके अलावा एफपीआई डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोर होती स्थिति को देखते हुए ऋण खंड में भी बिकवाल बने हुए हैं। मॉर्निंगस्टार इंडिया के शोध प्रबंधक एवं एसोसिएट निदेशक हिमांशु श्रीवास्तव का कहना है कि इस पैमाने पर भू-राजनीतिक तनाव पैदा होना भारत जैसी उदीयमान अर्थव्यवस्था के लिए विदेशी मुद्रा प्रवाह के नजरिए से अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय इक्विटी बाजारों के उच्च मूल्यांकन के साथ कंपनियों की आय से जुड़े जोखिम और आर्थिक वृद्धि की सुस्त पड़ती रफ्तार ने विदेशी निवेशकों को भारतीय स्टॉक बाजार में खुलकर निवेश करने से रोकने का काम किया है। कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा कि भारत को छोड़कर अन्य उदीयमान बाजारों में एफपीआई प्रवाह फरवरी के महीने में सकारात्मक रहा। इंडोनेशिया में 1,22 करोड़ डॉलर, फिलीपींस में 14.1 करोड़ डॉलर, दक्षिण कोरिया में 41.8 करोड़ डॉलर और थाईलैंड में 193.1 करोड़ डॉलर का एफपीआई निवेश आया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यूक्रेन पर रूस के हमले और उसकी वजह से लगने वाली पाबंदियों के साथ ही मुद्रास्फीति बढ़ने और फेडरल रिजर्व द्वारा नीतिगत ब्याज दर में बढ़ोतरी किए जाने से एफपीआई प्रवाह अस्थिर रहने की आशंका है।

शरणार्थी ज्यादातर बच्चों वाली महिलाएंए सीमा पार पर पहुंचने के बाद एक तंबू के अंदर आराम करती हुई , कीव में एक चेकपॉइंट पर यूक्रेनी प्रादेशिक रक्षा बलों लेसिया इवाशेंको और वेलेरी फिलीमोनोव के सदस्यों के लिए शादी समारोह के दौरान एक सैनिक शादी के मुकुट के रूप में एक हेलमेट रखता हुआ

हमले के बाद यूक्रेन में जमीनी हालात

यूक्रेन से अब तक नौ लाख से ज्यादा शरणार्थी पोलैंड पहुंचे

वारसा। पोलैंड की सीमा सुरक्षा एजेंसी ने कहा है कि 24 फरवरी से अब तक यूक्रेन से 9,22,000 शरणार्थी सीमा पार कर देश मे आ चुके है। एजेंसी ने ट्विटर पर कहा कि शनिवार को1,29,000 से ज्यादा लोगों ने पोलैंड मे प्रवेश किया जो एक दिन मे आने वाले शरणार्थियों की सबसे ज्यादा संख्या है। शनिवार आधी रात और रविवार सुबह सात बजे के बीच लगभग 40 हजार लोगों ने पोलैंड मे प्रवेश किया। यूक्रेन से सबसे ज्यादा शरणार्थी पोलैंड आ रहे है। पोलैंड पहुंचने वाले कुछ लोग अन्य देशों मे भी जा रहे हैं।

नस्लवाद की विचलित कर देने वाली खबरें यूक्रेन से आ रही हैं: एनएमएफ

जोहानिसबर्ग। नेल्सन मंडेला फाउंडेशन (एनएमएफ) ने शनिवार को कहा कि रूसी सैन्य अभियान के बाद उत्पन्न यूक्रेन संकट ने भारत समेत उन कई देशों के विद्यार्थियों के विरूद्ध नस्लवाद की विचलित कर देने वाली खबरों को जन्म दिया जो इस युद्ध प्रभावित देश से निकलने का प्रयास कर रहे है। पिछले कुछ दिनों मे अंतरराष्ट्रीय मीडिया मे आई खबरों के अनुसार जब हजारों यूक्रेनवासी देश छोड़कर भाग रहे है तो ऐसे मे भारतीय, दक्षिण अफ्रीकियों, नाईजरियाइयों और अन्य देशों के लोगों को पड़ोसी देश पोलैंड पहुंचने के लिए वाहनों का इस्तेमाल नही करने दिया गया। कुछ लोगों की शिकायत है कि जब उन्होंने भागती भीड़ का हिस्सा बनने का प्रयास किया तब उन्हे केवल उनकी त्वचा के रंग के चलते पीटा गया।

कुलीन वर्गों को अपने शानदार पोतों के लिए सुरक्षित बंदरगाह की तलाश

वाशिंगटन। यूक्रेन पर सैन्य कार्वाई के जवाब में रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के मद्देनजर वहां के कुलीन वर्ग को अपने शानदार पोतो (सुपरयाट) के लिए सुरक्षित बंदरगाह की तलाश है और ऐसे ही पोतों मे दिलबर नामक पोत शामिल है। ऐसा बताया जा रहा है कि इस पोत के मालिक रूसी कुलीन एलिशर उस्मानोव है। दिलबर डेढ़ फुटबॉल मैदान के बराबर बड़ा है। इसमे दो हेलीपैड, 130 लोगों के रहने की व्यवस्था और 25 मीटर का स्वीमिंग पूल है। इस पोत का जलावतरण 2016 मे किया गया था। बताया जा रहा है कि इसके निर्माण में 64.8 करोड़ डॉलर का खर्च आया।

बोस्निया के निवासियों को 1990 की लड़ाई का खौफनाक मंजर याद आया

साराजेवो। यूक्रेन की राजधानी कीव और अन्य शहरो मे रूस द्वारा की जा रही बमबारी की खबरों को देखकर बोस्निया के लोगों को, 1990 के दशक की लड़ाई का खौफनाक मंजर याद आ गया। अमरा मुफ्तिक ने कहा, लंबा समय नही हुआ जब हम भी उनकी तरह थे। उल्लेखनीय है कि युगोस्लाविया के खूनी संघर्ष के दौरान बोस्नियाई सर्ब सैनिको ने वर्ष 1990 की शुरुआत मे साराजेवो को घेर लिया था। इसकी वजह से करीब 3.5 लाख लोग 46 महीनो तक फंसे रहे और रोजाना गोलाबारी और बिजली नही रहने, खाना-पानी और दवाओं की कमी तथा शेष दुनिया से संपर्क कटे रहने का दर्द सहते रहे।

यूक्रेन का सबसे बड़ा कला संग्रहालय कलाकृतियों को बचाने में जुटा

लवीव (यूक्रेन)। यूक्रेन के सबसे बड़े कला संग्रहालय के निदेशक इन दिनो संग्रहित कलाकृतियों की कर्मचारियों से पैकिंग कराने मे जुटे है ताकि रूसी सैनिको के पश्चिमी इलाके मे बढ़त बनाने की स्थिति मे इन्हे उनसे बचाया जा सके। एंड्री शेप्त्स्की नेशनल म्यूजियम के कर्मचारी सावधानी से कलाकृतियो को कार्डबोर्ड के डिब्बों मे रख रहे है। वही कुछ कर्मचारी 18वी सदी की एक विशाल कलाकृति को भी सुरक्षित करने की कोशिश मे जुटे है।

रूसी सैन्य कार्वाई के खिलाफ प्रतिरोध तेज

अहिंसक प्रतिरोध आक्रमकता के खिलाफ प्रभावी रणनीति

भाषा। लॉफबोरो

यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्वाई के खिलाफ प्रतिरोध तेज रहा है। यूक्रेन ही नहीं, दुनिया के अन्य देशों में भी हजारों लोग रूसी आक्रामता के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। यूक्रेन में 18 से 60 साल के पुरुषों को जबरन लामबंद किया जा रहा है। सैकड़ों गैर-यूक्रेनी स्वयंसेवकों से लैस एक अंतरराष्ट्रीय सेना बनाई जा रही है। सैन्य साजो-सामान खरीदने में यूक्रेन की मदद करने के लिए दुनियाभर के लोग पैसे दान कर रहे हैं। पश्चिमी देश हथियार भेज रहे हैं। लेकिन क्या अहिंसक प्रतिरोध एक प्रभावी या बेहतर विकल्प हो सकता है? शांति और अहिंसा के पैरोकारों को अक्सर भोला, खतरनाक या देशद्रोही कायर बताकर, उनका मजाक उड़ाया जाता है। अकादमिक हलकों में भी शांतिवाद को बदनाम या खारिज किया जाता है। बावजूद इसके, शांतिवाद की एक लंबी परंपरा रही है और इसके पैरोकारों में लियो टॉल्स्टॉय के रूप में एक प्रसिद्ध रूसी भी शामिल है। चूंकि, उन्होंने 1880-1910 के आसपास हुई सभी हिंसक घटनाओं की कड़ी निंदा की, लिहाजा इस बात के प्रबल सबूत हैं कि अहिंसक प्रतिरोध हिंसक प्रतिरोध से अधिक प्रभावी है, यहां तक कि तानाशाही के खिलाफ भी। अहिंसक प्रतिरोध से लंबी अवधि में मानवाधिकारों के लिहाज से अधिक सम्मानजनक परिणाम भी सामने आते हैं।

इस संबंध में और शोध किए जाने की जरूरत है, लेकिन हम यह जानते हैं कि अहिंसा नैतिकता का बड़े पैमाने पर रणनीतिक उपयोग करती है। जैसा कि टॉल्स्टॉय ने माना है कि इसका मतलब यह नहीं है कि हिंसा नहीं होगी, लेकिन अहिंसक प्रदर्शनकारियों के हिंसा भड़काने के बजाय उसका शिकार होने का खतरा ज्यादा रहता है।

यूक्रेन के सैनिक बाहरी इलाके में एक बख्तरबंद सैन्य वाहन पर ड्राइव करते हुए

रूसी हमले के चलते लोगों की सुरक्षित निकासी रूकी :यूक्रेन के अधिकारी

लवीव। यूक्रेन के एक अधिकारी ने कहा है कि अप्रत्याशित रूसी गोलाबारी जारी रहने के चलते यूक्रेन के एक बंदरगाह शहर से रविवार को लोगों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने की योजना मूर्त रूप नहीं ले सकी। वहीं, अधिकारियों ने रूस को यूक्रेन की राजधानी के नजदीक अन्य निकासी मार्ग निर्धारित करने के लिए सहमत करने की कोशिश की है। यूक्रेन के सैन्य अधिकारियों ने दिन में कहा था कि मारयूपोल शहर में रह रहे लोगों के पूर्वाह्न 10 बजे से रात नौ बजे तक स्थानीय संघर्ष विराम के दौरान वहां से सुरक्षित रूप से बाहर निकलने की उम्मीद है। रूसी सैनिकों ने एक हफ्ते से मारियूपोल शहर का घेरा डाल रखा है। गृह मंत्रालय के सलाहकार एंटन ग्रेराश्चेंको ने कहा कि निर्धारित मानवीय सहायता गलियारों से लोगों को निकालने का कार्य रूसी हमले के चलते नहीं किया जा सका।

यूक्रेन से 15 लाख से अधिक लोग शरण लेने के लिए पड़ोसी देशों में गए: संयुक्त राष्ट्र

बर्लिन। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी के प्रमुख ने कहा है कि रूस के आक्रमण के बाद पड़ोसी देशों में शरण पाने के लिए 15 लाख से अधिक शरणार्थी यूक्रेन छोड़ चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थी उच्चायुक्त फिलिप्पो ग्रांडी ने रविवार को ट्वीट किया कि यह द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से यूरोप में सबसे तेजी से बढ़ता शरणार्थी संकट है। उनकी एजेंसी ने शरणार्थियों के आंकड़ों के बारे में सटीक जानकारी नहीं दी है। ग्रांडी यूक्रेन सीमा से सटे देशों के दौरे पर हैं।

यूक्रेन में सैकड़ों युवक सेना में शामिल होने के लिए कतार में

कीव। युद्ध की विभीषिका के दौरान यूक्रेन की राजधानी कीव मे सैकड़ो पुरुष देश की सेना मे शामिल होने के लिए कतार में खड़े नजर आ रहे है। यूक्रेन की सरकार ने एक आदेश जारी कर 18 से 60 साल के उम्र के पुरुषों के देश छोड़ने पर रोक लगा दी है ताकि सैन्य कार्यों के लिए उनकी उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। हालांकि, वेलोदिमिर ओनिस्को जैसे कुछ युवा है जो स्वयं युद्ध के लिए तैयार हैं। उसने ब्रिटेन के स्काई न्यूज से बातचीत मे कहा, हम जानते है कि किस वजह से यहां मौजूद है। हम जानते है कि क्यो हम अपने देश की रक्षा कर रहे है। हमारे आदमी वास्तव मे वहां खड़े है और रूसी सैनिकों से लड़ रहे है। वही, ब्रिटिश सेना से अवकाशप्राप्त मार्क आयरिस है जो यूक्रेन की मदद करने के लिए पहुंचे है। उन्होंने कहा, मै भ्रम में नही हूं। मुझे युद्ध से प्रेम नही है और न ही मै कोई नायक बनने या बदलाव करने आया हूं...लेकिन यह वह कार्य है जो मै करूंगा।

रूस में मीडिया, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई

न्यूयॉर्क। रूसी प्राधिकारियो ने रविवार को स्वतंत्र मीडिया इकाइयो पर रोक और प्रदर्शनकारियो की गिरफ्तारी जारी रखी। इन कदमों का उद्देश्य संभवत: यूक्रेन पर आक्रमण के बारे में देश मे लोगों की दी जाने वाली सूचना को नियंत्रित करना है। कई प्रमुख स्वतंत्र ऑनलाइन मीडिया इकाइयो पर रविवार को रोक लगा दी गई। वही कई अन्य मीडिया इकाइयो पर रोक पिछले सप्ताह लगाई गई थी। अन्य इकाइयों ने नए दमनकारी कानूनो के कारण रूस मे अपना कामकाज रोकने का फैसला किया। पूरे रूस मे सैकड़ो प्रदर्शनकारियो को हिरासत में लिया गया है। जिन मीडिया इकाइयो पर रोक लगाई गई है उनमे मीडियाजोना शामिल है। यह एक ऐसी मीडिया इकाई है जो रूस की पुलिस और न्याय प्रणाली से संबंधित खबरें देती है।

जपोरिजिया परामणु ऊर्जा संयंत्र में दो रिएक्टर चालू हालत में हैं : यूक्रेन ने आईएईए से कहा

कीव। यूक्रेन ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) से कहा है कि देश के सबसे बड़े जपोरिजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के छह मे से दो रिएक्टर काम कर रहे है और विकिरण का स्तर सामान्य है। आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि देश के दक्षिण-पूर्व मे स्थित इस संयंत्र पर नियंत्रण के लिए रूसी सेना ने कुछ दिन पहले हमला किया था। ग्रोसी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि यूक्रेन के नियामक प्राधिकरण और संयंत्र प्रबंधन ने संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था को बताया कि तकनीकी सुरक्षा प्रणाली अक्षुण्ण है और एक टेलीफोन संचार लाइन टूट गई थी, लेकिन दूसरी अब भी काम कर रही है। बयान में कहा गया है, यूक्रेन के अधिकारियों ने आईएईए को बताया कि संयंत्र का प्रशिक्षण केंद्र रिएक्टर इकाइयो से अलग स्थित है, जिसे चार मार्च के हमले के दौरान काफी नुकसान पहुंचा।

क्विक न्यूज

कोविड-19 से मौतों की संख्या 60 लाख होने के करीब

बैंकाक। वैश्विक स्तर पर कोविड-19 से होने वाली मौतों की संख्या 60 लाख होने की कगार पर है। इससे यह संकेत मिलता है कि तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुकी महामारी अभी खत्म नहीं हुई है। मृतक संख्या जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी द्वारा संकलित की गई है। इसके अनुसार रविवार सुबह तक मरने वालों की संख्या 5,996,882 थी और बाद में दिन में इसके 60 लाख के आंकड़े को पार करने की आशंका है। यह मृतक संख्या महामारी की अविश्वसनीय प्रकृति को रेखांकित करती है जबकि लोग मास्क लगाना छोड़ रहे हैं, यात्रा फिर से शुरू हो रही है और दुनिया भर में व्यवसाय फिर से खुल रहे हैं। हांगकांग में भी मौतों की संख्या में बढोतरी देखी जा रही है। यहां इस महीने पूरी आबादी की तीन बार जांच की जा रही है। पोलैंड, हंगरी, रोमानिया और अन्य पूर्वी यूरोपीय देशों में मृत्यु दर उच्च बनी हुई है। इस क्षेत्र में युद्धग्रस्त यूक्रेन से 10 लाख से अधिक शरणार्थी आए हैं।

ब्रिटेन की महारानी विंडसर कैसल में रहेंगी

लंदन। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने अपने स्थाई आवास के तौर पर लंदन के बकिंघम पैलेस के बजाय बर्कशायर स्थित विंडसर कैसल को चुना है। एक मीडिया रिपोर्ट में रविवार को यह जानकारी दी गई। महारानी वर्ष 2020 में महामारी की पहली लहर के बाद विंडसर कैसल में पृथक-वास के लिए जाने के बाद से वहीं रह रही हैं। जबकि, वह पहले सप्ताहांत में ही कैसल जाती थीं। संडे टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अब महारानी ने मध्य लंदन स्थित बकिंघम पैलेस की जगह विंडसर कैसल को अपने स्थाई आवास एवं मुख्य कार्यालय आवास के तौर पर तवज्जो दी है।

इंडोनेशिया पहुंचे 100 से ज्यादा रोहिंग्या

बांदा आसेह (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया के उत्तरी प्रांत आसेह के एक तट पर रविवार को 100 से ज्यादा रोहिंग्या मुस्लिम पाए गए, जो कई दिनों की समुद्री यात्रा की वजह से भूखे और कमजोर थे।स्थानीय आदिवासी मछुआरा समुदाय के नेता बद्रुद्दीन यूनुस ने बताया कि समूह रविवार तड़के बिरुएन जिले के मछुआरों के गांव अल्यू बुया पासिस के पास जंगका तट पर पहुंचा। ग्रामीणों ने रोहिंग्या समुदाय के 114 लोगों को लकड़ी की नौका पर देखा और उन्हें तट तक लाने में मदद की तथा उनके आने की सूचना अधिकारियों को दी। यूनुस ने बताया, वे भूख और शरीर में पानी की कमी के कारण बहुत कमज़ोर दिख रहे थे, क्योंकि उन्होंने लंबी समुद्री यात्रा की है।

पाकिस्तानः मस्जिद में हुए विस्फोटों के लिए जिम्मेदार नेटवर्क का खुलासा करने का अधिकारियों का दावा

पेशावर। पाकिस्तानी जांच अधिकारियों ने देश के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक शिया मस्जिद पर आत्मघाती हमले के लिए जिम्मेदार रहे पूरे नेटवर्क का खुलासा करने का रविवार को दावा किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रांतीय राजधानी पेशावर के किस्सा ख्वानी बाजार स्थित मस्जिद में शुक्रवार को हुए इस हमले में 63 लोग मारे गए थे और 200 अन्य घायल हो गए थे। प्रांत के मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार बैरिस्टर मुहम्मद अली सैफ ने पेशावर शहर पुलिस प्रमुख इजाज खान के साथ संवाददाताओं से कहा कि एक रिक्शा चालक और एक अन्य व्यक्ति का पता लगाया है, जबकि जांचकर्ता हमलावरों के परिवार के सदस्यों के काफी करीब पहुंच गए हैं क्योंकि शिनाख्त प्रक्रिया पूरी हो गई है।

चीन में कोयले की खदान ढहने की घटना में 14 खनिकों की मौत की पुष्टि

बीजिंग। दक्षिण पश्चिम चीन में 10 दिन पहले कोयले की एक खदान के ढहने से उसमें फंस गए 14 खनिकों की मौत हो गई है। मीडिया ने रविवार को यह खबर दी।सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के मुताबिक, खनिकों के शव निकालने के बाद रविवार दोपहर को बचाव अभियान खत्म कर दिया गया। गुइझोऊ प्रांत में 25 फरवरी को कोयले की खदान की छत ढहने के बाद उसमें खनिक फंस गए थे।मीडिया की खबर के मुताबिक, बचाव अभियान चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि जहां खदान की छत ढही थी, वह स्थान खदान के प्रवेश से करीब तीन किलोमीटर दूर था।

इजराइली पुलिस ने यरुशलम में चाकू से हमला करने के आरोपी को गोली मारी

यरुशलम। यरुशलम के पुराने इलाके में रविवार को एक अधिकारी पर चाकू से हमला करने वाले फलस्तीनी हमलावर को गोली मार दी गई। इजराइली पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने यहां जारी एक बयान में बताया कि हमलावर ने पुराने शहर में तैनात अधिकारियों पर हमला किया और उनमें से एक को चाकू से घायल कर दिया। बयान के मुताबिक अधिकारी ने जवाब में गोली चलाई और हमलावर को मार गिराया। हमलावर की पहचान 19 वर्षीय पूर्वी यरुशलम निवासी के तौर पर की गई है। पुलिस ने पुराने शहर में गली में पड़े खून लगे चाकू की तस्वीर जारी की है।

रूसी युद्ध से दुनिया की ब्रेड टोकरी पर मंडराने लगा है खतरा

भाषा। बार्सिलोना (स्पेन)

यूक्रेन को निशाना बना रहे रूसी टैंक और मिसाइलें यूरोप, अफ्रीका और एशिया में उन लोगों की खाद्यान्न आपूर्ति एवं आजीविका खतरे में डाल रही हैं जो दुनिया की ब्रेड टोकरी नाम से चर्चित काला सागर क्षेत्र की विशाल उर्वर कृषि भूमि पर निर्भर हैं। यूक्रेन के किसानों को अपने खेतों को छोड़कर जाना पड़ा है, खेत खलिहान सूने पड़े हैं, लाखों किसान भाग चुके हैं या फिर संघर्ष कर रहे हैं या जिंदा बचे रहने की जद्दोजहद में फंसे हैं। बंदरगाह बंद कर दिए गए हैं जहां से गेहूं एवं अन्य खाद्यान्न ब्रेड, नूडल्स या पशुचारा बनाने के लिए भेजे जाते

थे। ऐसी चिंता है कि दूसरे कृषि पावर हाउस रूस से पश्चिम देशों के प्रतिबंधों के चलते अनाज निर्यात रूक गया है। वैसे तो गेहूं की वैश्विक आपूर्ति में बाधा नहीं आई है लेकिन दाम आक्रमण से पहले की तुलना में 55 फीसद बढ़ गए हैं और चिंता उत्पन्न हो गई है कि आगे क्या होगा? इंटरेनशनल ग्रेंस काउंसिल के निदेशक अर्नाड पेटिट ने कहा कि यदि लड़ाई लंबी खिंचती है तो जो देश यूक्रेन से सस्ते गेहूं आयात पर निर्भर थे, उन्हें जुलाई से कमी का सामना करना पड़ सकता है। इससे मिस्र एवं लेबनान जैसे देशों में खाद्यान्न असुरक्षा पैदा हो सकती है तथा और लोग गरीबी के मुंह में पहुंच सकते हैं क्योंकि इन देशों में आहार पर सरकार से सब्सिडी प्राप्त ब्रेड का वर्चस्व है। यूरोप में , अधिकारी यूक्रेन से उत्पादों की संभावित कमी एवं पशुचारों के दामों में वृद्धि के संदर्भ में अपनी तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि यदि किसान लागत उपभोक्ताओं पर डालते है तो मांस एवं डेयरी उत्पाद महंगे हो सकते हैं। रूस और यूक्रेन से दुनिया में गेहूं और जौ के एक तिहाई हिस्से का निर्यात होता है।

जेलेंस्की ने यूक्रेन को उड़ान-निषिद्ध क्षेत्र बनाने पर दिया जोर

लवीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अन्य देशों से यूक्रेन को उड़ान-निषिद्ध क्षेत्र लागू करने के अपने आह्वान पर जोर दे रहे हैं।एक उड़ान-निषिद्ध क्षेत्र बनाने से सीधे विदेशी सेनाओं को शामिल करने से संघर्ष बढ़ने का जोखिम होगा। यद्यपि अमेरिका और कई पश्चिमी देशों ने हथियारों की खेप के साथ यूक्रेन का समर्थन किया है, लेकिन उन्होंने सैनिक नहीं भेजे हैं।जेलेंस्की ने रविवार को एक वीडियो संदेश में कहा कि दुनिया हमारे हवाई क्षेत्र को बंद करने के मामले में काफी मजबूत है। नाटो देशों ने उड़ान-निषिद्ध क्षेत्र बनाने से इनकार कर दिया है। यदि उड़ान-निषिद्ध क्षेत्र की घोषणा हो जाती है तो यह सभी अनधिकृत विमानों को यूक्रेन के ऊपर उड़ान भरने से रोक देगा।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने छह सूत्री योजना पेश की

भाषा। लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने रूस-यूक्रेन संकट के समाधान के लिए रविवार को छह सूत्री योजना पेश की और संघर्ष समाप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रयासों में तेजी लाने की वकालत की।अगले सप्ताह लंदन में 10 डाउनिंग स्ट्रीट पर दुनिया भर के नेताओं की मेजबानी करने से पहले द न्यूयॉर्क टाइम्स में अपने लेख में जॉनसन ने दोहराया है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को सेना के बल पर पर अंतरराष्ट्रीय नियमों को फिर से लिखने में किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देना चाहिए। जॉनसन लिखते हैं, पुतिन को

असफल होना चाहिए और इस आक्रामक कदम में उन्हें असफल होना ही चाहिए। नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति समर्थन व्यक्त करने के लिए यह पर्याप्त नहीं है... हमें सैन्य ताकत के बल पर नियमों को फिर से लिखने के प्रयास का बचाव करना चाहिए। उन्होंने लिखा है, दुनिया देख रही है। यहां भविष्य के इतिहासकार नहीं, बल्कि यूक्रेन के लोग हमारे जज बनेंगे।

ब्लिंकन ने मोल्दोवा को अमेरिकी सहयोग देने का किया वादा

चिसिनाउ (मोल्दोवा)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को छोटे एवं पश्चिमी देशों की ओर झुकाव वाले मोल्दोवा को अमेरिकी सहयोग का वादा किया, जो यूक्रेन से शरणार्थियो की आमद का सामना कर रहा है। ब्लिंकन ने मोल्दोवा के वरिष्ठ अधिकारियो से मुलाकात की, जो यूक्रेन से आए 120,000 से अधिक शरणार्थियो को संभालने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहायता की अपील कर रहे है। साथ ही मोल्दोवा के अधिकारी संभावित रूसी आक्रमण के खिलाफ भी सुरक्षा आश्वासन की मांग कर रहे है। 11 दिन पहले युद्ध शुरू होने के बाद से 230,000 से अधिक लोग यूक्रेन से मोल्दोवा भाग गए है।

रूस व यूक्रेन के बीच इजराइल क्यों मध्यस्थता कर रहा है?

असहज स्थिति में डाला

भाषा। तेल अवीव

इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने रविवार को मास्को की अचानक यात्रा कर रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने की कोशिश की। साल भर से भी कम समय से इजराइल की कमान संभाल रहे बेनेट विश्व मंच पर बहुत हद तक परखे नहीं गए है। उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच इजराइल को एक असहज स्थिति में डाल दिया है और कूटनीतिक कोशिशों की भूमिका निभाने की संभावना बना रहे हैं। सीरिया में सुरक्षा समन्वय के लिए इजराइल क्रेमलिन के साथ संबंधों पर निर्भर है। वहीं, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर तेहरान के साथ मास्को वार्ता की मेज पर बैठा हुआ है। ऐसे में इजराइल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को नाराज नहीं कर सकता। बेनेट ने कथित तौर पर यूक्रेन के नागरिकों को अपना समर्थन व्यक्त किया है और उन्होंने रूस के आक्रमण की निंदा करना बंद कर दिया है। रूस पर पश्चिम देशों के प्रतिबंध बढ़ने के बावजूद बेनेट ने पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति से संपर्क बनाए रखा है। तेल अवीव विश्वविद्यालय में यूरोपीय मामलों के विशेषज्ञ एस्थर लोपातिन ने कहा, बेनेट ने खुद को नए रूप में ढाला है। इजराइल उन कुछ देशों में

शामिल है जिसका रूस और यूक्रेन, दोनों देशों के साथ कामकाजी संबंध है। अपनी यात्रा से लौटने के कुछ घंटे बाद, बेनेट ने अपने मंत्रिमंडल से कहा कि यह इजरायल का नैतिक कर्तव्य है कि वह कदम उठाए, "भले ही मौका बहुत अच्छा न हो" इसके साथ, एक देश जो परंपरागत रूप से फिलस्तीनियों और अरब देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता का लाभार्थी रहा है, वह मध्यस्थ बनने की ओर बढ़ रहा था। इज़राइल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के एक पूर्व अधिकारी और देश की राष्ट्रीय पहचान के बारे में एक पुस्तक फ्लुइड रूस के लेखक वेरा मिचलिन-शापीर ने कहा, ऐसा लग रहा है कि एक मौका है क्योंकि कोई भी पुतिन से बात नहीं कर रहा है। इज़राइल एक ऐसा खिलाड़ी है जो दोनों पक्षों से बात कर सकता है। लेकिन आगे क्या होता है? टिप्पणीकार बराक रविद ने इज़राइली वाला न्यूज़ साइट पर लिखा एक तरफ, उन्होंने (बेनेट) रातों-रात अपनी अंतरराष्ट्रीय स्थिति में सुधार किया है और इज़राइल के भीतर बहुत से राजनीतिक अंक हासिल किए हैं।

क्या यूक्रेन पर हमले से वैश्विक वित्तीय संकट पैदा हो सकता है ?

कार्डिफ (ब्रिटेन)। यूक्रेन की राजधानी कीव और अन्य शहरों पर रूसी हमले ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चतता को बढ़ा दिया है। पुतिन के इस युद्ध की निंदा करते हुए पश्चिमी देशों ने रूस के वित्तीय संस्थानों और व्यक्तियों को लक्षित करते हुए कुछ आर्थिक प्रतिबंधों की घोषणा की है। इन प्रतिबंधों में कुछ रूसी बैकों को अंतरराष्ट्रीय भुगतान के लिए इस्तेमाल की जाने वाली स्विफ्ट संदेश प्रणाली से हटाना, रूसी कंपनियों और उद्योगियों की पश्चिमी देशों में मौजूद संपत्ति को फ्रीज करना और रूस के केंद्रीय बैंक को 630 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल करने से रोकना शामिल है।

यूक्रेन के खारकिव में हमले में ध्वस्त एक बिल्डिंग

उद्योग के रुझान की समझ

प्रदीप शुक्ला का कहना है कि सप्लाई चैन यहां रहने वाली है और अगले कई दशकों के लिए शीर्ष रोजगार सृजनकर्ता होगी। उद्योग को जानकार और जोशीले उम्मीदवारों की जरूरत है और अवसर बहुत हैं....

आपूर्ति श्रंखला या सप्लाई चैन प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा को अक्सर सप्लाई चैन प्रबंधन में एमबीए के बराबर कहा जाता है। यह सप्लाई चैन के प्रबंधन की गहन समझ देने के लिए सरकारी व निजी दोनों संस्थानों तथा कॉलेजों द्वारा प्रोग्राम किया गया एक कोर्स है।

यह 24 महीने का कोर्स है जो आपको इन्वेंट्री, परचेज, लॉजिस्टिक्स, डिस्ट्रीब्यूशन, सप्लायर मैनेजमेंट, क्वालिटी मैनेजमेंट और स्ट्रैटेजिक प्लानिंग जैसी कई सप्लाई चेन योगदान पहलुओ पर अंतर्दृष्टि और गहन शिक्षा देता है। आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन की उपर्युक्त विशेषताओं के अलावा यह आपको एक विहंगम दृश्य प्रदान करता है कि मूल्य श्रृंखला के विभिन्न पहलुओं के दौरान इसे कैसे प्रबंधित किया जाना चाहिए। कई कॉलेजों में इस तरह का कोर्स होता है और यह फुल टाइम और पार्ट टाइम दोनों छात्रों के लिए उपलब्ध है। कई कॉलेजों ने अब इन पाठ्यक्रमों को स्वयं अध्ययन मोड के साथ या अध्ययन केंद्रों के साथ संरेखण में ऑनलाइन भी देना शुरू कर दिया है।

मौजूदा कोविड परिस्थितियों में इनमें से किसी भी मोड में नामांकन एक अच्छा विकल्प है। अगर किसी के पास पहले से ही औपचारिक डिग्री है तो आप करियर बढ़ाने के लिए पीजीडीएम – सप्लाई चेन ले सकते हैं। ये पाठ्यक्रम केवल स्नातक उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध हैं। संस्था की प्रामाणिकता की जांच करना कभी न भूलें। यह महत्वपूर्ण है कि आप किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/कॉलेज/संस्थान से यह डिप्लोमा प्राप्त करें।

जो लोग आपूर्ति श्रृंखला को अच्छी तरह से नहीं देखते हैं उन्हें यह जानकर अच्छा लगेगा कि भारत की आपूर्ति श्रृंखला लागत या रसद लागत भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 13 प्रतिशत होने का अनुमान है। वैश्विक औसत लगभग 8 प्रतिशत है। ये आंकड़े आपको यह समझने में मदद करेंगे कि जब भारत में आपूर्ति श्रृंखलाओं के प्रबंधन की बात आती है तो बहुत सारी जगह और रचनात्मकता और दक्षता हासिल की जा सकती है। यह न केवल भारत के कुल कार्यबल का लगभग 8 प्रतिशत कार्यरत है बल्कि एनएसडीसी के अनुसार यह भारत में शीर्ष 5 नौकरी देने वालों में से एक था।

ये पाठ्यक्रम नए या कामकाजी अधिकारियों हेतु ज्ञान बढ़ाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं, लेकिन यह उम्मीदवारों के लिए अच्छी नौकरियां भी पैदा कर रहे हैं। राष्ट्रीय

प्रदीप शुक्ला
ग्रुप डायरेक्टर एंड सीईओ
प्रिमोएलसीएस

कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के अनुसार, भारत रसद क्षेत्र में लगभग 16.74 मिलियन लोगों को रोजगार देता है। यह कुछ वर्षों में बढ़कर लगभग 28.4 मिलियन कार्यबल हो जाएगा।

टीमलीज इंडिया 2021 की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2022 तक कम से कम 30 लाख नौकरियां पैदा होंगी और अकेले वेयरहाउसिंग में 120000 नौकरियां पैदा होंगी। दुनिया जिस मौजूदा कोविड स्थिति का सामना कर रही है, उसके कारण आपूर्ति श्रृंखला की नौकरी की आवश्यकताओं में तेजी आई है। इस कठिन समय में इस क्षेत्र में कार्यबल की अभूतपूर्व मांग देखी गई है। महामारी के बावजूद रसद कार्यबल अत्यधिक व्यस्त रहा है, क्योंकि दुनिया रुक नहीं सकती है और लोगों के जीवन को आगे बढ़ाने के लिए रसद कार्यबल में लोग सबसे आगे हैं।

पीजीडीएम – आपूर्ति श्रृंखला / रसद इस लगातार बढ़ते क्षेत्र में ज्ञान और रोजगार प्राप्त करने की कुंजी है। यह उन कुशल लोगों के लिए बहुत सारे अवसर खोलता है जिन्होंने यह कोर्स किया है। यह आपके लिए परिवहन क्षेत्र, विनिर्माण कंपनियों, शिपिंग और रसद, ई–कॉमर्स क्षेत्र और कई उत्पाद कंपनियों के अलावा यहां कई गैर–सूचीबद्ध क्षेत्रों के लिए अवसरों के द्वार खोलता है।

बस याद रखें कि दुनिया में ऐसी कोई कंपनी नहीं है जिसे सप्लाई चेन मैनेजर की जरूरत न हो। संगठन की दृष्टि से ये नौकरियां प्रकृति में महत्वपूर्ण हैं और यह मुख्य उद्योग के लिए एक मूल्य वर्धित सेवा भी है जो संगठनों को बेहतर आपूर्ति श्रृंखला और बेहतर भंडारण तथा सामग्री की आवाजाही के लिए लागत प्रभावी समाधान प्राप्त करने में मदद करेगी।

यदि आप यह पीजीडीएम कुछ अच्छी रेटिंग वाले कॉलेजों/ संस्थानों से प्राप्त करते हैं तो यह आपके लिए शीर्ष कंपनियों में रोजगार पाने की व्यापक संभावनाएं खोलेगा। यह आपूर्ति श्रृंखला, परिवहन, सूची, खरीद, आपूर्तिकर्ता नेटवर्क प्रबंधक और कई अन्य वरिष्ठ पदों के रूप में नियोजित होने का अवसर खोलता है। आपके कार्य अनुभव और इसमें शामिल अन्य कारकों के आधार पर ये नौकरियां आपको प्रति वर्ष 5 से 15 लाख की आय के बीच कहीं भी ला सकती हैं। यह करने के लिए सबसे अच्छे पाठ्यक्रमों में से एक है क्योंकि जब भी बाजार धीमा होता है या विकास स्थिर होता है तो आपूर्ति श्रृंखला बाजार के लिए नौकरी बाजार कभी धीमा नहीं होता है और आपको कोविड की तरह ही सबसे कठिन और कठिन समय में भी नियोजित रखेगा। हम अंदर हैं। आपूर्ति श्रृंखला सेवाओं जैसी आवश्यक सेवाओं के अलावा दुनिया भर में सेवाएं इस महामारी के समय में नहीं रुकीं। लोगों को सामान की जरूरत है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए चैन के लोगों की आपूर्ति करते हैं कि यह सभी मूल्य श्रृंखला में उपलब्ध है।

एक बात मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं, आपूर्ति श्रृंखला यहां रहने वाली है और अगले कई दशकों के लिए शीर्ष रोजगार सृजक होगी। उद्योग को ज्ञान व जुनून वाले उम्मीदवारों की जरूरत है और अवसर दिमाग घुमा देने वाले हैं।

एक कदम आगे रहने की कुंजी है निरंतर नवाचार

अनीश श्रीकृष्ण का कहना है कि उद्यमियों को ड्राइंग बोर्ड पर लौटते रहने, पुराने को भुलाने और नया सीखने की योग्यताओं के साथ-साथ अनुकूलन और नए विकास के लिए उत्तरदायी रहने की भी आवश्यकता है...

यूनिकॉर्न की बढ़ती संख्या के साथ भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। फिर भी, आंकड़े बताते हैं कि उनमें से ज्यादातर स्टार्टअप पांच साल के आंकड़े तक पहुंचने में विफल रहे हैं। स्टार्टअप के विस्तार को प्रभावित करने वाले कारक जटिल हैं, लेकिन समय और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के साथ क्रम पर बने रहना कठिन हो सकता है।

निरंतरता बनाए रखने, संरचना के विकास तथा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, कुछ मुख्य क्षेत्र, जो एक सफल उद्यम में स्टार्टअप–निर्माण में सहायता करेंगे, वे इस प्रकार हैं :

रणनीतिक दृष्टि बनाए रखें

किसी भी व्यवसाय के लिए पहला कदम है, एक रणनीतिक दृष्टि स्थापित करना। यह संगठन के लिए दीर्घकालिक उद्देश्य निर्धारित करता है, जिससे इसके विकास के लिए लक्ष्य का निर्माण होता है। रणनीतिक दृष्टि न केवल कंपनी को उसका लक्ष्य प्रदान करती है बल्कि यह प्रतिस्पर्धा के मुकाबले इसके विकास और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने में भी आवश्यक है।

उदाहरण के द्वारा नेतृत्व

अधिकांश सफल उद्यमी सामने से नेतृत्व करते हैं। जब कर्मचारी अपने नेताओं को अतिरिक्त प्रयास करते हुए देखते हैं तो उनके अतिरिक्त प्रयास करने की संभावना अधिक हो जाती है। ईमानदारी, समय की पाबंदी और व्यावसायिकता जैसे मूल्य काम पर एक सामंजस्यपूर्ण माहौल बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

नवाचार अपनाएं

एक स्टार्टअप के लिए अपने प्रतिस्पर्धियों से खुद को अलग करने के लिए एक अभिनव उत्पाद या सेवा सबसे आदर्श है। हालांकि, इस विचार के टिकाऊ होने के लिए, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि यह उपभोक्ता के जीवन में वास्तविक मूल्य जोड़ता है। उदाहरण के लिए, पेटीएम ने लगभग तत्काल ऑनलाइन भुगतान को सक्षम किया, जबकि जोमैटो ने शहरों में खाद्य वितरण को सुव्यवस्थित किया। हालांकि नवाचार शुरुआत में मदद कर सकता है, मगर दीर्घकालिक अस्तित्व सुनिश्चित करने के लिए नवाचार जारी रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

निरंतर कौशल सुनिश्चित करें

तेजी से बदलते कार्य परिदृश्य में, व्यवसायों को एक गतिशील कार्यबल के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिसमें कौशल का सही मिश्रण हो।

पूंजी जुटाना

अधिकांश स्टार्टअप के लिए फंडिंग शीर्ष चुनौतियों में से एक होती है। यहां तक कि जो लोग प्रारंभिक बीज धन को सुरक्षित करने का प्रबंधन करते हैं, वे अक्सर अपने कार्यों को बढ़ाने के लिए आवश्यक अतिरिक्त धन जुटाने के लिए संघर्ष करते हैं। इसलिए, यह जरूरी है कि उद्यमियों के पास आगे निवेश हासिल करने के लिए एक मजबूत और सुविचारित रणनीति हो, जैसे जैसे

अनीश श्रीकृष्णा
सीईओ, टाइम्स प्रोफेशनल लर्निंग

व आगे बढ़ते रहें।

खुले संवाद को प्रोत्साहित करें

दूरस्थ कार्य के दौर में, संचार संगठनात्मक दक्षता की आधारशिला बन गया है। बूटस्ट्रैप्ड स्टार्टअप्स के लिए टीम बिल्डिंग हेतु संवाद या संचार जरूरी है। खुला संचार निर्णय लेने में पारदर्शिता पैदा करता है, संघर्ष समाधान की सुविधा प्रदान करता है, कर्मचारी और ग्राहक विश्वास हासिल करता है, और यह सुनिश्चित करता है कि सभी एक ही जगह पर रहें।

तकनीक अपनाएं

प्रौद्योगिकी ने स्टार्टअप को ऐसे व्यवसाय मॉडल विकसित करने का अवसर दिया है जो लागत अनुकूलन के साथ–साथ अधिकतम दक्षता की सुविधा प्रदान करते हैं। हालांकि, चूंकि प्रौद्योगिकी तीव्र विकास का विषय है, स्टार्टअप को यह सुनिश्चित करने के लिए गति बनाए रखने की आवश्यकता है कि वे प्रासंगिक बने रहें।

बिक्री वृद्धि सुनिश्चित करें

अंततः, किसी भी व्यवसाय की सफलता लगातार बिक्री वृद्धि पर निर्भर करती है। उत्पादों व विपणन में नवाचारों के अलावा, निर्बाध वितरण सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला महत्वपूर्ण है।

स्टार्टअप का नेतृत्व करने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि, गुणवत्ता तथा लोगों के प्रति प्रतिबद्धता, गतिशील कारोबारी माहौल के जवाब में विकसित होने में चपलता एवं अवसरों को अधिकतम करने की क्षमता की जरूरत होती है। अर्बन कंपनी, रेजरपे, जोमैटो, स्विगी और पेटीएम जैसे घरेलू स्टार्टअप्स की सफलता से पता चलता है कि नए सिरे से व्यवसायों का निर्माण संभव है, एक नव विकसित उद्यम से एक बड़े संगठन तक, और गलाकाट प्रतियोगिता का सामना करने में व्यवसाय की लंबी उम्र सुनिश्चित करना संभव है। सफलताओं और असफलताओं से सीखने और बदलती परिस्थितियों में शीघ्रता से अनुकूलन करने में ही मार्ग मौजूद है।

शिक्षा के लिए यूपीआई

डॉ. अभय करंदीकर कहते हैं कि नेटवर्क हब-स्पोक मॉडल पर बनाया गया डिजिटल विश्वविद्यालय, संस्थानों को ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की पेशकश करने में सक्षम करेगा, जिसमें सीटों की कोई सीमा नहीं होगी और ऑनलाइन व पारंपरिक डिग्री के बीच मान्यता में कोई अंतर नहीं होगा

यूपीआई को 11 अप्रैल, 2016 को लॉन्च किया गया था। यह विश्वास करना कठिन है कि सिर्फ पांच साल पहले, यूपीआई के माध्यम से डिजिटल भुगतान मौजूद नहीं था – अकेले जनवरी 2022 में, यूपीआई के जरिए 297 भागीदारी वाले बैंकों और असंख्य ऐप्स के साथ , 8.3 लाख करोड़ रुपये के मूल्य वाले 4.6 बिलियन लेनदेन संभव किए गए थे। यूपीआई की सफलता हब और स्पोक मॉडल में निहित है जहां हब (एनपीसीआई) यह सुनिश्चित करता है कि बैंक, सार्वजनिक व निजी बैंक– प्रवक्ता न केवल यूपीआई के खुले प्रोटोकॉल के जरिए एक–दूसरे के साथ सहज रूप से इंटर–ऑपरेट करने , बल्कि उनका रखरखाव भी करने में सक्षम हैं साथ ही उनमें उपभोक्ताओं के साथ अपने स्वयं के हाइपर लोकल ढंग से नया करने और अंतिम दूरी को पाटने की व्यक्तिगत क्षमता भी है। प्रोटोकॉल केन्द्रों को एक दूसरे के साथ इंटरऑपरेट करने की अनुमति देता है, और इस कारण कई देशों को पारिस्थितिकी तंत्र में भाग लेने में सक्षम बनाता है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की 1 फरवरी, 2022 को बजट भाषण के हिस्से के रूप में डिजिटल विश्वविद्यालय स्थापित करने की घोषणा उच्च शिक्षा के लिए एक वैसा ही परिवर्तनकारी क्षण है। घोषणा में एक डिजिटल विश्वविद्यालय की स्थापना का उल्लेख किया गया है जिसका उद्देश्य देश भर के छात्रों को, विभिन्न भारतीय भाषाओं और प्रारूपों में, उनके दरवाजे पर व्यक्तिगत शिक्षण अनुभव के साथ विश्वस्तरीय गुणवत्ता वाली सार्वभौमिक शिक्षा प्रदान करना है।

डिजिटल विश्वविद्यालय के प्रभाव के परिमाण को समझने के लिए, आइए आज हम इसे एक छात्र के दृष्टिकोण से देखें। प्रतिष्ठित संस्थानों की संख्या सीमित है और इसलिए इन संस्थानों में सीटों को लेकर होड़ है, हर साल प्रवेश के लिए कट ऑफ अंक बढ़ते जा रहे हैं। एक बार प्रवेश लेने के बाद, छात्र अवकाश नहीं ले सकते – एक वर्ष गुम होने का अर्थ है अनिवार्यतया कोर्स को छोड़ना। छात्र कोर्स करने के दौरान संस्थान नहीं बदल सकते, क्योंकि किसी अन्य संस्थान में दाखिला लेने का मतलब अनिवार्य रूप से फिर से नयी शुरुआत करना है। स्नातक होने के बाद, छात्रों को सत्यापित प्रतिलेख प्राप्त करने के लिए संस्थान में लौटते रहना होगा।

इसके विपरीत, एक नेटवर्क हब–स्पोक मॉडल पर निर्मित डिजिटल विश्वविद्यालय, संस्थानों को ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करने में सक्षम बनाएगा, जिसमें सीटों की कोई सीमा नहीं होगी और ऑनलाइन व पारंपरिक डिग्री के बीच

मान्यता में कोई अंतर नहीं होगा। सामाजिक–आर्थिक रूप से वंचित छात्र, जिन्हें आमतौर पर पहुंच की कमी के कारण शीर्ष संस्थानों में प्रवेश पाने में कठिनाई होती है, वे उसी कक्षा में भाग लेने में सक्षम होंगे जिसे क्षेत्र के शीर्ष शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाता है। मूल्यांकन ऑनलाइन प्रोक्टेड परीक्षा या कंप्यूटर आधारित मूल्यांकन पर आधारित हो सकता है। इस हब और स्पोक निर्माण में सार्वजनिक व निजी तकनीकी शिक्षा प्रदाताओं दोनों के संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की सुविधा प्रदान करने की क्षमता है।

जैसे इंटरनेट कई खुले मानकों पर काम करता है जो दुनिया भर में अरबों कंप्यूटिंग उपकरणों को परस्पर संवाद करने में सक्षम बनाता है, डिजिटल विश्वविद्यालय उन अनेक मानकों द्वारा संचालित होगा जो आधुनिक शिक्षा की नींव को परिभाषित करते हैं। एक सबसे महत्वपूर्ण है राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी (एनएडी), जो सभी शैक्षणिक डेटा और छात्रों के लिए पुरस्कारों का भंडार है, जिसमें प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, डिग्री, मार्कशीट शामिल हैं – सभी विधिवत डिजीटल व अकादमिक निकायों द्वारा दर्ज किए गए हैं। डिजिलॉकर (एनएडी सेवाओं का प्रदाता) पर छात्रों द्वारा इन इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों को आसानी से एक्सेस किया जा सकता है, जैसे हमारे वैक्सीन प्रमाण पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस हैं। ये इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज न केवल सत्यापित प्रतिलेख प्राप्त करने के लिए छात्रों को अपने कॉलेजों में जाने की जरूरत को समाप्त कर देंगे, बल्कि फर्जी पेपर प्रमाणपत्रों जैसी धोखाधड़ी प्रथाओं को भी समाप्त कर देंगे, इस प्रकार पुरस्कार की प्रामाणिकता, अखंडता और गोपनीयता बनाए रखेंगे।

एनएडी द्वारा संचालित एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) एक क्रेडिट आधारित प्रणाली है जो छात्र को प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए क्रेडिट अर्जित करने में मदद करती है। एक डिग्री प्रदान की जाती है जब एक छात्र द्वारा कार्यक्रम के लिए अनिवार्य क्रेडिट अर्जित किया जाता है। यह छात्र को उनकी क्षमता और रुचियों के आधार पर पाठ्यक्रमों का एक संयोजन लेकर, समान डिग्री के साथ स्नातक करने में सक्षम बनाता है, यहां तक कि दोनों डिग्री कार्यक्रमों के लिए अपेक्षित क्रेडिट संतुष्टि होने पर दोहरी डिग्री से सम्मानित किया जाता है। एबीसी एक क्रेडिट आधारित प्रणाली भी प्रदान करता है जो छात्र को उनकी सहमति से एक संस्थान से दूसरे संस्थान में एक कार्यक्रम के लिए उन्हें दिए गए क्रेडिट को स्थानांतरित करने में सक्षम बनाता है। यह छात्रों के लिए एक कार्यक्रम से दूसरे कार्यक्रम में, एक संस्थान से दूसरे संस्थान में सही अध्ययन गतिशीलता को सक्षम बनाता है, भले ही छात्र एक कार्यक्रम के भीतर दो पाठ्यक्रमों के बीच ब्रेक लेता हो।

संस्थानों को एक–दूसरे के साथ अंतर–संचालन करने में मदद करने हेतु, नेशनल डिजिटल एजुकेशन आर्किटेक्चर (एनडीईएआर) डेटा इंटरऑपरेबिलिटी, गवर्नेंस, गुणवत्ता, सुरक्षा और गोपनीयता के आसपास प्रौद्योगिकी सिद्धांतों, मानकों और सर्वोत्तम प्रथाओं को परिभाषित करता है। एनडीईएआर शिक्षा के लिए बिल्डिंग ब्लॉक्स की पहचान करता है जिसे ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग करके कई सार्वजनिक व निजी भागीदारों द्वारा सहयोगात्मक रूप से लागू किया जा सकता है। कल्पना कीजिए कि एक संस्थान का कोई छात्र किसी अन्य संस्थान की डिजिटल लाइब्रेरी में लॉग इन कर सकता है, या एक निजी खिलाड़ी द्वारा सामान्य लॉगिन का उपयोग करने वाला एक ऐप हो, जो उनके छात्र क्रेडेंशियल्स को सत्यापित करता है। डिजिटल विश्वविद्यालय न केवल नए आविष्कारों व खोजों की शुरुआत करने में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी की सीमाओं को आगे बढ़ाने में मदद करेगा, बल्कि उन संस्थानों व पाठ्यक्रमों की संख्या बढ़ाने में भी मदद करेगा, जिनमें छात्र जाने की इच्छा रखते हैं। ऑनलाइन माध्यम से इनमें से अधिकांश पाठ्यक्रमों की पेशकश की जाएगी, छात्रों के लिए उपलब्ध सीटों की संख्या भी कई गुना बढ़ जाएगी – जिसके कारण आज भौतिक परिसरों में मौजूद सीमित सीटों के लिए छात्रों की तनावपूर्ण दौड़ कम या समाप्त हो जाएगी।

अब से पांच वर्षों में, हम बहुत अच्छी तरह, मौजूदा अनुभव से बहुत अलग शिक्षा की , दुनिया में हो सकते हैं। यह तो केवल समय ही बताएगा, लेकिन एक बात निश्चित है – किसी भी नए क्षेत्र की तरह, यह डिजिटल विश्वविद्यालय के इस ढांचे द्वारा बिछाई जा रही मजबूत नींव पर निर्माण करने हेतु उद्योग व शिक्षाविदों, प्रौद्योगिकीविदों और शिक्षकों दोनों के सहयोगात्मक प्रयास की आवश्यकता होगी।

–लेखक अभय करंदीकर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के निदेशक हैं और राहुल कुलकर्णी, समग्र के मुख्य प्रौद्योगिकीविद् तथा डून्यू के सह–संस्थापक हैं।

जडेजा और अश्विन ने तीन दिन में दिलाई जीत

● पहला टेस्ट : भारत ने श्रीलंका को एक पारी और 222 रन से हराया

भाषा। मोहाली

रविंद्र जडेजा के बेहतरीन हरफनमौला प्रदर्शन (175 रन और नौ विकेट) की मदद से भारत ने पहले क्रिकेट टेस्ट में श्रीलंका को तीन दिन के भीतर ही एक पारी और 222 रन से हरा दिया। श्रीलंका को पहली पारी में 174 रन पर आउट करने के बाद भारत ने दूसरी पारी में उसे 178 रन पर समेट दिया। श्रीलंका ने तीसरे दिन 16 विकेट गंवाए। पहली पारी में पूरी टीम जडेजा के व्यक्तिगत स्कोर से एक रन पीछे थी जबकि दूसरी पारी में तीन रन अधिक ही बना सकी। भारत श्रृंखला में 1-0 से आगे है और बेंगलुरू में 12 मार्च से शुरू हो रहे गुलाबी गेंद के टेस्ट में जीत दर्ज करके पूरे 24 अंक लेना चाहेगा। यह 60 साल बाद हुआ है जब किसी भारतीय क्रिकेटर ने पारी में 150 रन बनाने के साथ पांच विकेट भी लिए इससे पहले 1952 में वीनू मांकड़ ने लॉर्ड्स पर इंग्लैंड के खिलाफ और पॉली उमरीगर ने दिल्ली में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह कारनामा किया था। भारत ने दोनों पारियों में 125 ओवर डालकर 20 विकेट लिए।जडेजा ने नाबाद 175 रन बनाने के बाद पहली पारी में पांच और दूसरी पारी में चार विकेट चटकाए। वहीं आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कपिल देव के 434 टेस्ट विकेट को पीछे छोड़ा और अब वह अनिल कुंबले (619) के बाद सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए। अश्विन ने 85वें टेस्ट में इस आंकड़े को छुआ जबकि कपिल ने 131 टेस्ट में इतने विकेट लिए थे। कपिल और अश्विन के दौर, परिस्थितियों और विरोधी टीमों को देखते हुए तुलना नहीं की जा सकती और दोनों की गेंदबाजी भी अलग है। सिर्फ आंकड़ों की बात करें तो तमिलनाडु के स्पिनर अश्विन की यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। श्रीलंका के लचर प्रदर्शन ने मैच को पूरी तरह से एकतरफा बना डाला। मैथ्यूज और डिकवेला जैसे खिलाड़ियों ने भी आसानी से घुटने टेक दिए। श्रीलंका का कोई बल्लेबाज जडेजा की गेंदों को समझ ही नहीं सका। इससे पहले रविंद्र जडेजा के पांच विकेट की मदद से भारत ने श्रीलंका को पहली पारी में 174 रन पर आउट करके पहली पारी में 400 रन की बढत बना ली थी। फॉलोआन खेलते हुए श्रीलंका की टीम फिर मुसीबत में थी। तिरिमन्ने को अश्विन ने पहले सत्र में अपना 433वां शिकार बनाया। अश्विन ने नई गेंद संभालते हुए तिरिमन्ने को दूसरी स्लिप में रोहित के हाथों लपकवाया। लंच के बाद पाथुम निसांका को विकेट के पीछे ऋषभ पंत के हाथों लपकवाकर अश्विन ने 434 विकेट पूरे किए। उन्होंने चरित असालांका को 435वां शिकार बनाया। इस बीच शमी ने दिमुथ करूणारत्ने (27) को पंत के हाथों लपकवाया जबकि रविंद्र जडेजा ने धनंजय (30) को मैच में अपना छठा शिकार बनाया।

अश्विन ने कपिल को पीछे छोड़ा, 435 विकेट लिए

मोहाली। अनुभवी आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट मे सर्वाधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए जिन्होंने 434 विकेट लेने वाले कपिल देव को पीछे छोड़ा। 35 वर्ष के अश्विन ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने इस मैच से पहले 430 विकेट लिए थे और श्रीलंका की पहली पारी में दो तथा दूसरी पारी के तीन और विकेट चटकाए। कपिल ने 131 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी। भारत के महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले 132 मैचों मे 619 विकेट ले चुके है। अश्विन ने दूसरी पारी में पाथुम निसांका का विकेट लेकर कपिल की बराबरी की और चरित असालांका को 435वां शिकार बनाया। पहली पारी में उन्होंने 49 रन देकर दो विकेट लिए थे। अश्विन टेस्ट क्रिकेट में 400 से अधिक विकेट लेने वाले चौथे भारतीय गेंदबाज हैं। वह सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजो की सूची में नौवें नंबर पर पहुंच गए। उन्होंने न्यूजीलैंड के रिचर्ड हैडली (431) और श्रीलंका के रंगाना हेराथ (433) को भी पछाड़ा। भारत के कुंबले, अश्विन, कपिल देव और हरभजन सिंह की 400 से अधिक टेस्ट विकेट ले चुके हैं।

स्कोरबोर्ड

श्रीलंका दूसरी पारी : तिरिमन्ने का शर्मा बो अश्विन 0,करूणारत्ने का पंत बो शमी 27,निसांका का पंत बो अश्विन 6,मैथ्यूज पगबाधा बो जडेजा 28,डिसिल्वा का अय्यर बो जडेजा 30,असालांका का कोहली बो अश्विन 20, डिक्वेला नाबाद 51, लकमल का यादव बो जडेजा 0,एम्बुलदेनिया का पंत बो जडेजा 2, फर्नांडो पगबाधा बो शमी 0,कुमारा का शमी बो अश्विन 4,**अतिरिक्त** : 10 रन , **कुल योग** : 60 ओवर में 178 रन,**विकेट पतन** :1-9, 2-19, 3-45, 4-94, 5 -21, 6- 121, 7-121, 8-153, 9-170, **गेंदबाजी** : अश्विन 21-5-47-4, शमी 8-1-48-2, जडेजा 16-5-46-4 यादव 11-3-21-0, बुमराह 4-1- 7- 0

सभी विभागों में अच्छे रहे हम : रोहित

भाषा। मोहाली

टेस्ट कप्तानी की शुरूआत जीत से करने के बाद रोहित शर्मा ने रविवार को कहा कि भारत ने श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला के शुरूआती टेस्ट में सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया। रविंद्र जडेजा ने अपने हरफनमौला प्रदर्शन से जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने नाबाद 175 रन की पारी खेलने के साथ मैच में कुल नौ विकेट झटके जिससे टीम श्रीलंका पर तीन दिन के अंदर पारी और 222 रन की बड़ी जीत दर्ज करने में सफल रही। पहली पारी में 174 रन पर सिमटने के बाद श्रीलंकाई टीम दूसरी पारी में 178 रन पर सिमट गई। रोहित ने मैच के बाद कहा, यह अच्छी शुरूआत थी। हमारे लिए यह क्रिकेट का शानदार मैच था। हमने सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया। ईमानदारी से कहूं तो मैंने नहीं सोचा था कि यह ऐसा मैच होगा जो तीन दिन में खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा, यह बल्लेबाजी के लिए अच्छी पिच थी, इसमें कुछ टर्न था और तेज गेंदबाजों को भी कुछ मदद मिल रही थी। रोहित ने कहा, खिलाड़ियों को काफी श्रेय जाता है, उन्होंने बहुत अच्छी गेंदबाजी करते हुए दबाव बनाया और श्रीलंकाई बल्लेबाजों के लिए चीजें आसान नहीं होने दीं और लगातार अंतराल पर विकेट चटकाए। उन्होंने कहा, भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत है। काफी सारे शानदार प्रदर्शन रहे, विराट कोहली के लिए, उपलब्धि भरा टेस्ट रहा और हम सबसे पहले यहां आकर इस टेस्ट को जीतना चाहते थे। इस तरह के बड़े व्यक्तिगत प्रदर्शन को देखना शानदार है। जडेजा ने जहां व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल की तो रविचंद्रन अश्विन ने कपिल देव (131 मैच में 434 विकेट) को पीछे छोड़ दिया और अब 436 विकेट चटकाकर भारत के दूसरे सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाज हैं। अश्विन इस तरह अनिल कुंबले के 619 विकेट के रिकॉर्ड से पीछे हैं। वहीं रोहित दूसरे भारतीय कप्तान बन गए हैं जिन्होंने कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने के बाद पहले ही मैच में टीम को पारी से जीत दिलाई हो। पॉली उमरीगर पहले भारतीय कप्तान थे जिनकी अगुआई में भारत ने 1955-56 में मुंबई में न्यूजीलैंड को पारी और 27 रन से पराजित किया था।

फ्रांस, स्पेन, अमेरिका व अर्जेंटीना डेविस कप फाइनल्स में

लंदन। फ्रांस, स्पेन, अमेरिका और अर्जेंटीना डेविस कप टेनिस फाइनल्स में पहुंच गए जबकि बेल्जियम ने क्वालीफायर मे मेजबान फिनलैंड को 3-2 से हराया। आस्ट्रेलिया ने सिडनी में हंगरी को 3-2 से मात दी। वही इटली ने स्लोवाकिया को हराया। फ्रांस ने पाउ मे इक्वाडोर को 4-0 से हराया जो 2018 फाइनल के बाद घरेलू कोर्ट पर उसका पहला डेविस कप मुकाबला था। स्पेन ने मारबेला मे रोमानिया को 3-1 से शिकस्त दी। अमेरिका ने नेवाडा में कोलंबिया को 3-0 से हराया। वही अर्जेंटीना ने ब्यूनस आयर्स में चेक गणराज्य को 4-0 से मात दी।

ख्वाजा शतक से चूके, आस्ट्रेलिया के स्टंप तक दो विकेट पर 271 रन

रावलपिंडी। उस्मान ख्वाजा (97) और डेविड वार्नर (68) के आक्रामक अर्धशतकों की बदौलत आस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन अच्छी शुरूआत कर स्टंप तक पहली पारी मे दो विकेट पर 271 रन बना लिए। पाकिस्तान ने पहली पारी चार विकेट पर 476 रन पर घोषित की थी। इससे आस्ट्रेलियाई टीम 205 रन से पीछे चल रही है। दिन का खेल समाप्त होने तक मार्नस लाबुशेन भी आक्रामक अर्धशतक जड़ चुके थे और 69 रन बनाकर क्रीज पर डटे है। हालांकि खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ा और दिन का खेल 21 ओवर पहले खत्म कर दिया गया। लाबुशेन के साथ दूसरे छोर पर स्टीव स्मिथ 24 रन बना चुके है। पाकिस्तान में जन्मे ख्वाजा (15 चौके) और वार्नर (12 चौके) ने पहले विकेट के लिए 156 रन की भागीदारी निभाकर आस्ट्रेलिया को शानदार शुरूआत कराई।

कृष और रवि एशियाई युवा एवं जूनियर मुक्केबाजी के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। भारत के कृष पाल (46 किग्रा) और रवि सैनी (48 किग्रा) ने रविवार को जोर्डन के अम्मान में चल रही 2022 एएसबीसी एशियाई युवा एवं जूनियर मुक्केबाजी चैम्पियनशिप मे विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। चंडीगढ़ के कृष ने क्वार्टरफाइनल मे फिलीपीस के रोबर्ट जामेरो को 4-1 से और रवि ने थाईलैंड के अफिचिट चाएमडी को 3-2 से शिकस्त दी।

निशानेबाज श्रीयंका और अखिल को कांस्य

काहिरा। भारतीय निशानेबाज श्रीयंका साडंगी और अखिल शेरोन ने आईएसएसएफ विश्व कप मे 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस मिश्रित टीम वर्ग मे कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी 34 टीमो मे पांचवें स्थान पर थी। इसके बाद आठ जोड़ियो मे तीसरे स्थान पर रही। उन्होने आस्ट्रिया के गेरनोट रम्पलर और रेबेका कोएक को हराया।

विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों में नहीं खेलेंगी मैरीकॉम

नई दिल्ली। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज एक सी मैरीकॉम ने युवाओं को मौका देने के लिए इस साल होने वाली विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों में नही खेलने का फैसला किया है। छह बार की विश्व चैम्पियन बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अपनी तैयारियों पर ध्यान लगाना चाहती है।

बल्लेबाजों को आउट करना आसान नही था, लंबे समय तक कसी गेंदबाजी करनी पड़ी : अश्विन

भाषा। मोहाली

भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने यहां रविवार को टेस्ट क्रिकेट में देश के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज बनने के बाद कहा कि श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच में विकेट हासिल करना आसान नहीं था इसलिए उन्हें लंबे समय तक कसी गेंदबाजी करनी पड़ी। अपना 85वां टेस्ट मैच खेल रहे 35 वर्षीय अश्विन ने श्रीलंका की दूसरी पारी में चरिथ असालंका को आउट कर महान क्रिकेटर कपिल देव के 434 टेस्ट विकेट की उपलब्धि को पीछे छोड़ दिया। भारत ने यह टेस्ट पारी और 222 रन से जीता। अश्विन ने कहा, पिच वास्तव में काफी अच्छी थी, बल्लेबाज जब रक्षात्मक होकर खेल रहे थे तो उन्हें आउट करना आसान नहीं था। आपको लंबे समय तक कसी गेंदबाजी करनी पड़ी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि (मोहम्मद) शमी और जसप्रीत (बुमराह) ने उस छोर से दबाव बनाया, जहां पिच ज्यादा टर्न नहीं ले रही थी। अश्विन ने स्टार आल राउंडर रविंद्र जडेजा के मैच विजई प्रदर्शन की भी प्रशंसा की और कहा, मुझे लगता है कि वह पिछले चार-पांच वर्षों में काफी आगे बढ़ चुका है।

मेरे लिए अश्विन सर्वकालिक महान गेंदबाज हैं, जो बेहतर ही होते जा रहे हैं : रोहित

मोहाली। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की समय के साथ बेहतर होने की काबिलियत से काफी हैरान हैं और रविवार को हासिल की गई उपलब्धि के बाद उन्होंने उन्हें सर्वकालिक महान गेंदबाज भी करार दिया। कपिल देव के 434 विकेट को पीछे छोड़कर देश के सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाज बने अश्विन ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में 96 रन देकर छह विकेट चटकाए जिससे उनके कुल 436 विकेट हो गए हैं। रोहित से जब अश्विन की महज 85 टेस्ट में हासिल की गई उपलब्धि के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, इस उपलब्धि को हासिल करना उनके क्रिकेट करियर में बड़ी चीज है। जब आप टेस्ट क्रिकेट खेलने की चाहत के साथ बड़े होते हो तो आप इन चीजों के बारे में सपना नहीं देखते इसलिए इसे हासिल करना उसके लिए एक बड़ी उपलब्धि है। मैं लंबे समय से अश्विन को खेलते हुए देख रहा हूं और जब भी मैं उसे देखता हूं, वह बेहतर से बेहतर होता ही दिखता है। अश्विन एक ऐसा खिलाड़ी है जिसे हमेशा अपनी काबिलियत पर भरोसा रहता है। अश्विन विश्व क्रिकेट रैंकिंग में शीर्ष 10 में नौंवे नंबर पर काबिज हैं और रोहित की निगाह में वह सर्वकालिक महान गेंदबाज हैं।

भारत ने पाक को हराकर जीत किया आगाज

● विश्व कप के पहल में 107 से मारी बाजी

भाषा। माउंट मोनगानुई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में 107 रन से हराकर आईसीसी महिला विश्व कप में रविवार को जीत के साथ आगाज किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का भारतीय कप्तान मिताली राज का फैसला सही साबित हुआ।

फॉर्म में चल रही सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना, स्नेह राणा और पूजा वस्त्राकर के अर्धशतकों की मदद से भारत ने शुरूआती झटकों से उबरते हुए सात विकेट पर 244 रन बनाए। जीत के लिए 245 रन के जवाब में पाकिस्तानी टीम 43 ओवर में 137 रन पर आउट हो गई। भारत के हाथों 50 ओवरों के प्रारूप में यह उसकी लगातार 11वीं हार थी। भारत के लिए बाएं हाथ की स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ ने 10 ओवर में 31 रन देकर चार विकेट लिए। अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने 29 रन देकर दो और राणा ने 27 रन देकर दो विकेट चटकाए। भारत की शुरूआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा तीसरे ही ओवर में खाता खोले बिना आउट हो गई। मंधाना (75 गेंद में 52 रन) और दीप्ति शर्मा (57 गेंद में 40 रन) ने पारी को आगे बढाया। पाकिस्तान ने कप्तान मिताली राज (नौ) और उपकप्तान हरमनप्रीत कौर (पांच) के विकेट जल्दी लेकर भारत पर दबाव बनाया।

शीर्ष क्रम के बड़े टूर्नामेंट में रन बनाने होंगे : मिताली

माउंट मोनगानुई। भारत ने महिला विश्व कप के शुरूआती मैच में भले ही पाकिस्तान को 107 रन से हरा दिया हो लेकिन कप्तान मिताली राज ने रविवार को अपनी टीम की बल्लेबाजी, विशेषकर शीर्ष क्रम के बारे मे चिंता व्यक्त की। मिताली ने मैच के बाद कहा, मै खुश हूं कि हम पहला मैच जीत गए लेकिन काफी चीजों पर काम करना है। जब आप मध्यक्रम में विकेट गंवाते हो तो इससे काफी दबाव बन जाता है। इस तरह के बड़े टूर्नामेंट में शीर्ष क्रम को रन बनाने पड़ेंगे। उन्होंने कहा, जब आपके पास स्नेह (राणा), दीप्ति (शर्मा) और पूजा (वस्त्राकर) जैसे आल राउंडर हो, तो हमारा बल्लेबाजी लाइन अप बढ़ा ही है। उम्मीद है कि पूजा अगले मैच से पहले ठीक होगी।

स्कोरबोर्ड

भारत :मंधाना का और बो अनम अमीन 52,वर्मा बो डायना बेग 0,दीप्ति बो संधू 40, मिताली का डायना बेग बो संधू 9, हरमनप्रीत पगबाधा बो निदा दर 5,घोष बो निदा दर 1 , राणा नाबाद 53, वस्त्राकर बो फातिमा सना 67,गोस्वामी नाबाद 6,अतिरिक्त : 11 रन,कुल योग : 50 ओवर में सात विकेट पर 244 रन, विकेट पतन :1-4, 2-96, 3-98, 4-108, 5-112, 6-114, 7-236., गेंदबाजी : बेग 10-1-61-1, अमीन 10-1- 43-1, दर 10-1- 45-2,सना 10-0-58-1, संधू 10-0- 36-2

पाकिस्तान पारी : अमीन का रिचा बो गोस्वामी, जावेरिया का गोस्वामी बो गायकवाड़, बिस्माह का रिचा बो दीप्ति 15, ओमैमा का दीप्ति बो राणा 5, निदा दर का रिचा बो गोस्वामी 4, रियाज स्ट रिचा बो गायकवाड़ 11, सना पगबाधा बो गायकवाड़ 17, नवाज पगबाधा बो गायकवाड़ 12, डायना बेग का हरमनप्रीत बो मेघना 24, नशरा संधू का रिचा बो राणा 0, अनम अमीन नाबाद 5, **अतिरिक्त** : तीन रन, **कुल योग** : 43 ओवर में 137 रन, विकेट पतन :1-28, 2-53, 3-58, 4-67, 5-70, 6-87, 7-98 , 8-113, 9-114, **गेंदबाजी** : गोस्वामी 10-26- 2 मेघना 7-3-21-1, गायकवाड़ 10-0-31- 4, दीप्ति 7-0- 31-1, राणा 9-0-27-2

महाराष्ट्र को हराकर उत्तर प्रदेश नाकआउट में

करण शर्मा 116 रन

● रणजी: छह विकेट से हराया विदर्भ बाहर

भाषा। सुल्तानपुर (हरियाणा)

उत्तर प्रदेश ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप जी मैच में महाराष्ट्र को छह विकेट से हराकर नॉकआउट में जगह बना ली। पहली पारी में बढत बनाने वाली महाराष्ट्र टीम ने चौथे दिन चार विकेट पर 84 रन से आगे खेलना शुरू किया और पांच विकेट पर 211 रन पर पारी घोषित करने का साहसिक फैसला लिया। राहुल त्रिपाठी 110 गेंद में 17 चौकों और दो छक्कों की मदद से 123 रन बनाकर नाबाद थे। जीत के लिए 357 रन के कठिन लक्ष्य के जवाब में उत्तर प्रदेश के लिए अलमास शौकत (100) और कप्तान करण शर्मा (116) ने शतक लगाए। रिंकू सिंह ने सिर्फ 60 गेंद में 78 रन बनाए। उत्तर प्रदेश ने समर्थ सिंह (18) और प्रियम गर्ग (18) के विकेट सस्ते में गंवा दिए थे इसके बाद शौकत और करण ने पारी को संभाला। शौकत ने अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के जड़े जबकि करण ने सात छक्के और चार चौके लगाए। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 142 रन की साझेदारी की। रिंकू ने पांच चौके और पांच छक्के लगाए और करण के साथ 89 रन जोड़े। इस मैच से पूरे छह अंक लेकर उत्तर प्रदेश ने नॉकआउट में जगह बना ली।

मध्यप्रदेश ने ड्रा खेला

राजकोट। मध्यप्रदेश ने रविवार को केरल के खिलाफ अंतिम एलीट ग्रुप ए मैच ड्रा रहने के बावजूद रणजी ट्राफी के नॉकआउट के लिए क्वालीफाई किया। मध्यप्रदेश ने ग्रुप लीग मैचों में केरल (1.648) से बेहतर भागफल 2.147 के आधार पर क्वालीफाई किया।

झारखंड जीता, नॉकआउट के लिए क्वालीफाई किया

गुवाहाटी। झारखंड ने सौरभ तिवारी (93) और कुमार कुशाग्र (50) के अर्धशतकों की मदद से रविवार को यहां तमिलनाडु को दो विकेट से हराकर रणजी ट्राफी ग्रुप एच से नॉकआउट के लिए क्वालीफाई किया। झारखंड ने ग्रुप में 12 अंक से शीर्ष पर रहकर अगले दौर में जगह बनाई। वहीं दिल्ली और छत्तीसगढ़ के बीच मैच ड्रा रहा। छत्तीसगढ़ को पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक और दिल्ली को एक अंक मिला। पहली पारी में 295 रन पर सिमटने के बाद फॉलो ऑन खेल रही दिल्ली ने अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम की अगुआई करने वाले यश धुल (नाबाद 200) के नाबाद दोहरे शतक और ध्रुव शौरी (100) के शतक से छत्तीसगढ़ के खिलाफ दूसरी पारी दो विकेट पर 396 रन पर घोषित की।

चंडीगढ को हराकर बंगाल क्वार्टर फाइनल में

कटक। बंगाल ने चंडीगढ को 152 रन से हराकर लगातार तीन जीत के साथ रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मैच के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। जीत के लिए 413 रन के लक्ष्य का पीछा करते चंडीगढ को बंगाल ने 260 रन पर आउट कर दिया। ईशान पोरेल ने तीन जबकि मुकेश कुमार और नीलाकांता दास ने दो दो विकेट लिए। चंडीगढ के नौवें नंबर के बल्लेबाज जसकरण सिंह ने अकेले किला लड़ाते हुए नाबाद 60 रन बनाए लेकिन उन्हें दूसरे छोर से साथ नही मिल सका। अमृत लुबाना (57) और कप्तान मनन वोहरा (40) अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में नही बदल सके। बड़ौदा के खिलाफ पहले मैच में 88 रन पर आउट होने वाली बंगाल टीम के लिए यह शानदार वापसी रही। वह ग्रुप बी मे 18 अंक लेकर शीर्ष पर रहा।

नगालैंड ने मिजोरम को हराया

कोलकाता। बाएं हाथ के स्पिनर इमलीवती लेमतुर के चार विकेट से नगालैंड ने रविवार को यहां रणजी ट्राफी प्लेट ग्रुप मैच मे मिजोरम पर 448 रन की बड़ी जीत दर्ज की। नगालैंड ने मिजोरम को 261 रन के स्कोर पर समेट दिया। मिजोरम को जीत के लिए 710 रन का असंभव लक्ष्य मिला था जिसके जवाब में उसने सुबह एक विकेट पर 42 रन से आगे खेलना शुरू किया और पूरी टीम 93.4 ओवर मे सिमट गई। नगालैंड की यह लगातार तीसरी जीत थी। इस जीत से नगालैंड का प्लेट ग्रुप तालिका में 19 अंक से शीर्ष पर स्थान पक्का हो गया क्योंकि मणिपुर उससे नौ अंक पीछे दूसरे स्थान पर है। अभी दो और राउंड खेले जाने हैं। ग्रुप के अन्य मैचों मे अरूणाचल प्रदेश ने बिहार को 15 रन से और सिक्किम ने मणिपुर को 190 रन से हराकर पूरे छह अंक हासिल किए।

ओडिशा पर पारी की जीत से मुंबई अंतिम-8 में में

अहमदाबाद। कई बार की चैम्पियन मुंबई ने रविवार को यहां एलीट ग्रुप डी मैच में ओडिशा पर पारी और 108 रन की बड़ी जीत से 2017-18 सत्र के बाद पहली बार रणजी ट्राफी क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। पहली पारी में 248 रन से पिछड़ने वाली ओडिशा ने अंतिम दिन पांच विकेट पर 84 रन से खेलना शुरू किया

हिमाचल को हराकर भी नॉकआउट में जगह नहीं बना सका हरियाणा

नई दिल्ली। हरियाणा ने हिमाचल प्रदेश को 281 रन से हराया लेकिन एलीट रणजी ट्रॉफी ग्रुप एफ में पंजाब के बाद दूसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट के लिए क्वालीफाई नहीं कर सका। पंजाब ने पहले ही त्रिपुरा को छह विकेट से हराकर ग्रुप से नॉकआउट में प्रवेश कर लिया है। अपने कल के स्कोर छह विकेट पर 102 रन से आगे खेलते हुए हरियाणा ने दूसरी पारी नौ विकेट पर 320 रन पर घोषित की।

कर्नाटक की पुडुचेरी पर बड़ी जीत, ग्रुप सी में शीर्ष पर

चेन्नई। कर्नाटक ने रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप सी मैच में रविवार को यहां चौथे और अंतिम दिन पुडुचेरी को पारी और 20 रन से हराकर शानदार तरीके से क्वालीफाई किया। इस जीत से कर्नाटक को सात अंक मिले और टीम 16 अंक लेकर ग्रुप में शीर्ष पर रही। रेलवे ने जम्मू कश्मीर पर जीत दर्ज की जिससे उसके 10 अंक रहे। जम्मू कश्मीर के छह और पुडुचेरी का एक अंक रहा।

आईपीएल का आगाज चेन्नई सुपर किंग्स व कोलकाता नाइट राइडर्स के मुकाबले से

● 26 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम मैच

भाषा। मुंबई

गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15वें चरण के शुरूआती मैच में यहां 26 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सामने होगी। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने रविवार को इस लुभावनी लीग के कार्यक्रम की घोषणा की जो चार स्टेडियमों - मुंबई में वानखेड़े स्टेडियम और क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया, नवी मुंबई में डीवाई पाटिल स्टेडियम और पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम - में खेली जाएगी। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने मीडिया विज्ञप्ति में कहा, 65 दिन में कुल 70 लीग मैच और चार प्लेऑफ मुकाबले खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में 12 डबल हेडर (एक दिन में दो मैच) होंगे और इन दिनों में पहला मैच दोपहर साढ़े तीन बजे और शाम का मैच साढ़े सात बजे शुरू होगा। पहला डबल हेडर 27 मार्च को होगा जिसमें दिन का मुकाबला ब्रैबोर्न स्टेडियम (सीसीआई) में होगा जिसमें दिल्ली कैपिटल्स की भिड़ंत पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस से होगी। फिर शाम का मैच डी वाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा जिसमें पंजाब किंग्स का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से होगा। पुणे में पहला मैच 29 मार्च को खेला जाएगा जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स आमने सामने होंगी। बीसीसीआई ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वानखेड़े और डीवाई पाटिल स्टेडियम में 20-20 मैच जबकि ब्रैबोर्न स्टेडियम और पुणे में 15-15 मैच खेले जाएंगे। फाइनल लीग मैच भी यहां वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा जिसमें 22 मई को सनराइजर्स हैदराबाद का सामना पंजाब किंग्स से होगा। दो नई टीमें गुजरात टाइटन्स और लखनऊ सुपर जायंट्स अपना पहला मैच 28 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में खेलेंगी। बीसीसीआई ने कहा कि प्लेऑफ और (29 मई को होने वाला) फाइनल के कार्यक्रम की घोषणा बाद में की जाएगी।

बेंच स्ट्रेंथ तैयार करने की जिम्मेदारी ली है : रोहित

मोहाली। रोहित शर्मा मानते हैं कि उनके लिए मैच जीतने से बड़ी चुनौती बेंच स्ट्रेंथ तैयार करना है और उन्होंने यह जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली है ताकि जब वह भविष्य में भारतीय क्रिकेट को छोड़कर जाएं तो यह सुरक्षित हाथों में हो। रोहित ने टेस्ट कप्तान के तौर पर अपनी यात्रा श्रीलंका पर पहले टेस्ट में पारी और 222 रन की शानदार जीत से शुरू की। रोहित ने टेस्ट मैच खत्म होने के बाद कहा, अगर आपको बेंच स्ट्रेंथ बनानी है तो आपको अभी से सोचना शुरू करना होगा, तभी भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में होगा।

टोक्यो मैराथ में किपचोगे ने मारी बाजी